मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

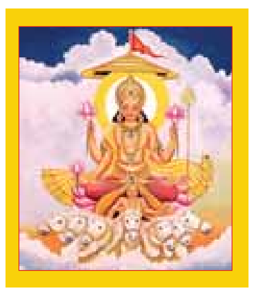

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

चैत्र, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वादशी, संवत 2079 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-8, अंक-7, 13 अप्रैल - 19 अप्रैल, 2022 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

श्मशान में चाय-पानी!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

भारतीय संस्कृति में जीवन से मृत्यु उपरान्त कई संस्कार होते हैं जिनमें एक अंतिम संस्कार भी होता है। हिन्दुओं में अंतिम संस्कार का दूसरा नाम दाह संस्कार भी है। मैं ग्रामीण परिवेश में पला-बढ़ा हूं। मैं वहां बचपन में देखता था कि अगर किसी की मौत हो जाती थी तो लाश उठाए जाने तक किसी के घर में चूल्हा भी नहीं जलता था। इसी प्रकार किसी महिला को प्रसव पीड़ा होती थी तो कई महिला-पुरुष प्रसव होने तक खाना-पीना छोड़ देते थे। आजकल शहर और गांवों में बहुत कुछ हमारी संस्कृति का ह्रास हो चुका है। शहरों में कुछ ज्यादा ही हो रहा है। श्मशान में शव पूरी तरह अग्नि में विलीन भी नहीं होता उससे पहले पीने के लिए पानी की बोतलें आ जाती है। एक तरफ शव जलता है दूसरी तरफ लोग पानी पीते रहते हैं। कई जगह तो श्मशान के बाहर आकर लोगों को चाय तक पीते हुए देखा जा सकता है। आम लोगों में एक कहावत प्रचलित है कि 'दुष्ट, मलेच्छ हत्यारे कहीं के श्मशान से आकर हाथ भी नहीं धोए और लग गया खाने'। मगर अब तो श्मशान से आने के बाद बिना नहाए लोगों को ऑफिसों में या मजदूरी पर जाते हुए भी देखा जाता है। इसी तरह तीये की बैठक में देखिए। आने वालों के लिए पानी के साथ चाय की भी व्यवस्था होने लगी है। कई महिलाएं तो सज-संवर कर तीये की बैठकों में जाने लगी है। वहां भी दिखावा पीछे नहीं छूट रहा। कई लोग तो ये सोच कर कि पता नहीं श्मशान में कितना समय लगेगा, घर से कुछ खा-पीकर ही निकलते हैं। कहां तक मर गई हमारी सोच। कहां तक बढ़ गई भूख। शव की अर्थी निकलने से पहले मनुष्य अपनी संवेदनाओं की अर्थी निकाल रहा है। ऐसा हमारी संस्कृति में तो नहीं था। कहां से पनप गई ये सब बातें। कई बार देखा और सुना जाता है कि फलां आदमी को तो ठेले में डालकर चार-पांच आदमी श्मशान ले गए। ये सब स्थिति समाज से दूर रहने वालों के लिए पैदा होती है। समाज और परिवार हमारे जीवन की इकाईयां हैं इनसे जुड़े रहकर सामाजिक परम्पराओं का पालन करने पर ही हम सामाजिक प्राणी कहलाते हैं। वरना तो जानवर और इंसान में अंतर करना भी मुश्किल हो जाएगा।

shivdayalmishra@gmail.com

झारखंड रोप-वे ऑपरेशन पूरा : रेस्क्यू के दौरान गिरी महिला की मौत

46 को बचाया, 4 मरे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देवघर (झारखंड)। झारखंड के देवघर में त्रिकुट पर्वत पर रोप-वे हादसे के 45 घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया। रोप-वे की ट्रॉलियों में फंसे 48 लोगों में से 46 को बचा लिया गया है। हादसे में कुल 4 लोगों की मौत हुई है और 12 से ज्यादा घायल हैं। रेस्क्यू के दौरान दूसरे दिन भी एक महिला ट्रॉली से गिर गई। उसकी मौत हो गई। सोमवार को भी एक युवक की हेलिकॉप्टर में चढ़ाने के दौरान गिरने से जान चली गई थी। मंगलवार को तीसरे दिन 7 घंटे के करीब ऑपरेशन चला। एयरफोर्स और ITBP के जवानों ने हेलिकॉप्टर से 2500 फीट ऊंचाई पर पहुंचकर रोप-वे की तीन ट्रॉलियों में फंसे 15 को निकाल लिया। ऊंचाई और तेज हवा होने की वजह से यह सबसे मुश्किल रेस्क्यू हुआ। रेस्क्यू के दौरान एक जवान के पैर में चोट लग गई। एक दिन पहले सोमवार को सेना, वायुसेना, ITBP और NDRF की टीमों ने 12 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसमें 33 लोगों को तीन हेलिकॉप्टर और रस्सी के सहारे बचाया गया था। रेस्क्यू के दौरान सेफ्टी बेल्ट टूट जाने के कारण एक व्यक्ति की हेलिकॉप्टर से नीचे गिर कर मौत हो गई थी। अंधेरा और कोहरा हो जाने की वजह से ऑपरेशन बंद कर दिया गया था।

रेस्क्यू का सबसे कठिन दौर था

वायु सेना, सेना और NDRF की टीमें अतिरिक्त सतर्कता बरती। टीम में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि तीन ट्रॉली सबसे ऊंचाई पर थे, जिसकी वजह से रोप-वे के तार के कारण लोगों तक पहुंचने में कठिनाई आई। इस ऑपरेशन में वायु सेना के तीन हेलिकॉप्टर लगाया गया था। आला अधिकारियों ने लगातार मौके पर कैंप किया। इस

हादसे में बचाए गए 12 से अधिक लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें महिलाएं और बच्चियां शामिल हैं। कुछ घायलों को ह्वष्ट में भी रखा गया है।

सोरेन ने जवानों को किया सलाम

रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, 'रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। दुर्भाग्य से इस हादसे में हमने कुछ लोगों को खो दिया। अपनी जान जोखिम में डाल कर लोगों की मदद करने वाले एयरफोर्स, आर्मी, NDRF और ITBP के जवानों तथा प्रशासन को सलाम करता हूँ। शीघ्र मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा हताहत होने वाले लोगों को मदद हेतु निर्णय लिया जाएगा।'

हादसे में इनकी मौत

हादसे में देवघर के सारठ प्रखंड की सुरसा देवी की मौत हो गई। एक घायल महिला की भी मौत हुई, लेकिन प्रशासन ने पुष्टि नहीं की है। वहीं रेस्क्यू के दौरान गिरन से सोमवार को राकेश कुमार मंडल निवासी सरैयाहाट प्रखंड नावाडीह और मंगलवार को देवघर के झोसागड़ी की शोभा देवी की जान चली गई। शोभा का पूरा परिवार फंसा था, जिसे निकाल लिया गया था।

25 अप्रैल तक जांच रिपोर्ट मांगी

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन व जस्टिस एसएन प्रसाद की अदालत ने देवघर में रोपवे हादसे पर स्वत: संज्ञान लिया है। अदालत ने राज्य सरकार से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट 25 अप्रैल को मांगी है। कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2009 में इस तरह की गड़बड़ी हुई थी, लेकिन उससे सबक नहीं लिया गया और दोबारा घटना हुई है। इस दौरान राज्य सरकार की ओर महाधिवक्ता ने कहा कि मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

स्मार्ट सिटी की रैंकिंग जारी

जयपुर को मिला छठा स्थान, सूरत नंबर एक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्मार्ट सिटी ने देश के 100 शहरों की रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में जयपुर को छठा स्थान मिला है। हर महीने जारी होने वाली इस रैंकिंग में जयपुर को 107.89 अंक मिले हैं। रैंकिंग हर महीने स्मार्ट सिटी में होने टेंडर, मौके पर प्रोजेक्ट्स की स्थिति, फंड यूटिलाइजेशन समेत 9 बिंदुओं के एनालिसिस के आधार पर जारी की जाती है। जयपुर की बात की जाए तो यहां अब तक स्मार्ट सिटी के तहत 56 काम पूरे हो चुके हैं, जबकि 60 से ज्यादा प्रोजेक्ट का काम प्रगति पर चल रहा है। कई प्रोजेक्ट अब भी ऐसे हैं, जिनके टेंडर प्रक्रियाधीन है। बीते सवा साल में स्मार्ट सिटी के कामों ने तेजी पकड़ी है। वरना पहले केवल 17 प्रोजेक्ट्स का ही काम पूरा हो पाया था।

जयपुर ने अपनी रैंक में और सुधार करते हुए अब तक की श्रेष्ठ छठी रैंक हासिल की है।

सूरत को पहला, आगरा को मिला दूसरा स्थान

इस रैंकिंग में सूरत पहले स्थान पर आया है। वहीं आगरा दूसरे, वाराणसी तीसरे, भोपाल चौथे और इंदौर पांचवें स्थान पर है। जबकि राजस्थान के 3 अन्य स्मार्ट सिटी कोटा 95.90 अंक के साथ 13वें, उदयपुर 95.47 अंक के साथ 14वें और अजमेर 89.46 अंक के साथ 18वें स्थान पर काबिज हुए हैं। वहीं स्टेट लेवल पर राजस्थान अभी भी टॉप पर है।

इस बार सामान्य रहेगा 2022 का मानसून!

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली प्राइवेट एजेंसी स्काईमेट ने 2022 के लिए मानसून का पूर्वानुमान जारी कर दिया है। इसके मुताबिक इस साल मानसून सामान्य रहने की संभावना है। यानी इस बार बारिश के 4 महीनों के दौरान 98 प्रतिशत बारिश होगी। अमूमन जून से सितंबर के बीच भारत में 880.6 मिमी वर्षा होती है, यानी 2022 में यह इसी मात्रा का 98 प्रतिशत हो सकता है। स्काईमेट ने अपने इस अनुमान में 5 प्रतिशत की कमी या बढ़ोतरी का भी मार्जिन रखा है।

जागरूक खबरें

रीट-2022, अक्टूबर में होगा सिलेक्शन एग्जाम

जयपुर @ जागरूक जनता। शिक्षा विभाग द्वारा ग्रेड थर्ड टीचर्स के 46 हजार 500 पदों पर भर्ती के लिए आवदेन प्रक्रिया 18 अप्रैल से शुरू होगी और एक महीने तक चलेगी। रीट-2022 का आयोजन 23 और 24 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में टीचर्स के सिलेक्शन के लिए एक और परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में पात्रता परीक्षा पास कर चुके अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे।

वाशिंगटन @ जागरूक जनता। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर 2+2 वार्ता के लिए 5 दिनों के अमेरिका दौरे पर हैं। दोनों ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की। »» पेज 8 भी देखें

एआईएमए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एयर चीफ मार्शल बोले...

भविष्य के युद्ध होंगे हाइब्रिड-चौधरी

कंप्यूटर वायरस भी होंगे हाइब्रिड वारफेयर का हिस्सा, बिना पहली गोली चले हो जाएगा बहुत कुछ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के प्रमुख विवेक राम चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भविष्य के युद्ध की प्रकृति हाइब्रिड होने की संभावना है। इसमें आर्थिक प्रतिबंध, सूचना अवरोध, कंप्यूटर वायरस और हाइपरसोनिक मिसाइल जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाएगा। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में अपने भाषण में एयर चीफ मार्शल ने कहा, साइबर और सूचना युद्धक्षेत्र को आकार देने के आधुनिक उपकरण बन गए हैं। उन्होंने कहा कि सूचना के क्षेत्र में

अच्छी तरह से गढ़ा गया विमर्श शत्रु को प्रभावित करेगा और इसके विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं। वायुसेना के प्रमुख ने कहा कि लोग एक-दूसरे से आपस में बहुत ज्यादा जुड़ गए हैं, ऐसे में हमारे नेटवर्क पर साइबर हमला कमान और नियंत्रण संरचनाओं को पंगु बना सकता है। उन्होंने कहा कि अगली जंग में दुश्मन शायद एक देश या संगठन न हो। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत को शायद यह कभी पता न चल पाए कि उसके कंप्यूटरों पर हमला करने वाले कौन लोग हैं और यह हमला कब तथा कहां से होगा। चौधरी ने कहा कि भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों पर हमला किया जा सकता है, जिसमें आर्थिक प्रतिबंध से लेकर राजनयिक तौर पर अलग-थलग किए जाने और सैन्य गतिरोध से लेकर कंप्यूटरों पर हमला कर सूचना को अवरुद्ध करना तक शामिल है।

उनके मुताबिक, यह सबकुछ पहली गोली चलने और पहले विमान के सीमा पार करने से पूर्व ही हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, हम जिन हथियारों को देख रहे हैं वे एक छोटे कंप्यूटर वायरस से लेकर हाइपरसोनिक मिसाइल तक होंगे। गौरतलब है कि देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत भी कई बार हाइब्रिड वारफेयर का जिक्र कर चुके हैं।

सरकारी उपक्रमों-बोर्ड-निगम-विवि पेंशनर्स को मिलेगा 7वां वेतन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के सभी सरकारी उपक्रमों, बोर्ड, निगमों और विश्वविद्यालयों के रिटायर्ड कर्मचारियों-पेंशनर्स को भी 7वें वेतनमान के मुताबिक पेंशन मिलेगी। इससे लगभग 1 लाख पूर्व कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। राजस्थान रोडवेज समेत कई राजकीय उपक्रम, बोर्ड, निगमों के कर्मचारी और पेंशनर्स संगठन लम्बे समय से 7वें वेतनमान का लाभ देने की मांग सरकार से कर रहे थे। सरकारी आदेश के मुताबिक 1 अप्रैल 2022 से ही संशोधित पेंशन का लाभ मिलना शुरू हो गया है।

जागरूक खबरें

पुलिस अधीक्षक करौली से मिला भगवा रक्षा दल

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के प्रतिनिधि मंडल ने करौली मे हुई साम्प्रदायिक घटना के सन्दर्भ मे राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा के नेतृत्व मे युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव गोविन्द ठाकुर व्यापार प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जैन प्रदेस महासचिव हर्ष वर्धन सिंह राठौर जयपुर जिला युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तनुज सैनी योगेन्द्र सिंह ने ज्ञापन सौपा और मांग की गई कि इस घटना में शामिल अपराधियों को तत्काल प्रभाव से गिरफतार किया जाए। साथ ही, पीड़ित परिवार को राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाइ जाए, और जल्द से जल्द जिले मे कानून व्यवस्था सुचारू की जाए जिससे कि आम जनता का जीवन पुनः समान्य तरीके से व्यतीत हो सके।

धूमधाम से मनाया राम जन्मोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। मंदिर महंत नंदकिशोर महाराज के सानिध्य में श्री राम जन्मोत्सव छोटी चौपड़ श्री सीताराम जी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। प्रातः 5:30 बजे ठाकुर जी की मंगला आरती की गई एवं प्रातः 8:00 बजे ठाकुर जी की श्रृंगार आरती की गई। प्रातः11:00 बजे श्री राम लल्ला जी का 51 किलो दूध से पंचामृत अभिषेक किया गया। दोपहर 1:00 बजे श्री राम लल्ला जी की जन्म आरती की गई। जन्म आरती में श्री राम लला जी की पालने में झांकी सजाई गई। ठाकुर जी को नवीन पोशाक धारण करवाई गई। पूरे मंदिर प्रांगण को फूलों से सजाया गया। सभी भक्तों को पंजरी प्रसादी एवं लड्डू प्रसादी वितरित की गई। शाम 7:00 बजे ठाकुर जी की महा आरती एवं शाम 7:30 बजे संगीत में सुंदरकांड के पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन है। सभी कार्यक्रम मंदिर महंत श्री नंदकिशोर महाराज के सानिध्य में संपन्न हुए।

चैत्र नवरात्र नवमी पर किया कन्या पूजन

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति नया खेड़ा परिसर में चैत्र नवरात्र नवमी पर कन्या पूजन किया गया। समिति उपाध्यक्ष मुकुल सिंह सांचोरा ने बताया कि समिति अध्यक्ष भवर सिंह द्वारा मातारानी की जोत लेकर खीर पूड़ी का भोग लगाया गया। सचिव नवरतन सिंह, कोषाध्यक्ष इंदर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष भागीरथ सिंह व्यवस्थापक मंत्री गणपत सिंह सीताराम सिंह संयुक्त सचिव हेमंत सिंह दरियाव सिंह संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह प्रचार मंत्री दुर्गा सिंह करण सिंह श्रवण सिंह सांस्कृतिक मंत्री नरेंद्र सिंह विशाल छोटू पंडित प्रदीप शर्मा भवानी सिंह अभीजीत सिंह मोहित सिंह मातृशक्ति प्रतिभा कंवर नीरज कवर विमला देवी ने कन्याओं के लिए भोजन बनाया।

वाल्मीकि समाज मंदिर में 108 कन्याओं का सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय संस्कृति संगठन द्वारा रामनवमी पर अम्बाबाड़ी बाल्मिकी समाज के मंदिर में 108 कन्याओं को राष्ट्रीय संस्कृति संगठन की अध्यक्ष बीना पारीक, संस्थापक सुजाता पारीक, सुनील उपाध्याय भाजपा विधायक नरपत सिंह राजवी ने बाल्मिकी परिवार के मुखिया अर्जुन को दुपट्टा पहना स्वागत किया। मंडल मुख्य सलाहकार अशोक जिंदल, मंडल अध्यक्ष ताराचंद, के के गुप्ता, बाल्मिकी परिवार के मुख्य कार्यकर्ता अर्जुन निगम, गोविंद, मातृशक्ति कर्मठ, निष्ठावान सिम्मी अग्रवाल एवं नीलम द्वारा राम जन्मोत्सव पर मंदिर में महा आरती कर बच्चों को बिस्कुट, नमकीन, स्टेशनरी सामान एवं आईसक्रीम वितरण किया गया। अर्जुन को सहयोग के लिए राष्ट्रीय संस्कृति संगठन की ओर से अध्यक्ष बीना पारीक ने धन्यवाद दिया।

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्ट हुआ महंगा, रसोई का बिगड़ने लगा बजट

आलू-प्याज को छोड़ सभी सब्जियों के भाव आसमान पर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ रही है। पेट्रोल-डीजल के दाम में लगी आग अब आम आदमी की रसोई तक पहुंच गई है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है और अन्य वस्तुओं के साथ सब्जियों की आवक प्रभावित हो रही है। परिणामस्वरूप, सब्जियों के भाव आसमान पर पहुंच गए हैं, इससे गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है और धीरे-धीरे आम आदमी की थाली से सब्जियां गायब होती जा रही हैं। मंडियों में लोकल सब्जियों की आवक घटने और बाहर से आ रही सब्जियों का ट्रांसपोर्ट खर्चा बढ़ने से सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी हुई है।

उपभोक्ताओं पर दोहरी मार

सब्जियों की कीमत में आई महंगाई से उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ रही है। एक और जब पेट्रोल-डीजल के भाव

बढ़ने से सब्जियां व अन्य उत्पाद महंगे हो गए है। सब्जियों की कीमत में इजाफे से लोगों की बचत पर सीधा असर पड़ा है। सब्जी विक्रेताओं का कहना है अन्य राज्यों से आने वाली फल-सब्जियों की कीमत में वृद्धि परिवहन शुल्क बढ़ने से हुई है।

गर्मी में बढ़ जाते है भाव

सब्जी विक्रेता सुनिल गहलोत ने बताया एकदम गर्मी बढ़ जाने से बाहर से सब्जियां कम आ रही है। वहीं, गर्मी के कारण सब्जियां जल्दी खराब भी हो जाती है, इसलिए मांग के अनुरूप सप्लाई नहीं होने के कारण भी सब्जियों के भाव बढ़े हुए है।

आलू-प्याज-टमाटर को छोड़ सभी सब्जियां महंगी

वर्तमान में आलू-प्याज व टमाटर को छोड़ सभी सब्जियां महंगी है। आलू-प्याज व टमाटर के रिलेल भाव 25-30 रुपए किलो है। इनके अलावा अधिकांश सब्जियों के भाव 40 रुपए किलो से ज्यादा है।

फल-सब्जियों व रोजमर्रा की वस्तुओं के भाव बढ़ने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है। इससे घर का बजट गड़बड़ा रहा है। सरकार को महंगाई को नियंत्रण कर आम जनता को राहत देने के उपाय करने चाहिए। **- विनीता सोनी,** गृहिणी

पुराने समय में सब्जियों व अन्य वस्तुओं के भाव इतने तेज नहीं होते थे। समय बदलने के साथ महंगाई भी तेजी से बढ़ती जा रही है। अब तो सब्जियों के भाव सुनकर ही आश्चर्य होता है।

बीना मंगरोला, गृहिणी

सब्जियों के होलसेल, रिटेल भाव प्रति किलो में

सब्जी	होलसेल	रिटेल
नींबू	180-200	250-300
ग्वारफली	120-140	150-160
भिंडी	70-80	100-120
टिंडा	60-70	100-120
तुरई	60-70	80 -100
फूल गोभी	50-60	80-100
मिर्च	50-60	60-80
केरी	70-80	100-120
गूंदा	60-70	120-150
काचरा	50-60	80-100
पत्ता गोबी	25-30	30-40
शिमला मिर्च	40-50	80 100
ककडी	20-30	40-50
लौकी	20-25	30- 40
पालक	30-40	40-50

कवाया : हाई क्वालिटी वाले कैमरों में 30 दिन का बैकअप रखना जरूरी

वाणिज्यिक संस्थान, रेस्टोरेंट-स्कूल/कोचिंग में कैमरे जरूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कमिश्नरेट में संचालित वाणिज्यिक संस्थान, बैंक, एटीएम, प्राइवेट लॉकर कम्पनीज, ज्वेलरी शॉप, पेट्रोल पंप, मॉल्स, होटल्स, सिनेमा हॉल, सिने कॉम्पलेक्स, शराब की दुकानें, मल्टीस्टोरी सोसायटी, गेस्ट हाउस, धर्मशाला, रेस्टोरेंट, बार, पब, क्लब हाउसेज, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सभी संस्थानों को हाई क्वालिटी का कैमरा लगाना होगा और 30 दिन की रिकॉर्डिंग रखनी होगी। सोमवार को एडिशनल कमिश्नर हैदर अली जैदी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

इस आदेश की अवहेलना करने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एडिशनल कमिश्नर जैदी ने बताया कि इन संस्थानों में प्रत्येक आयु वर्ग के महिला व पुरुषों का आवागमन रहा है। ऐसे में स्नेचिंग, झगड़े, मारपीट और महिलाओं से बदसलूकी जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में कैमरे लगने से अपराधियों पर निगाह रखी जा सकेगी।

पुलिस सर्वे में 50 % संस्थानों में कैमरे ही नहीं

पुलिस ने सर्वे कराया था तब सामने आया कि ज्यादातर संस्थानों में कैमरे लगे ही नहीं हैं। कई स्थानों पर कैमरे बंद थे या फिर कमजोर क्वालिटी के थे। कहीं पर भी 15 से ज्यादा रिकॉर्डिंग का बैकअप नहीं मिला इसलिए अब सभी संस्थानों के प्रबंधन को हाई क्वालिटी के कैमरे लगाने जरूरी होंगे। इसके अलावा रिकॉर्डिंग का बैकअप भी 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन का रखना जरूरी होगा।

जरूरत पड़ने पर यह करना होगा

- » आपराधिक प्रकरण में जरूरत पड़ने पर पुलिस को रिकॉर्डिंग देनी होगी।
- » एक माह में कैमरे लगवाकर पुलिस थाने को अवगत कराना जरूरी होगा।
- » जहां पर कैमरे नहीं हैं, उन संस्थानों के प्रबंधन को नोटिस भेजा जाएगा।
- » संस्थान के अंदर-बाहर का एरिया व लोगों की रिकॉर्डिंग जरूरी होगा।
- » राजधानी में सरकारी 1200 कैमरे लगे हुए हैं। शहर में 300 आईटीएमएस कैमरे लगाने का काम जल्द शुरू होने वाला है।

जेडीए ने की कार्रवाई

इकॉलोजिकल जोन में बने 17 विलाज सील

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने मंगलवार सुबह अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए 17 विलाज सहित 4 मंजिला इमारत को भी सील किया गया। जेडीए प्रवर्तन दस्ते ने जोन 10 में इकॉलोजिकल जोन सहित जोन 7 में गणेश नगर में कार्रवाई की है।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के गैर अनुमोदित योजना राजेन्द्र नगर के प्लॉट सं. 8 से 25 में लगभग 143म60 फिट में बिल्डर की ओर से व्यावसायिक उपयोग के लिए 17 विलाज का अवैध निर्माण रातोंरात कर लिया गया। कई बार नोटिस की अवहेलना कर कार्य जारी रहा। इस बाबत जेडीए प्रवर्तन दस्ते ने नोटिस जारी किया जाकर अवैध निर्माण को हटाने के लिए पाबंद किया गया, किन्तु नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया, ना ही निर्माण संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत किए। इस पर दस्ते ने अवैध विलाज के प्रवेश द्वारों पर ईंटों की दीवारों की

चिनवाई करवाकर सीलिंग की कार्रवाई की। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि प्रवर्तन शाखा की ओर से जोन-7 में जयपुर विकास प्राधिकरण की स्वीकृति व अनुमति के बिना गैर अनुमोदित योजना गणेश नगर के भूखंड संख्या बी- 3 में 250 वर्गगज में जीरो सैटबैक व बिल्डिंग बायलॉज का वॉयलेशन कर बेसमेंट सहित साढ़े चार मंज़िल का वृहत व्यावसायिक अवैध निर्माण कर लिया गया, जिसे सील किया गया। अवैध निर्माण करने पर निर्माणकर्ता को पहले नोटिस जारी किया जाकर अवैध निर्माण को रूकवाकर अवैध निर्माण को हटाने के लिए पाबंद किया गया था। इसके बाद भी अवैध निर्माण जारी रखा, इस पर आज सीलिंग की कार्रवाई की गई।

बंदियों ने किया प्राणायाम व सत्संग

जयपुर @ जागरूक जनता। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार जयपुर की ओर से केन्द्रीय कारागार, जयपुर में बंदियों के लिए प्रिजन स्मार्ट कार्यक्रम का 5 दिवसीय कोर्स आयोजित किया गया, जिसमे प्राणायाम, ध्यान वा सत्संग का आयोजन सेंट्रल जेल में स्थित सभागार में किया गया। जिसमे वरिष्ठ आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक विजय दत्त शर्मा ने बंदियों को योग, प्राणायाम एवं सुदर्शन क्रिया का अभ्यास व ध्यान कराया। जेल अधीक्षक राकेश मोहन शर्मा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में 60 सेअधिक बंदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बंदियोंद्वारा नियमित योग साधना का संकल्प लिया गया। सत्संग के उपरांत कार्यक्रम में फल वितरण किया गया वा भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम करवाने का आश्वासन दिया। अंत में जेल अधीक्षक राकेश मोहन शर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर आभा पराशर ने बताया कि उक्त कार्यक्रम सेंट्रल जेल में बंदियों के उत्थान व पुनर्निर्माण के लिए सभी जेलों में आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा कराए जाते है जिनसे लाभान्वित होकर कई बंदियों के जीवन में सुधार एवं रूपांतरण हुआ है।

सुन्दरता को धूमिल करता अतिक्रमण

जयपुर @ जागरूक जनता। परकोटे की बसावट विश्व विख्यात है। विश्व पटल पर परकोटा अपनी अलग पहचान रखता है। ऐसे में बेतरतीब अतिक्रमण इस पहचान को धूमिल करते नजर आते हैं। छोटी चौपड़ पर सीताराम जी मंदिर के आगे तिरपाल लगाकर लगाई अस्थाई चाय की स्टॉल कोढ़ में खाज का काम कर रही है। हालांकि निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में इस अतिक्रमण को मुक्त रखा गया।

दो साल बाद गलता तीर्थ के पवित्र कुंड भक्तों के लिए खुले, आचमन की अनुमति

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना से राहत मिलने के साथ ही धार्मिक स्थलों पर रौनक नजर आने लगी है। दो साल से अधिक समय बाद गलता तीर्थ के पवित्र कुण्डों को चैत्र शुक्ल एकादशी मंगलवार से आम भक्तों के लिए खोला गया। फिलहाल भक्त पवित्र कुंडों का आचमन कर सकेंगे। गलता तीर्थ के महंत स्वामी अवधेशाचार्य ने बताया कि पहले चरण में गोपाल (जनाना) कुंड को खोला गया। हालांकि अभी स्नान व पूजा-तर्पण आदि पर पाबंदी रहेगी।

ANCHOR | भारत विकास परिषद

कैसे समाए एक म्यान में दो तलवार!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एक कहावत है कि एक म्यान में दो तलवार नहीं समा सकती। ठीक उसी तर्ज पर भारत विकास परिषद की शाखाओं का हाल होने लगा है। जिसकी बानगी मुरलीपुरा में दिखाई दे रहा है। भारत विकास परिषद की शाखा मुरलीपुरा क्षेत्र में पहले से ही संचालित है और वह समाजसेवा के कार्य में लगी हुई है। मगर पिछले दिनों इसी क्षेत्र में मुरलीपुरा विजयनगर नाम से एक और शाखा सामने आई है। अब दोनों शाखाओं का कार्य क्षेत्र एक होने से सम्पर्क में आने वाले भी लोग भी वही हैं। देखने में आया है कि जिस संस्था में पहले से कार्यरत शाखा कोई कार्यक्रम आयोजित कर चुकी है उसके बाद दूसरी शाखा उसी संस्था में कार्यक्रम आयोजित कर देती है। ऐसे में लोगों के दिमाग में प्रश्न खड़ा हो

रहा है कि आखिरकार सही शाखा कौन सी है। कोई फ्राड तो नहीं हो रहा है। इससे चिंतित होकर मुरलीपुरा शाखा की अध्यक्ष ने गत 7 अप्रैल को महासचिव भारत विकास परिषद (उ.पू.) राजस्थान प्रांत जयपुर को एक पत्र भेजकर इस विषय में उचित कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। पत्र में मांग की गई है कि संबंधित अधिकारी हमें सूचित करें कि क्षेत्र में कौन सी शाखा कार्य करेगी और कौन सी नहीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्र लिखने से पूर्व शाखा अध्यक्ष ने परिषद के पदाधिकारियों की एक बैठक भी बुलाई और बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ही पत्र लिखा गया। बैठक में हरिशंकर गौड़, भवानीसिंह राठौड़, लोकचंद हरिरामानी, नगेन्द्र वशिष्ठ, बजरंगलाल शर्मा, कुलदीप साहनी, कमलेश यादव एवं शैलेन्द्र शर्मा सहित अनेक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। पत्र लिखने के बाद सदस्यों में आपस में चर्चा रही कि पत्र की एक प्रति केन्द्र को भी भेजनी चाहिए थी, मगर ऐसा नहीं हुआ और स्थानीय स्तर पर ही मामले को सुलझाने की कोशिश हो रही है। इस मसले को सुलझाने के लिए पुनः अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई लेकिन कोई हल नहीं निकला। इस बार प्रदीप शर्मा संरक्षक मुरलीपुरा शाखा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं इस अवसर पर मुरलीपुरा शाखा ने अजमेर रोड पर बन रहे भारत विकास परिषद के रीजनल मुख्यालय एवं चिकित्सा सेवा केन्द्र के निर्माण हेतु परिषद के पदाधिकारी आरएस त्यागी, श्रीचंद चौटियां को एक लाख 11 हजार का चेक भेंट किया।

राजस्थान रिफाइनरी की प्रगति की समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री गहलोत...

रिफाइनरी सह पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स में पेट्रोलियम बाय-प्रोडक्ट्स आधारित उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बाद एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी प्रदेश की सबसे बड़ी परियोजना है। पचपदरा (बाड़मेर) में रिफाइनरी के साथ ही बन रहे पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स से राजस्थान पेट्रोलियम आधारित उद्योगों के हब के रूप में विकसित होगा और यहां बड़ी मात्रा में रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि यहां न सिर्फ तेल निकलेगा, बल्कि इसके साथ-साथ पेट्रोलियम बाय-प्रोडक्ट्स भी निकलेंगे जिससे प्रदेश में निवेश आएगा और विभिन्न उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं पैदा होंगी।

गहलोत मंगलवार को राजस्थान रिफाइनरी की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान सहित पूरे प्रदेश के विकास के लिए पेट्रोलियम रिफाइनरी एक बहुत बड़ा सपना है, जिसमें कई बार रूकावटें आई। क्षेत्र की जनता के लम्बे संघर्ष और हमारी सरकार की कोशिशों के बाद इस परियोजना ने अब गति पकड़ी है जिसे समय पर पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने एचपीसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संसाधन बढ़ाकर परियोजना के कार्यों को और गति दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी विभागों एवं एचपीसीएल के अधिकारियों को साथ लेकर एक इंटर-डिपार्टमेंटल वर्किंग ग्रुप बनाया जाए ताकि रिफाइनरी के साथ पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स से संबंधित मुद्दों को समय पर हल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने 9 प्रमुख रिफाइनरी यूनिट्स की प्रगति एवं चार प्रमुख पेट्रो-केमिकल यूनिट्स के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही, रिफाइनरी के आसपास औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने एवं ग्रीनरी विकास के कार्यों में गति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं को यहां छोटी-छोटी इकाइयां लगाने के लिए प्रोत्साहित करने एवं एन्सिलियरी यूनिट्स के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

गहलोत ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पश्चिमी राजस्थान के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति सुचारू बनाए रखने एवं यहां आने वाले निवेशकों में भरोसा कायम करने की दिशा में समुचित कदम उठाने, पचपदरा व बालोतरा में भविष्य में नगरीय विकास की संभावनाओं को देखते हुए कार्य योजना बनाने, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देने एवं रिफाइनरी के बाय-प्रोडक्ट्स के बारे में अधिक से अधिक जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में खान एवं पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि रिफाइनरी का कार्य तय समय में पूरा हो सके इस संबंध में पेट्रोलियम विभाग की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। विधायक मदन प्रजापत ने स्थानीय स्तर पर मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के संबंध में सुझाव दिए। मुख्य सचिव ऊषा शर्मा कहा कि रिफाइनरी की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कई समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर किया गया है ताकि कार्य की गति धीमी नहीं हो।

एचपीसीएल के सीएमडी एम के सुराणा ने परियोजना की विभिन्न इकाइयों की अब तक की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी ऑयल सेक्टर में देश का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। रिफाइनरी एवं पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य साथ-साथ चल रहा है। उन्होंने बताया कि 9 एमएमटीपीए क्षमता की 43,129 करोड़ रूपए लागत की इस रिफाइनरी में अभी तक 15,225 करोड रूपए व्यय कर 43 प्रतिशत कार्य पूरे किए जा चुके हैं। 9 प्रमुख रिफाइनरी यूनिट्स में से 6 यूनिट्स का कार्य मार्च, 2023 तक पूरा हो जाएगा। शेष यूनिट्स का काम भी समय पर पूरा करने का प्रयास रहेगा।

घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाइए, 5 हजार ईनाम पाइए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सचिवालय में राज्य यातायात प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा ने समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के पास एम्बुलेंस शीघ्र पहुंचनी चाहिए। जिससे घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में सड़क दुर्घटना से संबंधित संवेदनशील स्थानों की पहचान कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने साफ निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी मुद्दों पर कार्ययोजना बनाएं और जिलों और सभी संबंधित विभाग से उचित समन्वय के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना प्रचार कर नागरिकों को स्पष्ट बताया जाए कि अब दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने से थाने में प्राथमिकी नहीं बल्कि इनाम के स्वरूप पांच हजार रुपए मिलेंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला यातायात प्रबंधन समिति की नियमित बैठक सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में अधिकारियों का प्रशिक्षण भी होना चाहिए। उन्होंने परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए बनाई गई कार्ययोजना की तारीफ करते हुए कहा कि सभी जिलों एवं विभागों को इसकी अनुपालना करनी चाहिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा अभय कुमार ने आई-रेड (इन्टीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस) का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि इस एप के उपयोग से सड़क दुर्घटना से संबंधी लाइव डेटा प्राप्त हो जाता है जिससे दुर्घटना स्थल पर एम्बुलेंस शीघ्र पहुंचाई जा सके। परिवहन आयुक्त महेन्द्र सिंह सोनी ने भी रिपोर्ट पेश की। बैठक में नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव आशुतोष एडी पेडनेकर, अतिरिक्त महानिदेशक ट्रैफिक वीके सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, सड़क सुरक्षा के विशेषज्ञ प्रोफेसर भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

एपीआई का 77वां वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 2022" का 14 अप्रैल से जयपुर में आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (एपीआई) का 77वां वार्षिक सम्मेलन एपिकॉन 2022 का राजस्थान की राजधानी जयपुर में 14 से 17 अप्रैल तक आयोजन किया जायेगा। आयोजन अध्यक्ष डॉ. के के पारीक ने आज यहां मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि एपीआई का 77वां वार्षिक सम्मेलन एपिकॉन 2022 का इस वर्ष जयपुर में एक दशक के बाद आयोजन होने जा रहा है जिसका औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल शाम 6.30 बजे करेंगे।

चारदीवारी में अब नहीं मिलेगी ओवरहेड केबल की अनुमति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के चारदीवारी क्षेत्र में अब ओवरहेड केबल की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके साथ ही परकोटे में ओवरहेड केबल को व्यवस्थित किया जाएगा। हैरिटेज नगर निगम प्रशासन ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए है। इससे जल्द ही परकोटे को तारों का जंजाल हटेगा। दरअसल शहर में विरासत संरक्षण को लेकर किए गए कामों को जांचने यूनेस्को की टीम आई थी, इस टीम ने शहर में तारों के जंजाल को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद निगम आयुक्त अवधेश मीना ने सभी अधिकारियों को शहर से तारों के जंजाल को हटाने के निर्देश जारी किए थे। साथ ही सभी केबल ऑपरेटर और मोबाईल कंपनियों के प्रतिनिधियों को बुलाकर 15 दिन में हैरिटेज सिटी को केबल के जाल से मुक्त करने के निर्देश दिए है। अगर 15 दिन में ओवरहेड केबल को नहीं हटाया गया तो निगम प्रशासन इन तारों का हटाएगा, साथ ही संबंधित कंपनी से जुर्माना भी वसूल किया जाएगा।

डक्ट में डलेगी केबल, तय करेगी समिति

स्मार्ट सिटी की ओर से चांदपोल बाजार और किशनपोल बाजार में बनाई गई डक्ट में केबल डाली जाएगी। इसके लिए निगम प्रशासन एक समिति बनाएगा, यह समिति एक नीति तैयार करेगी, जो केबल डालने की अनुमति देने के साथ ही वार्षिक शुल्क भी तय करेगी।

अंडरग्राउंड ही डलेगी केबल

परकोटे में अब केबल अंडरग्राउंड ही डाली जाएगी। निगम आयुक्त ने इसके लिए निर्देश जारी कर दिए है। चारदीवारी में अंडरग्राउंड केबल डालने के लिए भी अनुमति लेनी होगी, अनुमति मिलने के बाद तय समय में केबल डालने का काम किया जाएगा।

जागरूक खबरें

सांसद बोहरा व विधायक राजवी ने किया सीवर लाइन का उद्घाटन

जयपुर @ जागरूक जनता। सांसद रामचरण बोहरा व विधायक नरपत सिंह राजवी ने वार्ड 21 में बियानी कॉलेज के सामने सीवर लाइन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वार्ड 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने सभी अतिथिगणों व वार्ड वासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और आशा प्रकट की कि वार्ड में विकास के कार्य इसी तरह निरंतर रूप से चलते रहें।

राम नवमी पर परिंडा वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान की जिला युवा इकाई द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर परिंडा वितरण आयोजन श्री राम मंदिर जोशी मार्ग संजय नगर पार्क में हुआ। कार्यक्रम में वार्ड नंबर 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने झुलसती गर्मी में प्यासे पक्षियों को पानी पीने के लिए परिंडे लगाए। इस अवसर पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि 251 परिंडे वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में जिला इकाई युवा अध्यक्ष मनीष गोयल महामंत्री मनोज गोयल एवं संस्था के पदाधिकारी अंशु अग्रवाल दीपक अग्रवाल हिमांशु अग्रवाल एवं संस्था के प्रदेश प्रभारी पवन मित्तल, वसुंधरा मित्तल एवं अन्य महिलाओं ने भी भाग लिया।

विकास योजनाओं पर प्राथमिकता से कार्य करें- जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर राजन विशाल ने जिले के अधिकारियों से विकास योजनाओं पर प्राथमिकता से कार्य करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि फ्लैगषिप योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी को मिल जुल कर कार्य करना होगा। विषाल ने यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जयपुर जिले में वैक्सीनेषन की शत प्रतिषत प्रगति के संबंध में चर्चा की तथा वैक्सीनेषन कार्य के प्रयासों में तेजी लाने के निर्देष दिये। जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर छः माह से अधिक के लम्बित मामलों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देष दिये। विषाल ने जल जीवन मिषन, सिंगल यूज प्लास्टिक और ऑपरेषन सम्बल से संबंधित कार्यो की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में जिले के अधिकारीगण भी मौजूद थे।

डॉक्टर्स फोटोग्राफी प्रदर्शनी 14 मई से, पोस्टर का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर मेडिकल ऐसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.अनुराग धाकड़ एवं सचिव डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि जेएमए और वनाकृति फाउंडेशन की ओर से 14 एवं 15 मई को जवाहर कला केंद्र में देश के ख्यातनाम चिकित्सक, जिन्हें फोटोग्राफी का शौक है उनके फोटोग्राफ्स की जवाहर कला केंद्र की कला दीर्घा में प्रदर्शनी की जाएगी। वनाकृति फाउंडेशन के सचिव डॉ. राकेश ढूकिया कार्यक्रम के संयोजक रहेंगे। जेएमए सभागार में इस कार्यक्रम के प्रोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ.विनय मल्होत्रा, वनाकृति फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष किशन मीना, उपाध्यक्ष आशा शर्मा, कोषाध्यक्ष श्वेता, उप अधीक्षक डॉ.जगदीश मोदी, डॉ.मनीष अग्रवाल, डॉ.संदीप निझावन, रेजीडेंट अध्यक्ष डॉ. अमित यादव, डॉ. पवन सिंघल व डॉ. मोहनीश ग्रोवर उपस्थित थे।

ANCHOR | ग्रह-नक्षत्र

डेढ़ साल बाद आज छाया ग्रह राहु-केतु बदलेंगे अपना घर, गर्मी और बढ़ेगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। छाया ग्रह राहु और केतु मंगलवार को अपना घर बदलेंगे। 18 महीने बाद ये दोनों ग्रह राशि परिवर्तन कर रहे हैं। राहु मेष में और केतु तुला राशि में प्रवेश करेंगे। मौजूदा समय में राहु वृषभ और केतु वृश्चिक राशि में मौजूद हैं। ये दोनों ही हमेशा वक्री यानी उल्टी चाल से चलते हैं।

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री के अनुसार शनिदेव के बाद राहु-केतु सबसे ज्यादा दिनों तक किसी एक राशि में विराजमान रहते हैं। शनि जहां ढाई साल के बाद राशि परिवर्तन करते हैं तो वहीं राहु-केतु 18 महीनों के बाद उल्टी चाल से चलते हुए राशि बदलते हैं। पंडितों की माने तो दोनों ग्रहों के राशि परिवर्तन के असर से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा और वर्षा भी कम होगी। राजनीति अपने चरम पर रहेगी। रोग बढ़ने की आशंका रहेगी। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल हैं और तुला राशि के स्वामी ग्रह शुक्र ग्रह है। मंगल और राहु एक-दूसरे के प्रति शत्रुता का भाव रखते हैं। वहीं केतु और शुक्र ग्रह एक दूसरे के प्रति सम भाव के माने गए हैं।

राशि परिवर्तन का यह होगा असर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी राहु-केतु का राशि परिवर्तन होता है, तब इसका प्रभाव न सिर्फ सभी जातकों पर बल्कि देश-दुनिया पर भी देखने को मिलता है। राहु-केतु के गोचर से कई तरह के प्राकृतिक उथल-पुथल होने की संभावना रहती है। पृथ्वी पर गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है और वर्षा भी कम होती है। राजनीति अपने चरम पर होती है। एक-दूसरे देशों में तनाव काफी बढ़ जाता है। रोग बढ़ जाते हैं।

जिन जातकों की कुंडली में राहु-केतु अशुभ प्रभाव रखते हैं उनको राहु से संबंधित दान करना चाहिए। उनको इससे बचने के लिए शनिदेव और भैरव भगवान की पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

मेष, कर्क, कन्या व मीन जातकों को रखनी होगी सावधानी

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री के मुताबिक राहु-केतु के गोचर से सभी राशि के जातकों पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के अनुसार कुंडली में मौजूद राहु-केतु की दशा के आधार पर शुभ-अशुभ प्रभाव पड़ता है। राहु-केतु के 18 महीनों के बाद राशि बदलने के कारण मेष, वृषभ, कर्क,कन्या, वृश्चिक और मकर,मीन राशि वालों को सावधानी बरतनी पड़ेगी। इन सभी के लिए राहु-केतु का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा। वहीं मिथुन, सिंह, धनु और कुंभ राशि जातकों के लिए यह गोचर शुभ और लाभ दिलाने वाला साबित होगा। धन लाभ और मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

तपते टापुओं में बदलते हमारे ज्यादातर शहर

जलवायु परिवर्तन के दौर में गरमी का बढ़ता प्रकोप अनेक चिंताएं उत्पन्न कर रहा है। 11 मार्च से ही गरम हवाओं का समय शुरू हो गया था और अब दिल्ली, लखनऊ, पटना में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पास या ऊपर जाने लगा है। गरमी अभी से ही असहनीय होने लगी है, तो मई से जून मध्य तक पता नहीं, तापमान कितने कीर्तिमान गढ़ेगा?

बेशक शहरों में गरमी से बचने की सुविधाएं कुछ बढ़ी हैं, पर अभी भी बहुत से लोग इनसे वंचित हैं। विवेक शनदास व उनके सहयोगी अनुसंधानकर्ताओं ने विभिन्न देशों में किए गए शोध के आधार पर बताया है कि अनेक शहरों में सबसे निर्धन, प्रवासियों व भेदभाव सहने वाले समुदायों की जो बस्तियां हैं, प्रायः वही सबसे अधिक गरमी प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचानी गई हैं। इस अनुसंधान से यह भी पता चलता है कि एक शहर के सभी क्षेत्र गरमी के प्रकोप से समान रूप से प्रभावित नहीं होते हैं। जहां अधिक हरियाली है, पेड़ हैं, वहां गरमी का वार अपेक्षाकृत कम है, जहां पूरा क्षेत्र सीमेंट-कंक्रीट के निर्माणों व सड़कों से भरा पड़ा है, वहां गरमी अधिक होती है। प्रायः किसी भी शहर के लिए एक ही तापमान बताया जाता है, पर वास्तव में एक ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान में बहुत अंतर होता है। 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक का अंतर एक ही महानगर या बड़े शहर के भीतर देखा जा सकता है।

कच्ची बस्तियों में गरमी भी ज्यादा है और गरमी की मार से बचने के उपाय भी कम हैं। इन बस्तियों में पानी की भी कम आपूर्ति होती है और बिजली कटौती भी खूब होती है। इन बस्तियों के वृद्ध व पहले से कमजोर स्वास्थ्य के लोगों पर चरम गरमी के दिनों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है, लेकिन क्या हम दे पा रहे हैं? इस विषय पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के बेंजामिन जैटचिक ने बताया है कि गरमी के प्रकोप से उन लोगों की स्थिति बिगड़ सकती है, जो सांस व हृदय संबंधी समस्याओं से त्रस्त हैं।

हमारे शहरों में बेघर लोगों को प्रायः सबसे निर्धन माना गया है। बेघर बच्चों की संख्या भी बहुत अधिक है। उनके लिए जो नियोजन पहले किया गया व जो आश्रय स्थल बनाए गए, उनमें मुख्य फोकस इस ओर रहा है कि सबसे अधिक सर्दी के दिनों में उन्हें राहत देनी है, पर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गरम दोपहरियों व लू से भी राहत देना बहुत जरूरी हो गया है। इसे ध्यान में रखते हुए बेघर लोगों के लिए नियोजन व कार्यों में भी जरूरी बदलाव करने होंगे। शहरों में हमें सुधार के लिए पुख्ता अध्ययन करते हुए उपाय करने होंगे। पर्यावरणविदों के अनुसार, शहरों में अधिक तापमान के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं। आधुनिक शहरों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है। गांव में हवा रुकती नहीं है, लेकिन शहरों में ऊंची इमारतों की वजह से हवा रुकती है और बेचैनी बढ़ती है। शहर रेगिस्तान की तरह होने लगे हैं। कई जगहों पर किसी वनस्पति का नामो-निशान नहीं होता है, ऐसे इलाकों पर बारिश भी बेअसर होती है। वाष्पीकरण कम होता है और गरमी बढ़ जाती है।

शहरों में गरम घाटियां बनने लगी हैं। ऊंची इमारतों के बीच गरमी के टापू विकसित हो रहे हैं। शहरों में बढ़ता तापमान नमी और आर्द्रता को भी कम कर देता है, जिससे गरमी असह्य होने लगती है। शहरी धुंध भी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। कई शहरों में फैली वायु प्रदूषण की धुंध एक लघु ग्रीनहाउस परत के रूप में कार्य करने लगती है, जो शहरी क्षेत्रों की गरमी को बाहर निकल जाने से रोकती है। शहरों में मानव जनित ऊष्मा भी बहुत बढ़ रही है। जीवाश्म ईंधन के अधिकतम उपयोग से भी शहरी तापमान बढ़ रहा है। सच यह है कि हम शहर को रहने लायक बनाने की दिशा में बड़े उपाय नहीं कर पा रहे हैं। शायद आम लोगों और सरकारों केलिए यह चिंता का विषय नहीं है। क्या अपने देश में किसी भी पर्यावरण सुधार के लिए अदालतों का सहारा लेना मजबूरी है?

बेशक, बसावट सुधारने से हरियाली बढ़ाने तक बहुत काम हैं, जो हमें करने चाहिए। स्थानीय प्रजाति के वृक्षों की संख्या बढ़ाने व परंपरागत जलस्रोतों की रक्षा पर अधिक ध्यान देना जरूरी है। प्रायः देखा गया है कि शहरी वृक्षारोपण में सजावटी किस्म के पौधों को चुन लिया जाता है, जबकि जरूरत अधिक छाया देने वाले स्थानीय पेड़ों की है, जिनमें प्रायः अधिक पक्षी व अन्य छोटे जीव भी आश्रय प्राप्त कर सकते हैं। बरगद, नीम, पीपल, आम, जामुन जैसे पेड़ इस दृष्टि से बहुत उपयोगी रहे हैं, लेकिन देखिए कि हमारे आसपास ऐसे कितने पेड़ हैं? हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि शहर केवल हमारे लिए नहीं हैं, उन सभी जीव-जंतुओं के लिए भी हैं, जो शहर में मिटने लगे हैं या शहर छोड़ जाने लगे हैं।

सम्पादकीय

निशाने पर ऊर्जा

साइबर सुरक्षा पुख्ता रखने की जरूरत एक बार फिर साबित हुई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक चीन का जिस तरह भारत विरोधी रवैया कायम है, उसे देखते हुए यह सूचना कतई नहीं चौंकाती कि चीन लगातार भारतीय पावर ग्रिड सिस्टम में घुसपैठ की साजिश में लगा है। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले जनवरी और फरवरी में भी चीनी हैकर्स की ओर से घुसपैठ की कोशिश हुई थी। खैर, यह अच्छी बात है कि हमने 2018 से ही अपनी साइबर सुरक्षा को काफी मजबूत कर लिया है और चीन के मनसूबे पूरे नहीं हो पा रहे हैं। भारत में चीन के रवैये को लेकर रोष है, चीन की अलोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसे इसकी कतई परवाह नहीं है। उसे तो हर हाल में भारत पर अपनी कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और तकनीकी बढ़त के प्रचार का चस्का लगा हुआ है। वह खुद को नकारात्मक हरकतों से भी श्रेष्ठ सिद्ध करना चाहता है, ताकि ज्यादा से ज्यादा देशों को भारत से दूर और अपनी ओर खींच सके। ऐसे में, यदि भारत की साइबर सुरक्षा अभेद्य या चाक-चौबंद साबित हुई है, तो वास्तव में यही साइबर सुरक्षा श्रेष्ठता चीनी हैकर्स को मिला माकूल जवाब भी है। किसी भी विकासशील देश की पावर ग्रिड के साथ खिलवाड़ या उसे ठप्प करने की साजिश या उसमें सेंध लगाकर किसी भी प्रकार के हमले या मौके का इंतजार करने की रणनीति असभ्यता के साथ-साथ शत्रुता नहीं, तो और क्या है? गुरुवार को चीनी हैकर यदि लद्दाख के आसपास के इलाकों में पावर ग्रिड के इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम को हैक करने की कोशिश कर रहे थे, तो क्या चीन सरकार को इसका पता नहीं था? विडंबना देखिए, चीनी सरकार की जुबान बोलने वाले ग्लोबल टाइम्स ने ऐसी किसी साजिश के सुबूत भी मांग लिए हैं और कहा है कि ऐसी किसी साजिश का लापरवाही बरतते हुए किसी भी प्रकार से सरकार से संबंध नहीं जोड़ना चाहिए। वैसे यह अच्छी बात है कि चीन सरकार तक बात पहुंच गई है और उसे भारत की किसी भी प्रकार की सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। ध्यान रहे, पाकिस्तान भी आतंकियों की हर साजिश या हमले के बाद भारत से सुबूत मांगता था, लेकिन उसने सुधार की कोशिशें न के बराबर की हैं, तो उसका खुद का जाल उसे भारी पड़ रहा है। ऐसा कोई और देश न करे, तो बेहतर है। अब चीन को जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार करते हुए भारत के प्रति ओछी मानसिकता या शत्रुता से बचना चाहिए। बहरहाल, भारत को पूरी गहराई से सोचना चाहिए और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। अगर चीन पावर ग्रिड में घुसपैठ नहीं कर पा रहा है, तो खुशी से अभिभूत होने की जरूरत नहीं है। साइबर दुनिया में रोज नई चाबियां बनती हैं, तो ताले भी बदलते रहने चाहिए। अपने ताले को दुरुस्त रखने के लिए भारत को हरसंभव प्रयास करने चाहिए और साथ ही, दुनिया के विशेषज्ञ वैधानिक हैकर्स को भी साथ रखना चाहिए, ताकि वे दूर से देखते हुए भी हमारी कमियां बता सकें। अमेरिका स्थित जो साइबर सिक्योरिटी ग्रुप चीनी हैकर्स पर नजर रख रहा है, उसकी थोड़ी मदद लेने में कोई हर्ज नहीं है। शोधकर्ताओं के इस समूह ने एक नक्शा भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि चीनी हैकरों के निशाने पर कौन-कौन से इलाके हैं। साइबर सुरक्षा से जुड़ी ऐसी सूचनाएं जुटाते रहना और उन्हें मुहैया कराने वाले तमाम विशेषज्ञों को साथ लेकर चलना समय की मांग है।

जीवन में सफलता तभी हासिल होती है, जब हमारा समय प्रबंधन बेहतर होता है। कुछ लोग हमेशा शिकायत करते नजर आते हैं कि उनके पास समय कम है और काम बहुत। जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बड़े आराम से अपने सभी दायित्वों को पूरा करते हैं। ऐसा लगता है कि समस्या समय की कमी से नहीं, बल्कि समझ की कमी से है।

क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता!

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

बेहतर टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि आप प्रत्येक कार्य के लिए समय निर्दिष्ट करें और सुनिश्चित करें कि आपने उन्हें निर्धारित समय के भीतर पूरा किया है। लगातार कार्य में भी नहीं जुटे रहें। अपने आप को बीच में कुछ समय दें और अधिक से अधिक प्रेरणा के साथ अगला कार्य शुरू करें।

ऐसा कहा जाता है कि अगर आप कामयाबी की ओर कदम बढ़ाना चाहते हैं, तो आपका पहला कदम समय का प्रबंधन करने की दिशा में होना चाहिए। समय प्रबंधन यानी टाइम मैनेजमेंट मौजूदा दौर में सबसे अहम हो गया है, क्योंकि अगर आप अपने समय का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो आप अपने जीवन के किसी अन्य हिस्से का प्रबंधन करने में सक्षम नहीं होंगे। इसलिए, सफलता की ओर पहला कदम अपने समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करना है। यदि आप अपने समय को अच्छी तरह से प्रबंधित करने की कला में महारत हासिल करते हैं, तो आप अपने कार्यों को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे।

दरअसल समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। यह प्रेरणा का स्तर बढ़ाता है और इस तरह आप बेहतर तरीके से अपने काम को पूरा कर पाते हैं। जब आप समय प्रबंधन की तकनीक में महारत हासिल करते हैं तो काम की गुणवत्ता बढ़ जाती है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि कुशल समय प्रबंधन आपके तनाव के स्तर को कम करने में मदद करता है।

आजकल ज्यादातर लोग यह कहते सुने जाते हैं कि 'क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता!' ऐसा कहने वाले लोगों को अक्सर नाकामी का सामना करना पड़ता है, जबकि जीवन में सफलता तभी हासिल होती है, जब हमारा समय प्रबंधन बेहतर होता है। कुछ लोग हमेशा शिकायत करते नजर आते हैं कि मेरे पास समय नहीं है, काम बहुत है। जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कम समय सीमा के साथ-साथ काम के बोझ से दबे हुए महसूस करते हैं। या जो समय के बहुत अधिक दबाव का सामना करते हैं। ऐसा लगता है कि समस्या समय की कमी से नहीं, बल्कि समझ की कमी से है। दरअसल यह एक मनोवृत्ति संबंधी समस्या है।

यह हमारी फितरत है कि हम समय के दबाव को मानसिक दबाव में प्रकट होने देते हैं। वास्तव में देखा जाए, तो समय का दबाव अच्छा है। यह आपको सक्रिय बनाता है, यह ध्यान केंद्रित करने की मांग करता है, यह आपके प्रबंधन कौशल को बढ़ाता है, यह आपके दिमाग को जागरूकता की उच्च स्थिति में रखता है। जैसे हर बार एक धावक कुछ दूरियां हासिल करने के लिए समय निर्धारित करता है, उसका प्रदर्शन बढ़ता है, वह अपने रास्ते पर केंद्रित रहता है, उसकी गति बढ़ जाती है।

ठीक इसी तरह हमें भी अपने द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए हमेशा एक सख्त समय सीमा रखनी चाहिए। इससे आपके जीवन में अनुशासन आएगा। टालमटोल या शिकायत करने की बजाय अगर हम बेहतर टाइम मैनेजमेंट करेंगे, तो कभी भी समय का दबाव आपको नहीं सताएगा।

विचारकों का कहना है कि हमेशा समय के दबाव में जीना आपकी कार्यकुशलता को बेहतर बनाता है। अपने आप से कहें कि आप अपना सारा काम एक समय के दबाव में पूरा करेंगे, चाहे वह खाना हो या नहाना और इस तरह आप बहुत ही केंद्रित तरीके से सब कुछ खत्म कर देंगे। ऐसे में आपका काम एक ध्यान बन जाएगा। सार यह है कि अपने कामकाज को बेहतर तरीके से पूरा करने और एक सुव्यवस्थित जीवन के लिए हर किसी को समय के दबाव में जीने की कला सीखनी चाहिए। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम समय के दबाव में विकसित होते हैं। आपके दिमाग को तमस को दूर करने की क्षमता मिलती है।

अधिकांश समय, हम असंगठित और अनुचित प्रबंधन के कारण तनाव में आ जाते हैं, जबकि हम सबके पास दिन के चौबीस घंटे होते हैं, जिनका पूरी तरह उपयोग करके हम एक दूसरे से अलग बनते हैं। सही प्रबंधन आपकी समय सीमा को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में आपकी सहायता कर सकता है। अपने दिन की शुरुआत एक सुनिश्चित शेड्यूल के साथ करें। यह आपकी अल्पकालिक योजना होगी। अपनी कार्य आवश्यकता के अनुसार एक साप्ताहिक कार्यक्रम भी एक दीर्घकालिक योजना के रूप में रखें।

चूंकि समय का दबाव स्व-प्रेरित तनाव है, इसलिए आपको अपनी सुबह की दिनचर्या के रूप में हर दिन योग का अभ्यास करना चाहिए। योग आसन, प्राणायाम, क्रिया और ध्यान आपको किसी भी चुनौती और कार्यभार से निपटने के लिए पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखेंगे। समय पर नाश्ता-लंच-डिनर करें, और ताजा पका हुआ पौष्टिक भोजन ग्रहण करें। ये छोटी-छोटी गतिविधियाँ लग सकती हैं, लेकिन ये आपके काम के दौरान आपकी मनःस्थिति तय करती हैं। हर समय सीमा को एक चुनौती के रूप में लें। जीवन की हर चुनौती का सामना करें, उसके सामने डटकर खड़े रहें। अपने आपको हर चुनौती के लिए तैयार रखें और अपने काम को अंजाम देते रहें।

अपने दिन की शुरुआत थोड़ा जल्दी करना हमेशा बेहतर होता है, ताकि आपके पास उत्पादक गतिविधियों में निवेश करने के लिए अधिक समय हो। हालाँकि यह भी जरूरी है कि आपको अपनी नींद से समझौता नहीं करना चाहिए। आपके लिए प्रत्येक दिन 7-8 घंटे की नींद पूरी करना आवश्यक है। सबसे आसान यह है कि आप एक टू-डू सूची तैयार करें, सुबह उठकर सबसे पहले आपको अपने दिन की योजना बनानी चाहिए और इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक टू-डू सूची तैयार करें। अपने कार्यों को अपनी प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध करें और एक के बाद एक उन्हें पूरा करना शुरू करें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

भय से उपजा वहम है भूत

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

माना जाता है कि आत्मा अजर-अमर होती है और मृत्यु के बाद भटकती रहती है। जब तक वह शरीर में रहती है उसका भी शारीरिक विकास होता रहता है लेकिन मृत्योपरान्त आत्मा शरीर से अलग हो जाती है तो उसका रूप कैसे शैतानी ताकत में बदल जाता है। जीवित शरीर में तो वही आत्मा उस धारक व्यक्ति के ही समान थी। ऐसे में मृत्यु के उपरान्त संरचना या रूप में परिवर्तन होने की बात अजीब और अस्वीकार्य लगती है। विचारणीय बात यह है कि आखिर कैसे एक सामान्य व्यक्ति की आत्मा शैतानी और भयावह रूप धारण कर सकती है। मृत्यु के बाद एक असहाय और कमजोर व्यक्ति की आत्मा के पास भी अलौकिक शक्तियां आखिर कहां से और कैसे आ सकती हैं। यह विचार बड़ा ही हास्यास्पद लगता है कि जीते जी जो चेहरा सुंदर और आकर्षक होता है वही मृत्यु के बाद बिगड़ कर डरावना किस प्रकार हो सकता है। जब अलौकिक शक्तियां हासिल हो जाती होंगी तो चेहरा पहले की तुलना में और भी सुंदर क्यों नहीं बना लिया जाता? कोई भी आत्मा जीवन काल के सुंदर डील डौल और चेहरे-मोहरे को कुरूप, डरावना, भद्दा और बेडोल बनाकर आखिर क्यों मूर्खता का परिचय देती होगी?

ऐसा तो कोई नहीं है कह सकता कि गंदी और बेडोल काया वाले जीव ही गंदे काम या डरावनी हरकतें हों। किसी से ये बात भी छिपी हुई नहीं हैं कि इस जीवित संसार में सुंदर, सभ्य और सामाजिक दिखने वाले या खुद को ऐसा दिखाने वाले हद से ज्यादा गंदे और अमानवीय कृत्यों को अंजाम देते हैं। आए दिन समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर ऐसे समाचार और घटनाक्रम अक्सर देखने को मिल जाते हैं। कहने का आशय यह कि इंसानियत को शर्मिंदा करने वाले कुकृत्य करने के लिए स्वयं को बाहरी तौर पर गंदा या असुंदर दिखाने की कतई आवश्यकता नहीं होती है। सौंदर्य की भावना से परिपूर्ण व्यक्ति भी स्वयं को मजबूत, बलिष्ठ और आकर्षक दिखाने की कामना रखता है। आत्मा तो अलौकिक शक्तियों की धनी मानी जाती है, तो फिर वह क्यों नहीं चाहेगी सुंदर दिखना। शायद बुराई, आतंक और पशु प्रवृत्ति ही इनका सौंदर्य होता होगा।

जब यह सत्य है कि मृत्यु के साथ ही शरीर का विकास रुक जाता है तो फिर व्यक्ति के मरने के बाद भी कथित रूप से आत्मा या दुरात्मा के दांत, नाखून, बाल आदि वीभत्स स्वरूप तक कैसे बढ़ सकते हैं। इन प्रश्नों पर मन में विचार करके देखा जाए तो समझा जा सकता है कि भूत प्रेत की कल्पना महज मन में उपजे वहम और अपने अपराध बोध की कल्पना मात्र है। गांव-चौपाल, शहर के गली-मोहल्लों या नुक्कड पर, रात को सुनाए जाने वाले किस्से कहानियों में अक्सर भूतों की ऐसी भयावह किंतु हास्यास्पद और बेतुकी छवि गढ़ने का प्रयास किया जाता है कि अतिरेक की भी पराकाष्ठा हो जाती है। इस तरह की चर्चाओं में अक्सर जो छवि तैयार की जाती है उस पर जरा गौर फरमाइये। तरह-तरह की भाव-भंगिमायें बनाकर बताया जाता है कि बुरी आत्मा या भूतों के लंबे नाखून होतें हैं, बाल लंबे-गंदे और उलझे हुए होते हैं, आंखें गिरगिट की भांति रंग बदलती हैं, ये आग उगलते हैं, आकार ऐसा कि कहीं न देखा हो, शरीर पर जगह-जगह घावों से रिसता खून...., अच्छे खासे पंजे उलटे बताए जाते हैं। और भी न जाने क्या-क्या उपमाओं-अलंकारों से विभूषित कर ज्यादा से ज्यादा डरावना बनाने का हरसंभव प्रयास किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है माने मरने के बाद आत्मा पहले से ज्यादा लडाकू और हिंसक हो जाती होगी।

कॉमन सेंस की बात है कि भाई कोई आपका दुश्मन है तो जाहिर है कि दुश्मनी निभाने के लिए या बदला लेने के लिए वह आपको परेशान करने का हरसंभव तरीका अपना सकता है। चलिए एक बार को ये भी मान लेते हैं कि आपका ऐसा कोई दुश्मन मर गया। आत्मा बन गया। दुरात्मा बन गया। मरने के बाद भी आपसे बदला ले रहा है। इतनी बात पचाने में ज्यादा तकलीफ नहीं होनी चाहिए, लेकिन बेसिर-पैर की बातों और कपोल कल्पनाओं की हद तो तब हो जाती है जब लोग ऐसी बकवास किंतु जनरोचक चर्चाओं को हवा देते हैं कि मरने के बाद खुद के दिवंगत परिजनों की आत्मा भी घोर बैरी की तरह व्यवहार करने लगती है। दिन-रात येन केन प्रकारेण परेशान करना शुरू कर देती है। किस्से भी ऐसे-ऐसे गढ़ लिए जाते कि सुनकर ही हंसी आने लगती है। ऐसी बातों को महिमा मंडित करने वाले डर का तड़का लगाकर बताते हैं कि फलां शख्स की आत्मा उनके घरवालों को सता रही है। उनके घरों में नल अपने आप खुल जाते हैं, पानी बहने लगता है। इन बातों से ऐसा लगता है कि ये आत्माएं बहुत लापरवाह होती होंगी जो इन्हें पानी का मोल पता नहीं होता। बेवजह दरवाजा खोलने और बंद करने में इन आत्माओं को खास मजा आता है। ऐसा करते समय चर्र-चर्र की आवाज होने का भी उल्लेख किया जाता है, भले ही उस घर के सभी दरवाजों की मरम्मत व रंग-रोगन हो चुका हो। भाई जब तक ऐसी डरावनी आवाजों से किस्सों को असरदार न बना दिया जाए तब तक आखिर भय कैसे पैदा किया जा सकेगा सुनने वालों के मन में। आत्माओं पर एक से बढ़कर-एक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने के आरोप लगाए जाते हैं कि समझदारी पर तरस आने लगता है। अक्सर हॉरर फिल्मों और भूतिया कहानी वाले सीरियल्स में भी दिखाया जाता है कि आत्माएं बेवजह लाइट को ऑन-ऑफ करती रहती हैं, टेलीविजन या दर्पण को तोड़ देती हैं, खिड़कियों में तोड़-फोड़ करना उनको बहुत भाता है, कपड़ों में आग लगा देती हैं। दीवारों पर खून से अजीबो-गरीब बातें लिखना तो जैसे आत्माओं का सबसे प्रिय शगल होता है। इस बातों को देख-सुनकर किसी भी सहज बुद्धि वाले इंसान को ऐसा ही लगेगा जैसे हॉरर और कॉमेडी का कॉकटेल परोसा जा रहा हो। ... इस तरह की अनर्गल और वाहियात बातें करने वाले लोगों की बुद्धि पर तरस आता है। ये लोग इस बात का कोई जवाब नहीं देते कि जो इंसान जीते-जी खुद की चीजों को सहेज कर रखता था, जिसने कभी टेलीविजन तो दूर कप-प्लेट तक नहीं तोड़ा हो वो मरने के बाद किसी और का टीवी क्यों तोड़ने लगा।

(ये लेखक केअपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

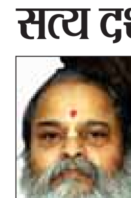

मोह आदि का अपार अंधकार मिट जाता है, तब बुद्धि आत्मानुभव प्रकाश को पाकर हृदय रूपी घर में बैठकर उस जड़ चेतन गांठ को खोलती है तब यह जीव कृतार्थ हो जाता है। परन्तु गांठ खोलते हुए जानकर माया फिर अनेक विघ्न करती है। वह बहुत सी ऋद्धि-सिद्धियों को भेजती है जो आकर बुद्धि को लोभ दिखाती हैं और वे कल बल और छल करके समीप जाती और आंचल की वायु से उस ज्ञान रूपी दीपक को बुझा देती हैं। यदि बुद्धि बहुत ही सयानी हुई तो उन ऋद्धि-सिद्धियों को हानिकर समझ कर उनकी ओर ताकती नहीं। अब यदि माया का वश नहीं चला तो देवता विघ्न करते हैं। इन्द्रियों के द्वार हृदय रूपी घर के अनेक झरोखे हैं। वहां प्रत्येक झरोखे पर देवता अड्डा जमाकर बैठे हैं। ज्योंहि वे विषयरूपी हवा को आते देखते हैं, त्योंही हठपूर्वक किंवाड़ खोल देते हैं और आत्मानुभव रूप प्रकाश भी मिट गया। विषय रूपी हवा से बुद्धि व्याकुल हो गई। सारा किया कराया चौपट हो गया। इन्द्रियों और उनके देवताओं को स्वाभाविक ही ज्ञान नहीं सुहाता, क्योंकि उनकी विषय भोगों में सदा ही प्रीति रहती है। बुद्धि को भी विषय रूपी हवा ने बावली बना दिया। इस प्रकार ज्ञान दीपक के बुझ जाने पर फिर जीव अनेक प्रकार से जन्म-मरण आदि के क्लेश पाता है। हरि की माया अत्यन्त दुस्तर है वह सहज में तरी नहीं जा सकती। ज्ञान कहने में, समझने में और साधन में भी कठिन है। ज्ञान का मार्ग कृपाण की धार के समान है। इस मार्ग में गिरते देर नहीं लगती।

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

दृष्टि डॉटर प्रियंका-कमल शर्मा, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

झलक : फसाना जलने वालों का

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

गरीब के घर की रसोई हो या ब्रह्मांड भुवन के जलते पिंड। अग्नि की अहमियत को कोई कैसे नकारे। सूरज, चांद, सितारे। सब में आग का ही जलवा। सृष्टि की मूल जठराग्नि। वह कभी भूख में, कभी हवस में हुई तब्दील आगे उसके अफसाने बनते चले गए।

सूरज एक आग का गोला, जो समष्टि जीवन का आधार।

'नमः सवित्रे जगदेक चक्षुषे
जगत् प्रसूति स्थिति नाश हेतवे।।'

ऋषियों ने ही नहीं, गीतकारों ने भी की उसकी अभ्यर्थना-

'जगत्भर की रोशनी के लिए।
करोड़ों की जिन्दगी के लिए।
सूरज के जलते रहना। सूरज के...'

भारतीय पद्धति में अग्निहोत्र से दिवस की शुरुआत।

'ओम् अग्नेनः
सुपथा राये
अस्मान्।
विश्वानि देवः वयुयानि विद्वान।।'

सृष्टि की नींव में निहित है संकल्प की चेतना।
जिसे आद्या शक्ति रूप में जाना गया।
'या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयरे।।'

वही बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रकट होकर जन जन की आराध्य बनी। ज्योति का एक छोर अग्निमय तो दूसरा ब्यार से जुड़ा।

'जोत से जोत जगाते चलो।
सबको गले से लगाते चलो।।'

तीज त्यौहार नवरात्र इत्यादि में, व्रत के साथ ज्योति कलश या घट स्थापन का अपना महत्व। वेद ऋचाओं से लेकर लोकगीतों तक जिसकी गुंजार।

'ज्योति यशोदा धरती मैया।
नील गगन गोपाल कन्हैया।
श्यामल छवि झलके। श्यामल छवि झलके। ज्योति कलश छलके।। ज्योति कलश...'

स्वाध्याय एवं यज्ञ अनुष्ठानों में ज्योति रूपी अग्नि की ही वरेण्यता।

'असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मामृतं गमये।। ओम् शांति शांति शांतिः।।'

तिमिर के विरुद्ध ज्योति किरन का जज्बा।
नन्हें से दीपक में तूफान से टकराने का हौसला।।
निर्बल से लड़ाई बलवान की।
ये कहानी है 'दिये की और तूफान की।।'1

जलने वालों की दास्तां यहीं खत्म नहीं होती।

'बहुत जले बहुतों ने जलाया।
सिलसिला युगों से चला आया।
जलाकर किसी ने जुलम ढाया।
जलकर किसी ने विरद रचाया।।'

पुरातन काल में होलिका ने अपने भतीजे प्रहलाद को जलाना चाहा। प्रहलाद बच गया। वह खुद जल मरी। दहशतगर्दी ने तब जाने कितने आशियाने फूंक डाले। सतयुग में दम्भी पिता दक्ष की पुत्री सती ने हवन कुंड में कूदकर प्राण दे दिए। सती के देहांग जहां गिरे वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। शंकर के तीसरे नेत्र ने काम को जलाकर भस्म कर दिया। बाद में क्षमा करके उसे अनंग रूप अमर किया। रामायण में रावण ने हनुमान की पूंछ में आग लगा दी। हनुमान ने तब हूक मारकर रावण की लंका जला डाली।

सागर ने जब मार्ग नहीं दिया, तब राम ने अग्निबाण चढ़ा लिया। समुद्री जीव अकुला उठे। तब उसने क्षमा याचना सहित सागरतरण का उपाय बताया। सेतुबंध रामेश्वर जिसका प्रमाण। वहीं चरित्र प्रमाण के निमित्त सीता को अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ा। अग्नि तो पावक है। जब कल्मष ही नहीं तो, वो किसी को क्या जलाएगी। महाभारत काल में विदुर की सूझ से पांडव लाक्षा गृह से जीवित निकल पाए। दिनकर ने गाया, 'जो लाक्षा गृह में जलते हैं वे ही सूरमा निकलते हैं।' संत कबीर के अनुसार-

'कुटलि वचन धधकी अगन, जारि करे तन छार।
साधु वचन जल रूप हैं, बरसे अमरित धार।।'

कभी किसी के कड़वे बोल जलाते, को कभी किसी की खामोशी भी जलाती।

'वो चुप रहे तो मेरे दिल के दाग जलते हैं।
जो बात कर ले तो बुझते चिराग जलते हैं।।'

इधर उल्फत में जलने वालों की भी कमी तो नहीं।

'खुलते नहीं है रोज दरीचे बहार के।
आती है जाने मन ये कयामत कभी कभी।।'

अफसाने जलने वालों के इतने, कि कलम थक जाए। स्याही चुक जाए। जलने वालों में लानत के काबिल वे लोग जो किसी की खुशी देख नहीं पाते। चाहे वो चिराग भी हो तो क्या।

'नशीली रात है, सारे चिराग गुल कर दो।
खुशी की रात में क्या काम है जलने वालों का।।'

धिक्कार समाज की उन वहशी रवायतों को भी, जिसकी आड में जिन्दा जलाने को सती करार दे दिया जाता था। धन्य राजा राम मोहनराय, जिन्होंने इसके विरुद्ध कानून बनवाया। अन्त में राजपूताने का एक गौरवशाली प्रसंग। जब खिलती की मक्कारी के खिलाफ राजपूत सरदारों ने साका रचा। लड़ते हुए वीरगति को वरण किया। मगर अपने केसरिया बाने की धज को धूमिल न होने दिया। महारानी पद्मिनी की अगुवाई में तब किले की कुलांगनाएं जौहर की महाज्वाला में कूद पड़ी थीं। मेवाड़ के माणक चौक स्थित उनकी स्मृति में, आस्था के दिये युगों तक जलते रहेंगे। यह 'झलक' क्षत्रिय कुल के शौर्य और आन-बान पर समर्पित। अस्तु।

-तुषार 'निरपेक्ष'

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/04/2022

सूर्योदय : 06:02 **सूर्यास्त :** 18:45 **चन्द्रोदय :** 15:24 **चन्द्रास्त :** 04:07 **शक सम्वत :** 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** चैत्र **सूर्य राशि :** मीन **चन्द्र राशि :** सिंह **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** द्वादशी, 28:50 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **चन्द्रमास चैत्र :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** वसन्त **वैदिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 09:30 तक
योग : गांदा, 11:07 तक
प्रथम करण : बावा, 16:56 तक
द्वितिय करण : बालवा, 28:50 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:28 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:51 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:33 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:46 पी एम से
अमृत काल	07:07 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:59 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व में
कुंभी चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:01 - 07:36	उद्वेग	06:44 - 08:09
अमृत	: 07:36 - 09:12	शुभ	08:09 - 09:33
काल काल वेला	: 09:12 - 10:47	अमृत	09:33 - 10:58
शुभ	: 10:47 - 12:23	चर	10:58 - 12:22
रोग वार वेला	: 12:23 - 01:58	रोग	12:22 - 01:47
उद्वेग	: 01:58 - 03:34	काल	01:47 - 03:11
चर	: 03:34 - 05:09	लाभ	03:11 - 04:35
लाभ	: 05:09 - 06:44	उद्वेग	04:35 - 06:00

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

चैत्र, शुक्ल, द्वादशी, 2079 बुधवार, 13 अप्रैल - 19 अप्रैल, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
यात्रा सफल रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। नए मित्र बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
विवाद को बढ़ावा न दें। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से बचें। योजना फलीभूत होगी। कार्यस?थल पर परिवर्तन तथा सुधार की संभावना है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। मित्रों व रिश्तेदारों की मदद करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
धार्मिक कृत्यों पर व्यय होगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। विवेक से कार्य करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में चैन रहेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। धैर्य रखें।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। जल्दबाजी न करें। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
एकाग्रता बनी रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी बड़े काम के होने से प्रसन्नता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। बड़े लाभदायक सौदे हो सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
किसी बड़े काम को करने की इच्छा बनेगी। कारोबार अच्छा चलेगा। रोजगार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नए काम मिल सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। नौकरी में चैन रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। कर्ज लेना पड़ सकता है। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। अकारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यात्रा में सावधानी आवश्यक है। कारोबार ठीक चलेगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

ईआरसीपी को चुनावी मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

राज्य के लिमिटेड रिसोर्सेज से प्रोजेक्ट में 15 साल लगेंगे-गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को सीएम अशोक गहलोत ने चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। ईस्टर्न कैनाल को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर मुहिम शुरू की है। #ERCP_नेशनल_प्रोजेक्ट_बनाओ के हैशटैग के साथ ट्विटर और दूसरे सोशल मीडिया पर आज से गहलोत ने यह अभियान छेड़ा है। कांग्रेस नेता और मंत्री भी इससे जुड़कर मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को अब दिल्ली में भी उठाने की तैयारी में है। गहलोत की शुरुआत इसी दिशा में मानी जा रही है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के जयपुर में पीएम मोदी की तरफ से कोई वादा नहीं करने का चैलेंज देने के बाद से इस मामले में सियासत गर्मा गई है। गहलोत ने ट्वीट कर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह को निशाने पर लेने के अलावा राज्य सरकार के बजट से भी ईस्टर्न कैनाल का काम शुरू कराने की बात कही है। गहलोत ने लिखा- हमारी मंशा है कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का काम जल्द पूरा हो। इससे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को पेयजल और सिंचाई का पानी मिल सके। प्रदेश सरकार ने ERCP पर अभी तक करीब 1000 करोड़ का खर्च किए हैं। इस बजट में 9600 करोड़ प्रस्तावित किए हैं।

राज्य के फंड से काम करने पर 15 साल लगेंगे

गहलोत ने आगे लिखा- राज्य सरकार के सीमित संसाधनों से इस परियोजना को पूरा होने में 15 साल लग जाएंगे। परियोजना की लागत भी बढ़ती जाएगी। केंद्र सरकार इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देती है तो वहां से ग्रांट मिलने पर काम भी तेजी से पूरा होगा। कम लागत में काम हो सकेगा।

जलशक्ति मंत्री प्रदेश के लिए कुछ नहीं कर रहे

गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर फिर निशाना साधते हुए ट्वीट किया- यह समझ से परे है कि राजस्थान जैसे रेगिस्तानी और जल अभावग्रस्त राज्य को पानी की परियोजना को नेशनल प्रोजेक्ट का दर्जा नहीं मिलेगा तो किस राज्य को मिलेगा? यह स्थिति तो तब है जब यहां के सांसद ही जलशक्ति मंत्री हैं, पर वो प्रदेश के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं।

शेखावत के बयान को मुद्दा बनाया

सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस ने गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान को मुद्दा बना लिया है। शेखावत ने जलदाय मंत्री महेश जोशी से उलझते हुए पीएम मोदी के अजमेर, जयपुर की सभाओं में ईस्टर्न कैनाल को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करने पर एक शब्द भी बोलने का सबूत देने पर राजनीति छोड़ने का चैलेंज दिया था। इसके बाद पीएम के दो वीडियो सामने आए। जिन्हें कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए शेखावत से वादा निभाने को कहा। अब सीएम ने नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करवाने की मुहिम छेड़ दी है।

चुनावी मुद्दा बनेगा ईस्टर्न कैनाल

ईस्टर्न राजस्थान कैनाल को कांग्रेस चुनावी मुद्दा बनाएगी। गहलोत ने इस साल के बजट में ईआरसीपी कॉर्पोरेशन बनाकर 9600 करोड़ रुपए इस पर खर्च करने की घोषणा की थी। गहलोत ने राजस्थान सरकार के खर्च से ईआरसीपी को शुरू करने की घोषणा करने के साथ बजट भाषण में भी इस बात का उल्लेख किया था कि इसे नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करवाने के लिए प्रयास जारी रखें। 13 जिलों में यह प्रोजेक्ट अब पॉपुलर डिमांड बना हुआ है। पानी की किल्लत के बीच यह मुद्दा बन गया है।

ERCP पर गहलोत ने मांगा था विपक्ष का साथ

ईआरसीपी को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करवाने के लिए गहलोत ने विधानसभा में बीजेपी नेताओं से साथ देने की मांग की थी। उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के जवाब, बजट बहस और एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस के जवाब में भी विपक्ष का सहयोग मांगा था। गहलोत ने नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया से कहा था कि सब साथ मिलकर प्रधानमंत्री के पास चलें और उन पर ईआरसीपी को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करने का दबाव बनाएं।

स्व. राजा चक्रवर्ती की याद में रक्तदान शिविर सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। स्व. राजा चक्रवर्ती की पंचम पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पालनहार फाउण्डेशन एवं फीजियो केयर क्लीनिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पालनहार फाउण्डेशन की ओर से संगीता राजा, डॉ. विश्वेष दवे एवं डॉ. गौरव अग्रवाल ने आभार प्रकट किया।

दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म- मिश्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा है कि दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म है।

मिश्र सीकर जिले के खाटू श्याम जी में ओडिशा के राज्यपाल प्रो. श्री गणेशीलाल के साथ श्रीश्याम शरणम् धर्मशाला का शिलान्यास करने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वही समाज विकास करता है, जहां दूसरों के लिए उदात्त दृष्टि होती है। हमारी प्राचीन संस्कृति इन्हीं उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ी है और इसी से हमें जीवन का अर्थ, जीवन जीने का तरीका सीखने को मिलता है।

हिन्दू समाज के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं

जयपुर @ जागरूक जनता। पिछले दिनों करौली में हुई साम्प्रदायिक घटनाओं को लेकर भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने कहा है कि हिन्दू समाज के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय सहन नहीं किया जाएगा। शर्मा ने अपने वक्तव्य में सरकार से मांग की है कि सरकार को चाहिए कि इन घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और निर्दोष लोगों को सरकार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए। बेकसूर लोगों के लिए आगजनी और दंगों के कारण घायल और बेघर हुए लोगों को दो समय की रोटी की व्यवस्था करना भी मुश्किल हो गया है।

रामनवमी पर निकली शोभायात्रा, भक्तों ने की पुष्प वर्षा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रामनवमी का पर्व पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया। श्री रामदूत सेवा संघटन द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर श्रीराम की विशाल प्रतिमा के साथ राम नाम की विशाल रैली निकाली। रैली पुराने विद्याधर नगर स्थित ज्वाला माता मंदिर से प्रारंभ होकर, दशहरा पार्क, ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर सर्किल, नेशनल हैंडलूम, शेखावटी हॉस्पिटल, बियानी कॉलेज होती हुई जेपी कॉलोनी स्थित लीलाधारी हनुमान मंदिर में विसर्जित हुई। शोभायात्रा में रामभक्त जय श्री राम.... जयश्रीराम का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। कमल गुप्ता ने बताया कि लीलाधारी हनुमान मंदिर में रैली पर पुष्प वर्षा की गई। शोभायात्रा मार्ग को झंडों से सुशोभित किया गया। इस दौरान पार्षद रूप कंवर, समाजसेवी हरिओम चौहान, राजू सैन प्रवीण, चेतेन्द्र मिश्रा, विक्रम, नरेश, भूपेन्द्र सहित अनेक राम भक्त उपस्थित थे।

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया होगी आसान!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चा गोद लेने के तौर-तरीकों में ढील देने की मांग करने वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता ने बताया है कि देश में लगभग 3 करोड़ अनाथ बच्चे हैं। वहीं करोड़ो दंपत्ति निसंतान है। वहीं कानूनी परेशानियों के कारण हर साल लगभग 4 हजार बच्चे ही गोद लिए जाते हैं। याचिकाकर्ता ने देश की सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल करके बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया को आसान बनाने की मांग की है। साथ ही याचिकाकर्ता के द्वारा मांग की गई है कि बच्चा गोद लेने के लिए प्रकिया सभी के लिए समान हो। बच्चा गोद लेते समय किसी के साथ भेदभाव न किया जाए।

कानूनी प्रकिया के बाद भी बच्चा गोद लेने में लगता है समय

पहले तो कानूनी प्रकिया पूरी करने में बहुत ज्यादा समय लगता है। वहीं कानूनी प्रकिया पूरी हो जाने के बाद भी बच्चा गोद लेने में अभी बहुत समय लगता है। कारा की टीम खुद सभी जानकारी की जांच पड़ताल करती है जिसमें समय लग जाता है। इसके साथ ही पुलिस विभाग के द्वारा दिए जाने वाला नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट में भी बहुत समय लगता है।

ANCHOR | मेला समापन

कंस वध मेले पर स्वर रसियाओं का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कुम्हेर भरतपुर। नगर पालिका कुम्हेर द्वारा चार दिवसीय कंस वध मेले का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुनील पीढ़ी ने देश विदेश में प्रख्यात 8 कवियों को सम्मानित किया। सम्मानित कवियों में ओज रस के विनीत चौहान अलवर श्रृंगार रस की गौरी मिश्रा नैनीताल सुमित्रा सरल रतलाम हास्य व्यंग के पार्थ नवीन प्रतापगढ़ हास्य रस के लक्ष्मण नेपाली नेपाल उमेश उत्साही उदयपुर जयकुमार भरतपुर और चाचा चौधरी कुम्हेर का तस्वीर पटका और माला पहनाकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील पीढ़ी ने कहा कि कभी देश को उचित राह दिखाने वाला आईना होते हैं। कवियों को माता सरस्वती का वरदान प्राप्त होता है। कभी देश की ज्वलंत विषयों को आमजन के बीच में रखते हुए देश को जागरूक करते हैं। कवियों को देश को गंभीरता से सुन कर उनकी बातों का मनन करना चाहिए। इस मौके पर कवि विनीत चौहान ने राष्ट्रीय परशुराम सेना राजस्थान का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कवियत्री गौरी मिश्रा ने कहा कि इतनी दूरी पर सुनील पीढ़ी ने जो अपनापन दिया है उसको सदा याद रखूंगी और जब भी मुझे याद किया जाएगा मैं उपस्थित रहूंगी। इस मौके पर कुम्हेर नगरपालिका उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा पार्षद शुक्ला भाजपा कुमार अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा स्वयं सेवी संस्था के अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता संजय कटारा पूर्व चेयरमैन केदार सैनी सौदान सिंह और युवा ब्राह्मण नेता नरेंद्र लवानिया मौजूद रहे। कंस मेले के दौरान अनेक प्रकार की झांकियां सजाई गई ढोल नगाड़े बंब पार्टियां आदि शामिल हुई मेले में जयपुर से पधारे हुए सामाजिक कार्यकर्ता संजय कटारा ने ढोल बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मेले में दिखाई गई झांकियां आज भी राजवंश का इतिहास व लुप्त होती हुई संस्कृति को जीवंत किए हुए हैं।

जागरूक खबरें

निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। राहत आदिशक्ति फाउंडेशन एवं ए .एस .जी. आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में बीते दिनों निशुल्क नेत्र जांच शिविर झूलेलाल मंदिर कंवर नगर में आयोजित किया गया। कैंप में करीब 148 लोगों ने निशुल्क नेत्र जांच का लाभ उठाया। उक्त कैंप द आई स्कूल की डायरेक्टर भाविशा देवनानी व श्रेया देवनानी, पूज्य सिंधी पंचायत कंवर नगर के सौजन्य से लगाया गया। राहत आदिशक्ति फाउंडेशन के फाउंडर एडवोकेट रुचि सेठी व संदीप पारीक ने बताया कि कोरोना काल के चलते बच्चों के स्कूल पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गए जिसे अधिकतर समय मोबाइल व लैपटॉप पर व्यतीत करने से बच्चों के नेत्र जांच की बहुत अधिक आवश्यकता है व इसी के मद्देनजर कैंप में बहुत अधिक संख्या में बच्चों ने भाग लिया. ए .एस .जी. आई हॉस्पिटल के कॉर्पोरेट मैनेजर रवि कौशिक जी ने बताया कि कैंप में आने वाले अधिकतर मरीजों को ड्राई आइज, जलन व पानी की समस्या है। सभी व्यक्तियों को प्रत्येक 6 माह में नेत्र जांच जरूर करानी चाहिए व कैंप में उपस्थित होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को उनके पारिवारिक सदस्यों के लिए भी ए एस जी आई हॉस्पिटल व राहत आदिशक्ति फाउंडेशन की ओर से अस्पताल में निशुल्क जांच व कंसल्टेशन के कूपन वितरित किए गए, जिससे वह अपनी सुविधानुसार हॉस्पिटल में जाकर जांच करा सके। कैंप में राहत आदिशक्ति फाउंडेशन के सदस्य मीडिया प्रभारी पूरणमल पारीक, सोनाली राठौड़ व लकी का सहयोग रहा. कैंप के समापन पर राहत आदिशक्ति फाउंडेशन के फाउंडर एडवोकेट रुचि सेठी व संदीप पारीक द्वारा कैंप में सहयोग देने वाले प्रत्येक सदस्य को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ कराएगी गहलोत सरकार

जयपुर @ जागरूक जनता। गहलोत सरकार पहली बार देवस्थान के अधीन प्रत्यक्ष प्रभार के मंदिरों में हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ कराएगी। इस संबंध में शासन सचिव (देवस्थान) ने आदेश जारी किए हैं। देवस्थान आयुक्त करण सिंह ने सभी जिलों के सहायक आयुक्तों से जिलों के प्रत्यक्ष प्रभार के दो-दो मंदिरों की सूची मांगी है, जहां सुंदरकांड पाठ कराए जा सकें। इन मंदिरों में 16 अप्रैल को हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ की आवश्यक व्यवस्थाएं भी कराने को कहा है। इससे पहले रामनवमी पर भी सरकार की ओर से रामायण के पाठ आयोजित करवाए गए थे।

जयपुर चन्द्रकला चैरिटेबल ट्रस्ट परिवार ने शिक्षा नगरी में किया योद्धा सम्मान

कोटा @ जागरूक जनता। शिक्षा नगरी कोटा में चंद्रकला चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा 101 कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया। संस्था की कोटा प्रभारी निर्मला दहिया ने बताया कि जिन लोगों ने कोरोना काल में अपनी सेवाएं दी उन करोना योद्धाओं का सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। ट्रस्ट की फाउंडर डॉ.चंद्रकला गोठवाल ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ चंद्र शेखर सुशील मानसिक रोग व नशा मुक्ति विशेषज्ञ अधीक्षक न्यू मेडिकल कॉलेज कोटा रहे, विशिष्ट अतिथियों में डॉ मति सुमन मीणा एम बीबीएस, एम. एस.सह आचार्य स्त्री रोग एवम प्रसूति रोग विशेषज्ञ, जे.पी.महावार चीफ प्लानिंग ऑफिसर, नवल प्रिंसिपल रहे । कार्यक्रम का शुभ आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान माला,दुप्पटा पहना कर व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया।

तीन पुस्तकों का क्रमबद्ध एवं समयबद्ध लोकार्पण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अजमेर पोएट्री क्लब (एपीसी) द्वारा बोधि प्रकाशन से प्रकाशित तीन पुस्तकों का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभागार में उपस्थित विद्वजनों ने कार्यक्रम की समयबद्धता एवं सादगी की सराहना करते हुए रचनाकारों को बधाई दी।

इस अवसर पर अर्चना जैन के काव्य संग्रह पौनी सी ही चखी ज़िन्दगी, सुनीता बिश्नोलिया के कहानी संग्रह जोग लिखी और शिवानी शर्मा जयपुर के कहानी संग्रह कबीर जग में जस रहे का लोकार्पण एवं रचनाकारों का सम्मान समारोह गणमान्य नागरिकों एवं वरिष्ठ एवं नवोदित साहित्यकारों की उपस्थिति में चैम्बर भवन, एम आई रोड, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि साहित्यकार शारदा कृष्णा रही। शारदा कृष्णा ने इस अवसर पर प्रकाशक माया मृग की कविता कविता लिख रही हैं स्त्री पढ़कर पूरे सभागार को भावुक कर दिया। लेखिका एवं संपादक नीलिमा टिक्कू ने अध्यक्षता ने की।नीलिमा टिक्कू ने शिवानी और सुनीता को संभावना से भरी कहानीकार बताते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ अखिल शुक्ला ने कार्यक्रम को समय से आरंभ और समाप्त करने की प्रशंसा की और सभी को इसका अनुसरण करने के लिए कहा। डॉ अजय अनुरागी ने तीनों रचनाकारों को बधाई दी और लेखक के रूप में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लेखिका शिवानी ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों को एक छोटे से स्नेहसिक्त आग्रह पर उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में नूतन गुप्ता ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित विद्वजन के प्रति आभार व्यक्त किया और जलपान के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम का रोचक और सधा हुआ संचालन रेडियो जॉकी, कवयित्री और संस्कृति कर्मी संगीता गुप्ता ने किया।

विधि विधान से करें हनुमान पूजा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, श्रीराम भक्त हनुमान का जन्म चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र और मेष लग्न के योग में हुआ था। कहते हैं कि इस दिन बजरंगबली की विधि-विधान से पूजा करने वालों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। हनुमान जयंती इस बार शनिवार, 16 अप्रैल को मनाई जाएगी। हनुमान की उपासना के लिए यह दिन बहुत ही उत्तम माना गया है। हनुमान जयंती पर पूजा के लिए इस बार एक विशेष योग भी बन रहा है।

हनुमान जयंती पर कैसे करें पूजा

हनुमान जयंती पर शाम को लाल वस्त्र बिछाकर हनुमान जी की मूर्ति या फोटो को दक्षिण मुंह करके स्थापित करें। खुद लाल आसन पर लाल वस्त्र पहनकर बैठ जाएं। घी का दीपक और चंदन की अगरबत्ती या धूप जलाएं। चमेली तेल में घोलकर नारंगी सिंदूर और चांदी का वर्क चढ़ाएं। इसके बाद लाल फूल से पुष्पांजलि दें। लड्डु या बूंदी के प्रसाद का भोग लगाएं। केले का भोग भी लगा सकते हैं। दीपक से 9 बार घुमाकर आरती करें और मंगलमूर्ति हनुमते नम: मंत्र का जाप करें। चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि शनिवार, 16 अप्रैल को देर रात 02.25 से प्रारंभ होकर रविवार, 17 अप्रैल को दोपहर 12.24 पर समाप्त होगी। इस दिन हस्त और चित्रा नक्षत्र रहेगा। हनुमान जयंती पर सुबह 5.55 से लेकर 08.40 तक रवि योग भी रहेगा। रवि योग में भगवान की पूजा करना बड़ा ही शुभ माना जाता है। इस अवधि में आप किसी शुभ कार्य की शुरुआत भी कर सकते हैं।

धन प्राप्ति के लिए करें ये उपाय

हनुमान पूजा कोई भी स्त्री पुरुष कर सकते हैं। हनुमान जंयती पर एक विशेष उपाय करने से धन प्राप्ति के मार्ग मजबूत होता है। हनुमान जी पर जल चढ़ाने के बाद पंचामृत चढ़ाएं। तिल के तेल में नारंगी सिंदूर घोलकर चढ़ाएं। चमेली की खुशबू या तेल चढ़ाएं। हनुमान जी को लाल पुष्प ही चढ़ाएं। आप गुड़ या गेहूं के आटा की रोटी और चूरमे का भोग भी लगा सकते हैं। साथ ही 'मंत्र श्री राम भक्ताय हनुमते नम:' का जाप करें।

यहां आते हैं हनुमानजी...

एक वेबसाइट सेतु एशिया का दावा है कि प्रत्येक 41 साल बाद हनुमानजी श्रीलंका के जंगलों में प्राचीनकाल से रह रहे आदिवासियों से मिलने के लिए आते हैं। वेबसाइट के मुताबिक श्रीलंका के जंगलों में कुछ ऐसे कबीलाई लोगों का पता चला है जिनसे मिलने हनुमानजी आते हैं। इन कबीलाई लोगों पर अध्ययन करने वाले आध्यात्मिक संगठन सेतु के अनुसार 27 मई 2014 को हनुमानजी इन कबीलाई लोगों से मिलने आए थे। अब हनुमानजी 41 साल बाद आएंगे। इन कबीलाई या आदिवासी समूह के लोगों को मातंग नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में पंपा सरोवर के पास मातंग ऋषि का आश्रम है, जहां हनुमानजी का जन्म हुआ था। सेतु के अनुसार कबीले का इतिहास रामायणकाल से जुड़ा है। कहा जाता है कि भगवान राम के स्वर्ग चले जाने के बाद हनुमानजी दक्षिण भारत के जंगलों में लौट आए थे और फिर समुद्र पार कर श्रीलंका के जंगलों में रहने लगे। जब तक पवनपुत्र हनुमान श्रीलंका के जंगलों में रहे, वहां के कबीलाई लोगों ने उनकी बहुत सेवा की। जब हनुमानजी वहां से जाने लगे तब उन्होंने वादा किया कि वे हर 41 साल बाद आकर वहां के कबीले की पीढ़ियों को ब्रह्मज्ञान देंगे। कबीले का मुखिया हनुमानजी के साथ की बातचीत को एक लॉग बुक में दर्ज कराता है। सेतु नामक संगठन इस लॉग बुक का अध्ययन कर उसका खुलासा करने का दावा करता है।

हनुमान दर्शन और कृपा...

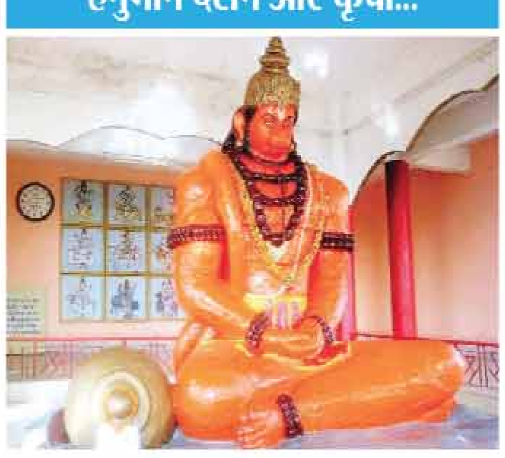

हनुमानजी बहुत ही जल्द प्रसन्न होने वाले देवता हैं। उनकी कृपा आप पर निरंतर बनी रहे इसके लिए पहली शर्त यह है कि आप मन, वचन और कर्म से पवित्र रहें अर्थात कभी भी झूठ न बोलें, किसी भी प्रकार का नशा न करें, मांस न खाएं और अपने परिवार के सदस्यों से प्रेमपूर्ण संबंध बनाए रखें। इसके अलावा प्रतिदिन श्रीहनुमान चालीसा या श्रीहनुमान वडवानल स्तोत्र का पाठ करें। मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमानजी को चोला चढ़ाएं। हनुमान जयंती या महीने के किसी भी मंगलवार के दिन सुबह उठकर स्नान कर साफ कपड़े पहनें। 1 लोटा जल लेकर हनुमानजी के मंदिर में जाएं और उस जल से हनुमानजी की मूर्ति को स्नान कराएं। पहले दिन एक दाना साबुत उड़द का हनुमानजी के सिर पर रखकर 11 परिक्रमा करें और मन ही मन अपनी मनोकामना हनुमानजी को कहें, फिर वह उड़द का दाना लेकर घर लौट आएं तथा उसे अलग रख दें। दूसरे दिन से 1-1 उड़द का दाना रोज बढ़ाते रहें तथा लगातार यही प्रक्रिया करते रहें। 41 दिन 41 दाने रखने के बाद 42वें दिन से 1-1 दाना कम करते रहें। जैसे 42वें दिन 40, 43वें दिन 39 और 81वें दिन 1 दाना। 81वें दिन का यह अनुष्ठान पूर्ण होने पर उसी दिन, रात में श्रीहनुमानजी स्वप्न में दर्शन देकर साधक को मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद देते हैं। इस पूरी विधि के दौरान जितने भी उड़द के दाने आपने हनुमानजी को चढ़ाए हैं, उन्हें नदी में प्रवाहित कर दें।

"क्या आपने कभी सुना है कि हनुमानजी का विवाह भी हुआ था? आज तक यह बात लोगों से छिपी रही, क्योंकि आचार्य ऐसी बातों का जिक्र नहीं करते हैं लेकिन आज हम आपको बता रहे हैं हनुमानजी का एक ऐसा सच जिसको जानकर आप रह जाएंगे हैरान...देश के कुछ हिस्सों खासकर तेलंगाना में हनुमानजी को विवाहित माना जाता है। अगर आप हनुमानजी के साथ उनकी पत्नी को देखना चाहते हैं तो आपको आंध्रप्रदेश जाना होगा। आंध्रप्रदेश के खम्मम जिले में हनुमानजी का एक प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में हनुमानजी के साथ उनकी पत्नी के भी दर्शन होते हैं। यह मंदिर इकलौता गवाह है हनुमानजी के विवाह का।"

विवाहित हनुमान...?

हनुमानजी को बाल ब्रह्मचारी माना जाता है इसलिए हनुमानजी लंगोट धारण किए हर मंदिर और तस्वीरों में अकेले दिखते हैं। कभी भी अन्य देवताओं की तरह हनुमान जी को पत्नी के साथ नहीं देखा होगा। लेकिन देश के कुछ हिस्सों खासकर तेलंगाना में हनुमान जी को विवाहित माना जाता है। अगर आप हनुमानजी के साथ उनकी पत्नी को देखना चाहते हैं तो आपको आंध्रप्रदेश जाना होगा। आंध्रप्रदेश के खम्मम जिले में हनुमानजी का एक प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में हनुमानजी के साथ उनकी पत्नी के भी दर्शन होते हैं। यह मंदिर इकलौता गवाह है हनुमानजी के विवाह का। खम्मम जिला हैदराबाद से करीब 220 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि हनुमानजी जब अपने गुरु सूर्य देव से शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, उस दौरान एक विद्या जिसे सिर्फ विवाहित सीख सकते थे, के लिए, सूर्य देव ने हनुमानजी के सामने शर्त रख दी कि अब आगे कि शिक्षा तभी प्राप्त कर सकते हो जब तुम विवाह कर लो। ऐसे में आजीवन ब्रह्मचारी रहने का प्रण ले चुके हनुमान जी के लिए दुविधा की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिष्य को दुविधा में देखकर सूर्य देव ने हनुमानजी से कहा कि तुम मेरी पुत्री सुवर्चला से विवाह कर लो। सुवर्चला तपस्विनी थी। हनुमानजी से विवाह के बाद सुवर्चला वापस तपस्या में लीन हो गई। इस तरह हनुमानजी ने विवाह की शर्त पूरी कर ली और ब्रह्मचारी रहने का व्रत भी कायम रहा। हनुमान जी के विवाह का उल्लेख पराशर संहिता में भी किया गया है। मान्यता है कि इस मंदिर में आकर जो दंपत्ति हनुमान और उनकी पत्नी के दर्शन करते हैं उनके वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी तालमेल बना रहता है। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं विवाहित हनुमान।

ऐसे माने हनुमानजी

तेलंगाना के खम्मम जिले में प्रचलित मान्यता का आधार पाराशर संहिता को माना गया है। पाराशर संहिता में उल्लेख मिलता है कि हनुमानजी अविवाहित नहीं, विवाहित हैं। उनका विवाह सूर्यदेव की पुत्री सुवर्चला से हुआ है। संहिता के अनुसार हनुमानजी ने सूर्य देव को अपना गुरु बनाया था। सूर्य देव के पास 9 दिव्य विद्याएं थीं। इन सभी विद्याओं का ज्ञान बजरंग बली प्राप्त करना चाहते थे। सूर्य देव ने इन 9 में से 5 विद्याओं का ज्ञान तो हनुमानजी को दे दिया, लेकिन शेष 4 विद्याओं के लिए सूर्य के समक्ष एक संकट खड़ा हो गया। शेष 4 दिव्य विद्याओं का ज्ञान सिर्फ उन्हीं शिष्यों को दिया जा सकता था जो विवाहित हों। हनुमानजी बाल ब्रह्मचारी थे, इस कारण सूर्य देव उन्हें शेष चार विद्याओं का ज्ञान देने में असमर्थ हो गए। इस समस्या के निराकरण के लिए सूर्य देव ने हनुमानजी से विवाह करने की बात कही। पहले तो हनुमानजी विवाह के लिए राजी नहीं हुए, लेकिन उन्हें शेष 4 विद्याओं का ज्ञान पाना ही था। इस कारण अंततः हनुमानजी ने विवाह के लिए हां कर दी।

योग्य कन्या की तलाश

जब हनुमानजी विवाह के लिए मान गए तब उनके योग्य कन्या की तलाश की गई और यह तलाश खत्म हुई सूर्य देव की पुत्री सुवर्चला पर। सूर्य देव ने हनुमानजी से कहा कि सुवर्चला परम तपस्वी और तेजस्वी है और इसका तेज तुम ही सहन कर सकते हो। सुवर्चला से विवाह के बाद तुम इस योग्य हो जाओगे कि शेष 4 दिव्य विद्याओं का ज्ञान प्राप्त कर सको। सूर्य देव ने यह भी बताया कि सुवर्चला से विवाह के बाद भी तुम सदैव बाल ब्रह्मचारी ही रहोगी, क्योंकि विवाह के बाद सुवर्चला पुन: तपस्या में लीन हो जाएगी। यह सब बातें जानने के बाद हनुमानजी और सुवर्चला का विवाह सूर्य देव ने करवा दिया। विवाह के बाद सुवर्चला तपस्या में लीन हो गई और हनुमानजी से अपने गुरु सूर्य देव से शेष 4 विद्याओं का ज्ञान भी प्राप्त कर लिया। इस प्रकार विवाह के बाद भी हनुमानजी ब्रह्मचारी बने हुए हैं।

कपि जाति का रहस्य

हनुमान का जन्म कपि नामक जाति में हुआ था। नए शोधानुसार प्रभु श्रीराम का जन्म 10 जनवरी 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ था। श्रीराम के जन्म के पूर्व हनुमानजी का जन्म हुआ था अर्थात आज 22 अप्रैल 2015 से लगभग 7130 वर्ष पूर्व हनुमानजी का जन्म हुआ था। शोधकर्ता कहते हैं कि आज से 9 लाख वर्ष पूर्व एक ऐसी विलक्षण जाति भारतवर्ष में विद्यमान थी, जो आज से 15 से 12 हजार वर्ष पूर्व लुप्त होने लगी थी और अंततः लुप्त हो गई। इस जाति का नाम कपि था। यह जाति मुख और पूंछ से वानर समान नजर आती थी, लेकिन उस जाति की बुद्धिमत्ता और शक्ति मानवों से कहीं ज्यादा थी। अब वह जाति भारत में तो दुर्भाग्यवश विनष्ट हो गई, परंतु बाली द्वीप में अब भी पुच्छधारी मनुष्यों का अस्तित्व विद्यमान है जिनकी पूछ प्रायः 6 इंच के लगभग अवशिष्ट रह गई है। सभी पुरातत्ववेत्ता, अनुसंधानकर्ता एकमत से स्वीकार करते हैं कि पुराकालीन बहुत से प्राणियों की नस्ल अब सर्वथा समाप्त हो चुकी है।

हनुमानजी का जन्म स्थान

हनुमानजी की माता का नाम अंजना है, जो अपने पूर्व जन्म में एक अप्सरा थीं। हनुमानजी के पिता का नाम केसरी है, जो कपि जाति के थे। माता-पिता के कारण हनुमानजी को आंजनेय और केसरीनंदन कहा जाता है। केसरीजी को कपिराज कहा जाता था। केसरीजी कपि क्षेत्र के राजा थे। कपिस्थल कुरु साम्राज्य का एक प्रमुख भाग था। हरियाणा का कैथल पहले करनाल जिले का भाग था। यह कैथल ही पहले कपिस्थल था। कुछ लोग मानते हैं कि यही हनुमानजी का जन्म स्थान है। उधर, गुजरात के डांग जिले के आदिवासियों की मान्यता अनुसार डांग जिले के अंजना पर्वत में स्थित अंजनी गुफा में ही हनुमानजी का जन्म हुआ था। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि हनुमानजी का जन्म झारखंड राज्य के गुमला जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर आंजन गांव की एक गुफा में हुआ था। यह भी कहा जाता है कि पंपासरोवर अथवा पंपासर होस्पेट तालुका, मैसूर का एक पौराणिक स्थान है। हंपी के निकट बसे हुए ग्राम अनेगुंदी को रामायणकालीन किष्किंधा माना जाता है। तुंगभद्रा नदी को पार करने पर अनेगुंदी जाते समय मुख्य मार्ग से कुछ हटकर बाईं ओर पश्चिम दिशा में, पंपासरोवर स्थित है। यहां स्थित एक पर्वत में एक गुफा भी है जिसे रामभक्त शबरी के नाम पर शबरी गुफा कहते हैं। इसी के निकट शबरी के गुरु मतंग ऋषि के नाम पर प्रसिद्ध मतंगवन था। हंपी में ऋष्यमूक के राम मंदिर के पास स्थित पहाड़ी आज भी मतंग पर्वत के नाम से जानी जाती है। कहते हैं कि मतंग ऋषि के आश्रम में ही हनुमानजी का जन्म हआ था। मतंग नाम की आदिवासी जाति से हनुमानजी का गहरा संबंध रहा है।

क्यों जीवित हैं हनुमानजी?

हनुमानजी इस कलयुग के अंत तक अपने शरीर में ही रहेंगे। वे आज भी धरती पर विचरण करते हैं। हनुमानजी को धर्म की रक्षा के लिए अमरता का वरदान मिला था। इस वरदान के कारण आज भी हनुमानजी जीवित हैं और वे भगवान के भक्तों तथा धर्म की रक्षा में लगे हुए हैं। जब कल्कि रूप में भगवान विष्णु अवतार लेंगे तब हनुमान, परशुराम, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, विश्वामित्र, विभीषण और राजा बलि सार्वजनिक रूप से प्रकट हो जाएंगे। कलयुग में श्रीराम का नाम लेने वाले और हनुमानजी की भक्ति करने वाले ही सुरक्षित रह सकते हैं। हनुमानजी अपार बलशाली और वीर हैं और उनका कोई सानी नहीं है। धर्म की स्थापना और रक्षा का कार्य 4 लोगों के हाथों में है- दुर्गा, भैरव, हनुमान और कृष्ण। लंका विजय कर अयोध्या लौटने पर जब श्रीराम उन्हें युद्ध में सहायता देने वाले विभीषण, सुग्रीव, अंगद आदि को कृतज्ञतास्वरूप उपहार देते हैं तो हनुमानजी श्रीराम से याचना करते हैं- हे वीर श्रीराम! इस पृथ्वी पर जब तक रामकथा प्रचलित रहे, तब तक निस्संदेह मेरे प्राण इस शरीर में बसे रहें। इस पर श्रीराम उन्हें आशीर्वाद देते हैं- हे कपिश्रेष्ठ, ऐसा ही होगा, इसमें संदेह नहीं है। संसार में मेरी कथा जब तक प्रचलित रहेगी, तब तक तुम्हारी कीर्ति अमिट रहेगी और तुम्हारे शरीर में प्राण भी रहेंगे ही। जब तक लोक बने रहेंगे, तब तक मेरी कथाएं भी रहेंगी।

पहली हनुमान स्तुति

हनुमानजी की प्रार्थना में तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमान बहुक आदि अनेक स्तोत्र लिखे, लेकिन हनुमानजी की पहली स्तुति किसने की थी? तुलसीदासजी के पहले भी कई संतों और साधुओं ने हनुमानजी की श्रद्धा में स्तुति लिखी है। लेकिन क्या आप जानते हैं सबसे पहले हनुमानजी की स्तुति किसने की थी? इंद्रादि देवताओं के बाद धरती पर सर्वप्रथम विभीषण ने हनुमानजी की शरण लेकर उनकी स्तुति की थी। विभीषण को भी हनुमानजी की तरह चिरंजीवी होने का वरदान मिला है। वे भी आज सशरीर जीवित हैं। विभीषण ने हनुमानजी की स्तुति में एक बहुत ही अद्भुत और अचूक स्तोत्र की रचना की है। विभीषण द्वारा रचित इस स्तोत्र को हनुमान वडवानल स्तोत्र कहते हैं। हनुमानजी ने सबसे पहले सुग्रीव को बाली से बचाया और सुग्रीव को श्रीराम से मिलाया। फिर उन्होंने विभीषण को रावण से बचाया और उनको राम से मिलाया। हनुमानजी की कृपा से ही दोनों को ही भयमुक्त जीवन और राजपद मिला। इसी तरह हनुमानजी ने अपने जीवन में कई राक्षसों और साधु-संतों को भयमुक्त किया है।

कहां रहते हैं हनुमानजी...?

त्रेतायुग में तो पवनपुत्र हनुमान ने केसरीनंदन के रूप में जन्म लिया और वे राम के भक्त बनकर उनके साथ छाया की तरह रहे। वाल्मीकि रामायण में हनुमानजी के संपूर्ण चरित्र का उल्लेख मिलता है। द्वापर युग में हनुमानजी भीम की परीक्षा लेते हैं। इसका बड़ा ही सुंदर प्रसंग है। महाभारत में प्रसंग है कि भीम उनकी पूंछ को मार्ग से हटाने के लिए कहते हैं तो हनुमानजी कहते हैं कि तुम ही हटा लो, लेकिन भीम अपनी पूरी ताकत लगाकर भी उनकी पूंछ नहीं हटा पाते हैं। इस तरह एक बार हनुमानजी के माध्यम से श्रीकृष्ण अपनी पत्नी सत्यभामा, सुदर्शन चक्र और गरूड़ की शक्ति के अभिमान का मान-मर्दन करते हैं। यदि मनुष्य पूर्ण श्रद्धा और विश्वास से हनुमानजी का आश्रय ग्रहण कर लें तो फिर तुलसीदासजी की भांति उसे भी हनुमान और राम-दर्शन होने में देर नहीं लगेगी। कलियुग में हनुमानजी ने अपने भक्तों को उनके होने का आभास कराया है। ये वचन हनुमानजी ने ही तुलसीदासजी से कहे थे- **चित्रकूट के घाट पै, भई संतन के भीर। तुलसीदास चंदन घिसै, तिलक देत रघुबीर।।**

गंधमादन पर्वत

हनुमानजी कलियुग में गंधमादन पर्वत पर निवास करते हैं, ऐसा श्रीमद् भागवत में वर्णन आता है। उल्लेखनीय है कि अपने अज्ञातवास के समय हिमवंत पार करके पांडव गंधमादन के पास पहुंचे थे। एक बार भीम सहस्त्रदल कमल लेने के लिए गंधमादन पर्वत के वन में पहुंच गए थे, जहां उन्होंने हनुमान को लेटे देखा और फिर हनुमान ने भीम का घमंड चूर कर दिया था। कलियुग में जहां-जहां भगवान श्रीराम की कथा-कीर्तन इत्यादि होते हैं, वहां हनुमानजी गुप्त रूप से विराजमान रहते हैं। सीताजी के वचनों के अनुसार- अजर-अमर गुन निधि सुत होऊ।। करहु बहुत रघुनायक छोऊ।।

कहां है गंधमादन पर्वत

गंधमादन पर्वत का उल्लेख कई पौराणिक हिन्दू धर्मग्रंथों में हुआ है। महाभारत की पुरा-कथाओं में भी गंधमादन पर्वत का वर्णन प्रमुखता से आता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि यहां के विशालकाय पर्वतमाला और वन क्षेत्र में देवता रमण करते हैं। पर्वतों में श्रेष्ठ इस पर्वत पर कश्यप ऋषि ने भी तपस्या की थी। गंधमादन पर्वत के शिखर पर किसी भी वाहन से नहीं पहुंचा जा सकता। गंधमादन में ऋषि, सिद्ध, चारण, विद्याधर, देवता, गंधर्व, अप्सराएं और किन्नर निवास करते हैं। वे सब यहां निर्भीक विचरण करते हैं। हिमालय के कैलाश पर्वत के उत्तर में स्थित है गंधमादन पर्वत। यह पर्वत कुबेर के राज्यक्षेत्र में था। सुमेरू पर्वत की चारों दिशाओं में स्थित गजदंत पर्वतों में से एक को उस काल में गंधमादन पर्वत कहा जाता था। आज यह क्षेत्र तिब्बत के इलाके में है।

कैसे पहुंचे गंधमादन

पुराणों के अनुसार जम्बूद्वीप के इलावृत्त खंड और भद्राश्व खंड के बीच में गंधमादन पर्वत कहा गया है, जो अपने सुगंधित वनों के लिए प्रसिद्ध था। इस क्षेत्र में दो रास्तों से जाया जा सकता है। पहला नेपाल के रास्ते मानसरोवर से आगे और दूसरा भूटान की पहाड़ियों से आगे और तीसरा अरुणाचल के रास्ते चीन होते हुए। संभवतः महाभारत काल में अर्जुन ने असम के एक तीर्थ में जब हनुमानजी से भेंट की थी, तो हनुमानजी भूटान या अरुणाचल के रास्ते ही असम तीर्थ में आए होंगे।

जागरूक खबरें

सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णत: बन्द करने हेतु जन जागरूकता रैली निकाली

तारानगर @ जागरूक जनता। एनजीटी के निर्णय की पालना में जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशानुसार नगरपालिका तारानगर क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलीथीन को पूर्णतया बन्द करने हेतु जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को उपखण्ड अधिकारी मोनिका जाखड़ द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में स्वच्छता एवं प्लास्टिक पॉलीथीन को बन्द किये जाने के सम्बन्ध में स्कूली बच्चो द्वारा नारे लगाये गये। रैली के दौरान सभी व्यापारियों एवं सब्जी विक्रेताओ को भविष्य में प्लास्टिक पॉलीथीन का उपयोग नहीं किये जाने हेतु अधिशाषी अधिकारी अरूण कुमार सोनी द्वारा अपील की गई। साथ ही कपड़े के थैलो का वितरण भी किया गया। रैली को उपखण्ड अधिकारी मौनिका जाखड़ द्वारा नगरपालिका तारानगर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया रैली बस स्टैण्ड एवं अम्बेडकर सर्किल होते हुवे गढ़ परिसर तक निकाली गई एवं पालिका को संजीवनी हस्पताल तारानगर द्वारा भेंट किये गये कपड़े के थैले वितरण किये गये। इस मौके पर पालिका कार्मिक लक्खूसिंह, त्रिशुल सिंह, नितेश कुमार उपाध्याय, अध्यापक वीर बहादूर सिंह, हेमराज प्रजापत, प्रदीप कुमार, कृष्ण पचार, पवन कुमार, महेन्द्र कुमार एवं पालिका कार्मिक मौजुद रहे। वितरण किये गये कपड़े के थैले संजीवनी हस्पताल तारानगर द्वारा भेंट किये गये कपड़े के थैले वितरण किये गये।

पार्षद परमार बने पीपा क्षत्रिय युवा परिषद के जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त

सांचौर @ जागरूक जनता। श्री पीपा क्षत्रिय युवा परिषद प्रदेश अध्यक्ष के आर कुमेश ने हरीश परमार को जालोर जिलाध्यक्ष बनाया। जिस पर उन्होंने उनका आभार जताया और लोगों के हितों में काम करने की बात कहीं। इधर प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें जिलाध्यक्ष नियुक्त करते हुए निर्देश दिए कि, वह संगठन के विस्तार व अन्याय के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए। पीपा क्षत्रिय युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आर कुमेश तथा प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश तंवर ने जालोर जिलाध्यक्ष के पद पर साँचोर नगर पालिका पार्षद एवं युवा नेता हरीश परमार को नियुक्त किया है,परमार पिछले काफी अर्से से सक्रिय राजनीति में है तथा नगर पालिका साँचोर में बतौर पार्षद, कॉर्डिनेटर जालोर महोत्सव,स्मृति वन कमेटी, सत्यपुर वेलफेयर फाउंडेशन, नेहरू कॉलोनी युवा मण्डल, सत्यपुर क्लब आदि संस्थाओं में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं,हरीश परमार शुरू से ही रचनात्मक एवं मैनेजमेंट के कार्यो में पारंगत है तथा मंत्री सुखराम विश्नोई के करीबी माने जाते हैं। परमार ने अभी हाल ही साँचोर में दर्जी प्रीमियर लीग भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करवाया तथा राजस्थान सहित गुजरात के समाज बंधुओं को एक मंच प्रदान किया,परमार ने अपने पार्षद बनते ही श्री पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज सांचौर हेतु सुखराम बिश्नोई से 10,00,000 (दस लाख) रुपए की घोषणा करवाई तथा उस घोषणा को धरातल पर लाया जिसका जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा,परमार ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के. आर कुमेश तथा प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश तंवर का इस नई जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त किया तथा जिले में संगठन को मज़बूती प्रदान करने की बात कही।

जीव दया से जीवन सार्थक: सुनील सागर

उदयपुर @ जागरूक जनता। दिगम्बर जैनाचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि जीव दया में संलग्न व्यक्ति और परिवार का जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने पीड़ितों की सेवा को ईश्वर की सच्ची भक्ति बताया। वे नारायण सेवा संस्थान के सेक्टर-4 स्थित मानव मन्दिर हॉस्पीटल में दिव्यांगजनों के बीच बोल रहे थे। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि आचार्य ने देश के विभिन्न राज्यों से दिव्यांगता में नि:शुल्क सुधारात्मक सर्जरी के लिए किशोर-किशोरियों व उनके परिजनों को मंगल संदेश दिया। उन्होंने संस्थान के ऑपरेशन थियेटर, कृत्रिम अंग व कैलीपर कार्यशाला, विमंदित एवं प्रज्ञा चक्षु बालकों के हस्तशिल्प गैलेरी का भी अवलोकन किया और बच्चों से बातचीत की। संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने पाद प्रक्षालन कर महाराजश्री का स्वागत किया तथा बालगृह के बच्चों ने बैण्ड बजाकर अभिवादन किया। उपस्थित साधकों एवं दिव्यांगों के परिजनों ने जयघोष कर आशीर्वाद लिया। प्रवचन सभा का संयोजन महिम जैन ने किया।

नारायण सेवा देख दिगम्बर जैनाचार्य हुए हर्षित

निंबाहेड़ा बस स्टैंड पर खुलेआम चल रहा है सट्टा और जुआ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा। यूं तो नगर में पिछले कई सालों से सट्टा और जुआ खुलेआम खेला जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। सट्टा और जुआ के कारण कई गरीब तकके लोग बर्बाद हो चुके हैं और कई परिवार बर्बादी की कगार पर खड़े हैं। थोड़े से पैसों के लालच में अपनी खून-पसीने से कमाए हुए पैसे सट्टा और जुए में लगाकर स्वयं बर्बाद हो रहे हैं साथ ही परिवार को बर्बाद कर रहे है। आश्चर्य की बात तो यह है कि बस स्टैंड जैसी जगह पर जहां दिनभर यात्रियों का आना जाना लगा रहता है। वहां खुलेआम सट्टा संचालक सट्टा जुआ धड़ल्ले से चला रहे हैं। ऐसे में यहां पुलिस प्रशासन की चौकी कई सवालों को खड़ा कर रही है। ऐसा नहीं है कि पुलिस को इस बारे में पता नहीं है। बस स्टैंड पर दिनभर सटोरियों की चहल-पहल भी साफ दिखाई देती है। साथ ही ,कई आसपास के दुकानदारों द्वारा भी नाराजगी उनके चेहरों पर देखी जा सकती है। लेकिन सब बेबस है। वैसे तो शहर में कई जगहों पर सट्टा जुआ खूब खेला जा रहा है, लेकिन बस स्टैंड जैसी जगह पर सट्टा जुआ चलना आश्चर्य की बात है। समझ में यह नहीं आ रहा है कि आखिर सट्टा जुआ संचालकों को संरक्षण कहां से मिल रहा है। नवाबों के नाम से पहचान रखने वाला निंबाहेड़ा तो क्या आने वाले समय में सट्टा और जुआ के नाम से पहचाना जाएगा।

कैंडल मार्च निकाल कर डॉ अर्चना को दी श्रद्धांजलि

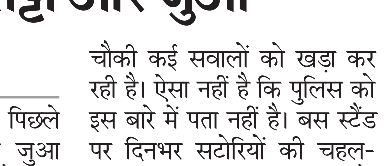

चौमूं @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में लालसोट स्थित निजी चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ अर्चना शर्मा द्वारा पुलिस प्रशासन द्वारा 302 धारा का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने से क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर ली थी इस घटना पर कार्यवाही के लिए भगत सिंह पार्क मगध नगर पर श्रद्धांजलि सभा व कैंडल मार्च निकाला गया। प्रदेशाध्यक्ष तिवाडी ने कहा कि समस्त पदाधिकारी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करत हैं तथा इस घटना से स्तब्ध है। फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ हैं इस घटना से संबंधित डॉक्टर की सभी मांगे अक्षयस से पूर्ण की जाए। प्रशासन से आग्रह करते हैं कि किसी भी दोषी के प्रति किसी तरह की नरमी ना बरते हुए सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए कड़ा से कड़ा कानून बनाया जाए। इस दौरान प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, डॉ एम एल शर्मा, डॉ आरएन यादव, डॉ श्रवण बराला, डॉ रामप्रकाश शर्मा, डॉ भरत राज शर्मा, डॉ सुधांशु पांडे, डॉ बी एल बराला, डॉ अजीत सिंह शेखावत, डॉ महेश ऐरन, डॉ आशुतोष कौशिक, डॉ गौरव गर्ग, डॉ पवन कुमार तिवाडी, डॉ सीताराम कुमावत डॉ ज्ञानेंद्र शर्मा, पं रामस्वरूप शर्मा, अशोक रेवडका, नारायण लाल शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, मुक्ति लाल बासोतिया, सुशील धाकड़, अनुराग शर्मा, मुकेश दीक्षित, प्रदीप शर्मा, एडवोकेट अजय शर्मा, एडवोकेट राम अवतार मिश्रा, अजय शर्मा, राकेश शर्मा, रघुनंदन शर्मा, राम मनोहर शर्मा, सीमा यादव, वंदना शर्मा, ममता शर्मा, सुमन शर्मा, मनीषा शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

जोधपुर से पाली के मध्य जल्द चलेगी वाटर ट्रेन

3 माह से भी ज्यादा समय तक चलेगी वाटर ट्रेन!

एक दिन में खर्च होंगे आठ लाख रुपए

पानी की हौद व मोटर की मरम्मत हुई शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। भीषण गर्मी के बीच पश्चिमी राजस्थान में पेयजल संकट और गहराता जा रहा है। इसी सप्ताह से जोधपुर से पाली ट्रेन के जरिये पानी भेजने की शुरुआत हो सकती है। यह सिलसिला मानसून के सक्रिय होने तक चलेगा। खास बात यह है कि यह दोनों शहरों के बीच पिछले दो दशक में सबसे लम्बी अवधि तक चलने वाली वाटर ट्रेन हो सकती है। इसके लिए जलदाय विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक-दो दिन में वाटर ट्रेन के रेक उपलब्ध हो जाएंगे। 14 तारीख के बाद कभी भी ट्रेन का पहला फेरा हो सकता है। 11 तारीख को भगत की कोठी स्टेशन पर वाटर ट्रेन के रेक पहुंच सकते हैं। जोधपुर से पाली 40 वेगन की वाटर ट्रेन चलेगी। इस लिहाज से करीब 20 लाख लीटर पानी एक बार के फेरे में पाली भेजा जाएगा। एक फेरे का खर्च भी करीब चार लाख रुपए आएगा।

12 करोड़ होंगे मानसून तक खर्च

फिलहाल एक दिन में करीब दो वाटर ट्रेन के फेरे होंगे। ऐसे में एक दिन का 8 लाख का खर्च होगा। इस माह यह खर्च कुल 1.2 करोड़ का होगा। इसके बाद अगले माह से वाटर ट्रेन के फेरे बढ़ जाएंगे। प्रतिदिन कम से कम चार फेरे होने पर 15 से 16 लाख रुपए खर्च होंगे और इस लिहाज से प्रति माह पांच करोड़ तक खर्च होंगे। प्री-मानसून तक भी यदि यह सप्लाई जारी रहती है तो कुल 10 से 12 करोड़ से अधिक पानी जोधपुर से पाली पानी पहुंचाने में ही खर्च हो जाएगी।

सबसे लम्बी अवधि होगी

15 अप्रेल से शुरू होने वाली जलापूर्ति मानसून आगमन तक जारी कर सकती है। ऐसे में अनुमान है कि जून माह के अंत तक या जरूरत पड़ी तो जुलाई के 15 दिन भी पानी की सप्लाई की जा सकती है। ऐसे में करीब ढाई से तीन माह तक लगातार वाटर ट्रेन से पानी ले जाने की सबसे लम्बी अवधि होगी।

तीन साल पुरानी प्रक्रिया ही अपनाई जाएगी

वाटर ट्रेन चलाने के लिए 2019 में जो प्रक्रिया अपनाई गई थी, इस बार भी कुछ वैसा ही होगा। कायलाना-तख्तसागर से ग्रेविटी के जरिये पानी न्यू पावर हाउस में बने पानी के हौद तक आएगा। यहां से पम्प कर भगत की कोठी के डीजल शेड मार्ग के समीप बने वाटर ट्रेन की रेक तक पहुंचाया जाएगा। यहां लगे हाइडेंट से वाटर ट्रेन भरी जाएगी।

मोटर व हौद की मरम्मत

मोटर व हौद की मरम्मत को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता विनोद भारती ने बताया कि इसी सप्ताह ट्रेन का पहला फेरा होगा। जोधपुर और पाली दोनों जगह तैयारियां अंतिम रूप में पहुंच गई है।

अयोध्या नगरी बना मेंहदीपुर बालाजी धाम

मेहंदीपुर बालाजी में भए प्रकट कृपाला...

मंहत नरेशपुरी महाराज ने की भगवान की महाआरती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मेहंदीपुर बालाजी। सिद्धपीठ घाटा बालाजी धाम में रामनवमी के अवसर पर मंहत नरेशपुरी महाराज के सानिध्य मे सीताराम मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम मंदिर के पंडितों ने रामलला का पंचामृत स्नान कराकर नवीन वस्त्र धारण कराए। इसके बाद छप्पनभोग की झांकी सजाई गई। दोपहर करीब 12:15 बजे रामलला के जन्मोत्सव के साथ ही मंदिर के घंटे-घडियाल बज उठे तथा मंदिर परिसर जय श्रीराम व भए प्रकट कृपाला के जयकारों से गुंजायमान हो गया। मंदिर के बाहर बैंड बाजे बजने लगे लोग नाचने गाने लगे इधर मंदिर मे जन्मोत्सव के बाद भगवान की महाआरती बालाजी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष नरेशपुरी महाराज ने की और आरती के विषेश छिटे भक्तो को दिये और रामलला की विशेष पूजा-अर्चना की तथा छापन भोग कलाकंद भोग,सहीत विभिन्न व्यजनो के साथ चूरमा की प्रसादी का भोग लगाकर प्रसादी व पंचामृत का वितरण भक्तो को किया । मंदिर मे भजन कलाकारो द्वारा भजनो की सरता भय रही थी। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर सीताराम दरबार में सीताराम भगवान की नयनाराम झांकी के दर्शन व मंदिर मे सजी भगवान के जन्म की बाल लीलाओं के चित्रण की अद्भुत विभिन्न झांकियों के दर्शन कर मंदिर द्वारा वितरण की जा रही प्रसादी ग्रहण की। मंदिर परिसर के बाहरी आवरण के भव्य रूप से व गर्भगृह की मनमोहक भव्य झांकियों की साज-सज्जा की गई। रंग-बिरंगी रोशनी व थ्रीडी लाइट से सजा मंदिर का गर्भगृह श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र बना रहा। विशेष पोशाक में सजे रामलला के दर्शन कर श्रद्धालुओं का मन हर्षित हो गया। और मेंहदीपुर बालाजी धाम अयोध्या नगरी जैसा प्रतित हो रहा था..। हजारो भक्तो का भगवान के दर्शनो का ताता दिन भर लगा रहा। सीताराम मंदिर मे कोरोना महामारी के चलते 3 साल बाद रामनवमी मनाई गई।

श्री करणी यूनिवर्स महाविद्यालय का शुभारंभ

ग्रामीण बच्चियां भी करणी यूनिवर्स में ले सकेंगी शिक्षा

दिलीप शर्मा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। निमेड़ा झोटवाड़ा पंचायत समिति के मूंडिया रामसर ग्राम पंचायत सिरसी बेगस रोड पर श्री करणी यूनिवर्स महाविद्यालय का भव्य शुभारंभ बीते दिनों किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पंचायत राज ग्रामीण विकास मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, राजस्थान खेल परिषद कमेटी के सदस्य हरीश यादव, राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर आशुतोष पंथ के द्वारा सरस्वती मां की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक अनूप शेखावत, डॉक्टर विजय सिंह राठौड़, प्रतिष्ठा शेखावत निदेशक, कुसुम राठौड़, रितिका राठौड़ ने पधारे हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर ऑर्गेनिक वेजिटेबल टोकरी स्मृति देकर स्वागत किया गया। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के लिए बहुत दूर जाना पड़ता था। ग्रामीण बच्चियां अब नजदीकी करणी यूनिवर्स कॉलेज खुल जाने से आगे की पढ़ाई जारी रख पाएंगी। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी हीरानंद कटारिया ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए खेल भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्स विद्यालय की बच्चियां पहले भी नेशनल स्तर तक खेलों में भाग ले चुकी है। सभी विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी ध्यान दें। डॉक्टर विजय सिंह राठौड़ ने बताया कि संस्थान में नवीन व्यवसायिक पाठ्यक्रम बीबीए, बीसीए, बीएससी, बीकॉम और बीएड पाठ्यक्रम शुरू किया गया है, जिससे आसपास क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इस अवसर पर झोटवाड़ा पंचायत सदस्य मदन लाल चौधरी, झोटवाड़ा ब्लॉक भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा, पूर्व पार्षद गणपत लाल यादव, यूनिवर्स कॉलेज के अध्यक्ष हेमंत कच्छावा, प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं, विद्यार्थी उपस्थित थे। मंच संचालन सुभाष टेलर ने किया। पधारे हुए अतिथियों ने यूनिवर्स संस्थान एवं श्री करणी यूनिवर्स महाविद्यालय के सुखद भविष्य की कामना की। चेयरमैन शेखावत डॉक्टर विजय सिंह राठौड़ ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म जयंती पर निकाली शोभायात्रा

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। महात्मा ज्योतिबा फुले की जन्म जयंती पर सर्व माली समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बबलू माली ने बताया कि शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए छोटी सादड़ी रोड बड़ी सब्जी मंडी मैं शोभायात्रा का समापन हुआ। समापन के पश्चात सभा का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक अध्यक्ष पुरुषोत्तम झवर नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष शारदा नगरपालिका उपाध्यक्ष परवेज अहमद पार्षद रवि प्रकाश सोनी पार्षद नितिन राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष विनोद माली राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश सलाहकार मोहन माली संत जितेंद्र दास संत मिट्ठू दास सभी अतिथियों का निंबाहेड़ा के माली समाज द्वारा स्वागत किया गया और नगर के जनप्रतिनिधियों को महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर भेंट की गई। इसी क्रम में सभा को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष पुरुषोत्तम झवर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के निर्देश पर सब्जी मंडी का नामकरण करते हुए सब्जी मंडी का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से रखने की व महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा लगाने की घोषणा की। इस मौके पर उपस्थित नारायण माली कन्हैया लाल माली दिनेश माली मुकेश माली कन्हैया लाल पटेल रतन

दुर्गाष्टमी पर तीनों शक्ति पीठों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं ने निशान किए अर्पित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुरवाटी । क्षेत्र के आस-पास के मां शाकम्भरी, मनसा और जमवाय तीनों शक्ति पीठों में शनिवार को दुर्गाष्टमी पर श्रद्धालुओं ने खासी संख्या में माता के दरबार में पहुंच प्रसाद चढा कर व शीश झुका कर, अपनी मन्नोति पूरी करने की मांग की।

कोविड-19 के चलते दो साल के प्रतिबंध के बाद इन मंदिरों श्रद्धालुओं ने पदयात्रा पूरी कर साथ ले जाये गये निशान माताओं के मंदिरों में अर्पित किए। सुबह से ही माताओं के धाम की ओर जाने वाले रास्तों में श्रद्धालु हाथों में निशान थामे माता के जयकारे लगाते हुए माताओं के मंदिरों की ओर बढते नजर आ रहे थे। मंदिरों में दर्शन करने और निशान चढाने का सिलसिला सुबह से शाम तक चलता रहा जबकि कई श्रद्धालु पहले ही आ कर शक्ति पीठों पर ही अपने नवरात्र कर रहे हैं। वहीं कस्बे के जांगिड़ मोहल्ले से शनिवार को आयोजन समिति के मूलचंद सैनी के नेतृत्व में मां शाकम्भरी निशान पदयात्रा ले कर मां शाकम्भरी के जयकारे लगाते हुए शाकम्भरी धाम की ओर रवाना हुए। इनमें प्रकाशचंद सैनी, रामस्वरूप सैनी, नितेश सैनी, राकेश बावलिया, मनीष कुमावत सहित कई श्रद्धालु इस पद यात्रा में शामिल थे।

इन सभी ने मां शाकम्भरी के दरबार में पहुंच विधिपूर्वक मां को निशान अर्पित किए।

ANCHOR | सूरत-ए-हाल

लहसुन मंडियों में 10 से 40 रुपए किलो बिक रहा, घाटे से सदमे में किसान

राजस्थान में लहसुन की बाजार हस्तक्षेप योजना में खरीद की उठी मांग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झालावाड़। हाड़ौती के किसानों के लिए इस बार लहसुन की खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है। मौजूदा भावों में किसानों की लागत भी निकलना मुश्किल हो गया है। दाम गिरने के कारण किसान मंडियों में लहसुन लाने से बच रहे हैं, लेकिन भीषण गर्मी का दौर शुरू होने के कारण भण्डारण करना भी मुश्किल हो गया है। इस कारण किसान परेशान है। उद्यान विभाग ने इस बार कोटा संभाग में करीब सात लाख मीट्रिक टन लहसुन के उत्पादन का अनुमान लगाया है। हाड़ौती में इस साल एक लाख 15 हैक्टेयर में लहसुन की बुवाई हुई थी। बुवाई के बाद मावठ होने और जमीन में लगातार नमी रहने के कारण उत्पादन भी कम बैठा है। अब दामों ने दगा दे दिया है। इस कारण किसान सदमे में है। किसानों का कहना है कि मौजूदा भावों में बेचने पर घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इस कारण कोटा संभाग की मंडियों में लहसुन की आवक भी बहुत कम हो रही है। किसान अब सरकार की ओर देख रहे हैं।

बुवाई के समय भाव 70 से 100 रुपए किलो

किसान रबी सीजन में लहसुन की बुवाई की तैयारी कर रहे थे, तब लहसुन के दाम 70 से 100 रुपए किलो पहुंच गए थे। किसानों ने अच्छे दामों की उम्मीद में इस बार लहसुन की जबर्दस्त बुवाई की थी। अब फसल आते ही दाम औंधे मुंह गिर गए हैं। मंडियों में औसत भाव 25 से 35 रुपए किलो चल रहे हैं। पिछले साल कोटा संभाग में 95 हजार हैक्टेयर में बुवाई हुई थी, जबकि इस साल 1.15 लाख हैक्टेयर में बोया गया था। हाड़ौती में इससे अधिक लहसुन की बुवाई 50 हजार हैक्टेयर झालावाड़ जिले में हुई है।

गर्मी बन रही बैरन

किसान खेतों से लहसुन निकाल कर वहीं सूखा रहे हैं, लेकिन इस बार जल्दी भीषण गर्मी का दौर शुरू होने के कारण खराब होने का डर सता रहा है। उद्यान विशेषज्ञों का कहना है कि लहसुन के भण्डारण के लिए 30 से 35 डिग्री तापमान अनुकूल है। इसके बाद तापमान बढने पर लहसुन खराब होने लग जाता है। हाड़ौती में अभी तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है। ऐसे किसानों के समक्ष भण्डारण करना बड़ी चुनौती बन गया है। घरों में कूलर-पंखें लगाकर रखना पड़ेगा। इसके लिए बंदोबस्त शुरू कर दिया है।

बाजार हस्तक्षेप योजना में हो खरीद

किसान संगठनों की ओर से लहसुन की बाजार हस्तक्षेप योजना में खरीद करने की मांग उठ रही है। किसानों का कहना है कि सरकारी खरीद होने पर बाजार स्तर हो जाएंगे, जिससे अच्छे दाम मिल सकेंगे। 2018 में लहसुन के दाम न्यूनतम स्तर पर आने पर केन्द्र सरकार ने नेफेड के माध्यम से हाड़ौती में लहसुन की 32.57 रुपए प्रति किलो की दर से खरीद की थी।

लहसुन से जुड़ा है काला अध्याय

वर्ष 2017 में लहसुन की फसल के दाम नहीं मिलने पर हाड़ौती में एक दर्जन किसानों की सदमे से मौत हो गई थी। इसके बाद किसानों की आत्महत्या का मामला देशभर में गूंजा था।

बाजार हस्तक्षेप योजना हो लागू

मौजूदा भावों में लहसुन बेचना किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इस कारण किसान सदमे में है। 2017 की स्थिति नहीं आए, इसलिए सरकार को बाजार हस्तक्षेप योजना में सम्पूर्ण लहसुन खरीद की जल्द घोषणा करनी चाहिए। ताकि किसानों को सम्बल मिल सके।

दशरथ कुमार महामंत्री हाड़ौती किसान यूनियन

लहसुन के भण्डारण के लिए 30 से 35 डिग्री तापमान अनुकूल

कोटा संभाग में एक लाख 15 हजार हैक्टेयर से अधिक बुवाई है। सात लाख हैक्टेयर उत्पादन का आकलन किया गया है। लहसुन के भण्डारण के लिए 30 से 35 डिग्री तापमान अनुकूल है। इसके बाद खराब होने लग जाता है। भावों को लेकर कृषि विपणन विभाग से सम्पर्क है। इसके बाद पूरी रिपोर्ट सरकार को भेजेंगे।

पी.के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक उद्यान विभाग कोटा खण्ड

फैक्ट फाइल

- 1.15 लाख हैक्टेयर में इस साल कोटा संभाग में हुई बुवाई
- 95 हजार हैक्टेयर में पिछले साल हुई थी लहसुन की बुवाई
- 70 से 100 रुपए किलो बिक रहा था बुवाई के वक्त लहसुन
- 25 से 35 रुपए प्रति किलो औसत भाव में अभी बिक रहा
- 12 से 28 रुपए किलो बिका खानपुर मंडी में
- 35 रुपए प्रति किलो की सरकारी लागत आंकी है।
- 7 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

भारत-US में 2+2 डायलॉग

भारत की तुलना में रूस से ज्यादा तेल खरीदता है यूरोप-जयशंकर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वॉशिंगटन। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर 2+2 वार्ता के लिए 5 दिनों के अमेरिका दौरे पर हैं। दोनों मंत्रियों ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से अलग अलग मुलाकात की। इस दौरान रक्षा सहयोग के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर से भारत की रूस से तेल खरीद पर सवाल किया गया। जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत रूस से जितना तेल महीने भर में नहीं खरीदता, उससे अधिक तेल यूरोप रूस से एक दोपहर में खरीद लेता है। उन्होंने कहा- यदि आप रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर बात करना चाहते हैं तो मेरा सुझाव है कि आपको यूरोप पर ध्यान देना चाहिए। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी ऊर्जा को थोड़ी मात्रा में वहां से आयात करते हैं। लेकिन आप आंकड़ों को देखिए, हम जितना एक महीने में रूस से तेल नहीं खरीदते, उससे कहीं अधिक तेल यूरोप एक दोपहर में खरीदता है। इसके पहले राजनाथ सिंह ने वॉशिंगटन में लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक रीजन में सहयोग बढ़ाने और डिफेंस पार्टनरशिप को मजबूत करने पर चर्चा की। ऑस्टिन ने चीन की तरफ से हिंद प्रशांत महासागर में की जा रही दखलअंदाजी को लेकर भी भारत को पूरी मदद का भरोसा दिया।

जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री की मुलाकात

दूसरी तरफ विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अमरीकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, ग्लोबल सिक्योरिटी, जलवायु परिवर्तन और कोरोना जैसे कई मुद्दों पर मिलकर काम करने पर चर्चा हुई।

किसने क्या कहा?

राजनाथ सिंहः कोरोना के वक्त अमेरिकी सरकार ने हमें बहुत समर्थन दिया। हम उनका धन्यवाद देते है। ये बैठक भारत और अमेरिका के बीच बहुत महत्वपूर्ण है। सिंह ने अमेरिकी कंपनियों को डिफेन्स, एयरोस्पेस और मेक फॉर इंडिया वर्ल्ड प्रोग्राम के लिए भारत आने का न्यौता दिया। LEMOA (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) के तहत हमने साइबर डिफेन्स के सहयोग के बारे में भी बात की है।

लॉयड ऑस्टिनः अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि हम संयुक्त समुद्री बल मरीन में शामिल होने के भारतीय नेवी के फैसले का स्वागत करते हैं। इस बैठक में यह फैसला किया गया कि दोनों देशों की सेनाएं किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। भारत-अमेरिका संबंध इंडो-पैसिफिक सुरक्षा की आधारशिला है।

एस जयशंकरः दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की बात हुई। साथ ही हम आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए और समुद्री सुरक्षा में सहयोग देने के लिए अमेरिका का धन्यवाद देते हैं । इसके साथ ही हमने बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच हेल्थ,अंतरिक्ष, विज्ञान और टैकनोलजी में रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

राजस्थान में बूंदाबांदी, आंधी का अलर्ट : 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

जयपुर @ जागरूक जनता। लू और गर्मी की मार झेल रहे राजस्थान के लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। असर दिखना शुरू हो गया है। सुबह से छाए बादल और गर्म हवा की स्पीड कम होने से तापमान में कमी महसूस की जा रही है। हालांकि बीते दो सप्ताह से मौसम की मार झेल रहे लोगों को तीन दिन बाद फिर से लू और तेज धूप का सामना करना पड़ेगा। मौसम विशेषज्ञों की माने तो जम्मू-कश्मीर की तरफ एक पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसके कारण उत्तर भारत के हिमाचल, जम्मू, लद्दाख में 14 अप्रैल तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ कुछ इलाकों में हल्की बौछारें हो सकती है। इसी विक्षोभ का प्रभाव उत्तर और पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में भी पड़ रहा है।

जांच एजेंसियां मांग सकती है 5 साल का रिकॉर्ड

फ्रॉड तरीके से जारी हो रहे है सिम कार्ड!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर शहर में फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी हो रहे है। जिनसे अपराधियों की ओर से फर्जी सिम का यूज करते हुए अपराध किए जा रहे है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर कमिश्नरेट की की ओर से मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के डीलर्स और सब डीलर्स को पाबंद किया गया है। जिसमें जांच एजेंसियों की ओर से मांगे जाने पर 5 साल तक रिकॉर्ड उपलब्ध कराना होगा। एडि. पुलिस कमिश्नर (सेकेंड) हैदर अली जैदी ने बताया कि जानकारी मिली है कि जयपुर शहर में काफी संख्या में मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के डीलर्स और सब डीलर्स की ओर से दूसरों के नाम से किसी अन्य के पहचान पत्र, दस्तावेज आदि का गलत यूज किया जा रहा है। गलत डॉक्यूमेंट के आधार पर फर्जी सिम कार्ड जारी किए जा रहे है। अपराधिक व्यक्ति, आतंकवादी, असामजिक तत्वों की ओर से फ्रॉड डॉक्यूमेंट के आधार पर फर्जी सिम कार्ड लेकर उसका इस्तेमाल सुरक्षा और जांच एजेंसियों को गुमराह करने, जनता में आंतक पैदा करने, साम्प्रदायिक उन्माद पैदा करने, वीआईपी सुरक्षा में सेंध लगाने और राष्ट्र विरोधी घटनाओं को भी अंजाम दिया जा सकता है। इसी तरह के मामले पुलिस थाना विशेष अपराध एवं साइबर क्राइम पुलिस आयुक्तालय जयपुर में दर्ज हुए है। जिसमें अपराधियों की ओर से फर्जी सिम कार्ड का यूज करने हुए क्राइम किया गया है। एडि. पुलिस कमिश्नर जैदी ने धारा-144 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया। आदेश में विभिन्न सेल्यूलर मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के रिर्टलर्स और सब रिटेलर्स को कस्टमर का अपेक्षित रिकॉर्ड इकट्ठा करने के लिए और प्रीपेड व पोस्टपेड सेल्यूलर मोबाइल कनेक्शन व सिम कार्ड बिक्री की दैनिक सूचना इकट्ठा रहने (जिसमें खरीदने वाले का नाम, स्थाई व वर्तमान पता, वैध निवास का पहचान पत्र व आईडी की फोटो कॉपी व व्यक्ति के चेहरे का मिलान व साइन आदि) के लिए और संदिग्ध होने पर निकटतम पुलिस थाने को तुरंत सूचना करने के लिए पाबंद होंगे। दुकानदार प्रीपेड/पोस्टपेड सेल्यूलर मोबाइल कनेक्शन बेचने की दैनिक सूचना इकट्ठा कर हर महीने ई-मेल आईडी (adcpint.sec@gmail.com) पर सूचना देंगे। 5 साल तक उक्त रिकॉर्ड को सुरक्षित रखेंगे। जांच एजेंसियों के मांगने पर रिकॉर्ड को तुरंत उपलब्ध करवाना होगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

पीएम आवास योजना के लाभार्थी को मोदी का पत्र

पक्का घर बेहतर कल की बुनियाद-मोदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीएम आवास योजना के एक लाभार्थी सुधीर कुमार जैन के लिखे पत्र का जवाब देते हुए कहा, पक्का घर एक सम्मानजनक जीवन की नींव है और यह न केवल हमें सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि बेहतर कल की बुनियाद को मजबूत बनाता है।

मोदी ने कहा कि लाभार्थियों के जीवन में आए ये यादगार पल ही राष्ट्र की सेवा में बिना थके, बिना रुके निरंतर कार्य करते रहने की प्रेरणा और ऊर्जा देते हैं।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के सागर जिले के सुधीर कुमार जैन को पत्र लिखकर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने उनके पत्र के जवाब में लिखा है, मकान केवल ईंट, सीमेंट से तैयार ढांचा नहीं बल्कि इससे हमारी भावनाएं, हमारी आकांक्षाएं जुड़ी होती हैं। घर की चहारदीवारी हमें सुरक्षा तो प्रदान करती ही है, साथ ही हमारे अंदर एक बेहतर कल का भरोसा और विश्वास भी जगाती है। अपनी छत, अपना घर पाने की खुशी अनमोल होती है। मोदी ने लिखा, प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए आपके अपने घर का सपना साकार हुआ है। इस उपलब्धि के बाद आपके अंदर जो संतोष का भाव है उसका आभास पत्र में आपके शब्दों से सहज ही हो जाता है। आपके परिवार के गरिमापूर्ण जीवन और दोनों बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए यह घर एक नए आधार की तरह है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना के तहत अब तक करोड़ों लाभार्थियों को अपना पक्का घर मिलने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद परिवार को घर उपलब्ध कराने के लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जन-कल्याण की विभिन्न योजनाओं के जरिए देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के ईमानदार प्रयास कर रही है।

ANCHOR | बदलेंगे मीटर

एप के जरिए घरों में आएगी बिजली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। अगले तीन साल में सभी घरों में लगे इलेक्ट्रिक मीटर को स्मार्ट में बदलना है। Artificial Intellegence और Machine learning का एक और बेहतरीन उदाहरण देखने को मिलेगा। केन्द्र सरकार के गजट नोटिफिकेशन जारी होने के बाद जोधपुर डिस्कॉम ने इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। डिस्कॉम के 10 जिलों में जोधपुर ही एकमात्र ऐसा शहर हैं जहां अब तक 56 हजार से ज्यादा स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। अब दो चरणों में करीब 40 लाख अन्य उपभोक्ताओं के मीटर भी बदले जाएंगे। खास बात यह है कि इसमें मोबाइल और केबल टीवी की तरह जितना रिचार्ज करवाएंगे उतनी ही बिजली मिलेगी। उपभोक्ता खुद एप के जरिये खर्च की गई बिजली पर नियंत्रण रख सकेगा।

कृषि को छोड़ कर बदल जाएगी मीटरिंग व्यवस्था

अगले दो-तीन साल में हमारे घर पर बिजली मीटरिंग व्यवस्था बदल जाएगी। जैसे मोबाइल व केबल टीवी में हर माह जितना रिचार्ज होता है, उतना ही चलती है। ठीक वैसे ही हमारे घरों की बिजली भी काम करेगी। रिचार्ज खत्म होने पर बिजली गुल हो जाएगी और रिचार्ज करवाने पर स्वतः आ जाएगी। खुद ही अपने मीटर का डेटा भी देख सकेंगे।

इन 10 जिलों में बदले जाएंगे मीटर

जोधपुर डिस्कॉम के 10 जिलों जिसमें जोधपुर, पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, चुरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के 40 लाख उपभोक्ताओं के बिजली मीटर स्मार्ट में बदल दिए जाएंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं से कोई राशि नहीं ली जाएगी। दिसम्बर 2023 तक पहले 15 लाख और इसके बाद मार्च 2025 तक बचे हुए 25 लाख मीटर बदले जाएंगे। इसमें कृषि कनेक्शन को छोड़ कर सभी प्रकार के बिजली कनेक्शन शामिल किए गए हैं।

इसलिए होने जा रहा बदलाव

रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत केन्द्र सरकार यह बदलाव पूरे देश में करने जा रही है। इसमें मार्च 2025 तक पूरे देश के बिजली मीटर को स्मार्ट मीटर में बदलना है। यह स्कीम देशभर के डिस्कॉम की आर्थिक स्थिति सुधारने और उनके घाटे को कम करने के लिए लाई गई है।

जोधपुर शहर कर चुका शुरुआत

शास्त्री नगर, सेक्शन 7, मसूरिया, चौपासनी व कुड़ी हाउसिंग बोर्ड, पाल रोड, बोरानाडा, झालामंड, रामेश्वर नगर में आईपीडीएस योजना के तहत कुल 56108 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। अब बचे हुए क्षेत्रों में आरडीएसएस योजना में मीटर बदले जाएंगे।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता व डिस्कॉम को फायदा

- विद्युत् उपभोग पर हर समय नजर व स्वयं का पूरा नियंत्रण रखा जा सकता है।
- विद्युत संबंधी अलर्ट मोबाइल स्क्रीन पर।
- सटीक मीटर रीडिंग किसी भी प्रकार की कोई गडबडी की आशंका नहीं।
- प्री-पेड सुविधा से रिचार्जिंग की सुविधा, बिल न भरने की स्थिति में विद्युत स्वतः विच्छेद एवं बिल भरने के पश्चात् स्वतः विद्युत सप्लाई चालू हो जाएगी।
- बिजली चोरी रुकने से डिस्कॉम के घाटे कम होंगे।

दो चरणों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य होगा। पहले 2023 तक 15 लाख ऐसे क्षेत्रों में मीटर बदले जाएंगे जहां बिजली लॉसेज सबसे ज्यादा होते हैं। इसके बाद 2025 के मार्च माह तक सभी कनेक्शन के मीटर बदल जाएंगे।

- आर.एन विश्नोई, अधीक्षण अभियंता (आईटी), जोधपुर डिस्कॉम

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

ग्रेटर के कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह से हुआ था विवाद

मारपीट केस में मेयर सौम्या गुर्जर बरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर को सोमवार को नीचली अदालत से बड़ी राहत मिली है। पिछले साल जून में नगर निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह से हुए विवाद के बाद उनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करके कोर्ट में चालान पेश किया था। इस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने सौम्या को दोषमुक्त कर दिया है। इस मामले में अन्य 4 पार्षदों के खिलाफ कोर्ट ने चार्ज लगा दिया है। अब इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई होगी। सौम्या गुर्जर की तरफ से एसीजेएम (अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) कोर्ट 8 में एडवोकेट नाहर सिंह माहेश्वरी और नीयति माहेश्वरी ने पैरवी की। एडवोकेट नाहर सिंह ने बताया कि पिछले साल 6 जून को आयुक्त यज्ञमित्र सिंह और मेयर सौम्या गुर्जर के बीच हुए विवाद हुआ था। इसके बाद आयुक्त ने चार पार्षद अजय सिंह, पारस जैन, शंकर शर्मा और रामकिशोर के खिलाफ धक्का-मुक्की और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए ज्योति नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। एफआईआर में इन पार्षदों के अलावा मेयर सौम्या गुर्जर का नाम नहीं था, लेकिन पुलिस ने सौम्या को भी इसमें शामिल करते हुए कोर्ट में चालान पेश कर दिया। 4 बार हुई सुनवाई और बहस के बाद सोमवार को कोर्ट ने सौम्या को दोषमुक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट के बाद दूसरी राहत

इससे पहले फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में सौम्या को बड़ी राहत मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर स्टे दे दिया था, जिसमें सरकार ने सौम्या गुर्जर को पद से निलंबित करके उनके खिलाफ न्यायिक जांच शुरू करवा दी थी। एक फरवरी को आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सौम्या गुर्जर ने 2 फरवरी को वापस मेयर की कुर्सी संभाल ली थी। हालांकि मेयर के खिलाफ अभी भी न्यायिक जांच जारी है।

शिवाड़ फोर्ट पर फिल्म हेल्प की शूटिंग हुई शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। गट्स प्रोडक्शन और क्रॉस फिंगर फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म हैल्प की शूटींग शिवाड़ फोर्ट पर शुरू हुई। शिवाड़ के महाराजा राजेश्वर सिंह द्वारा फिल्म का पहला मुहूर्त शॉट लिया गया। फिल्म के प्रोड्यूसर देवेश पंवार ओर निर्देशक विकास इन्द्रा ने बताया की हैल्प क्राइम थ्रिलर पर आधारित फिल्म है। इस अवसर पर काइ जिमर, फिल्म की लेखिका अंकिता शर्मा, मीडिया

पार्टनर योगेश पंवार, बॉलीवुड निर्देशक दीपांकर प्रकाश ओर संगीत निर्देशक तपेश पंवार भी मौजूद रहे।

नीतीश कुमार की सुरक्षा में फिर से सेंध

मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम के पास बम फटा

कुछ दिन पहले युवक ने मारा था मुक्का

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नालंदा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लगी है। नालंदा के सिलाव में उनके जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बम (पटाखा) फोड़ा गया। विस्फोट के बाद आयोजन स्थल पर भगदड़ मच गई। विस्फोट मंच से 15-20 फीट की दूरी पर हुआ। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने मुख्यमंत्री को घेरे में लेते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इससे पहले 27 मार्च को पटना के बख्तियारपुर में नीतीश कुमार को एक युवक ने मुक्का मार दिया था। बताया जा रहा है कि विस्फोट पटाखे में हुआ, जिसे इस्लामपुर के सत्यारगंज गांव का रहने वाला शुभम आदित्य लेकर आया था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। थाने में IB के ASP योगेश कुमार उससे पूछताछ कर रहे हैं। उसके पास से माचिस की तीली और एक पटाखा बरामद हुआ है। बता दें, मुख्यमंत्री नीतीश अभी अपने जनसंवाद यात्रा पर हैं। मंगलवार को सिलाव के श्री गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय के बगल में ठाकुरबाड़ी मैदान में पार्टी के नए-पुराने कार्यकर्ताओं से मिल रहे थे। घटना उस वक्त हुई जब वह लोगों से आवेदन ले रहे थे। घटना के बाद कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने पुलिस-प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। कहा है कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा से लगातार खिलवाड़ हो रहा है। ऐसी घटनाएं प्रशासन पर प्रश्न-चिह्न लगाती है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जताई चिंता

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीमए नीतीश कुमार की सुरक्षा में चूक को बड़ा खतरा बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री पर फिर हमला करने की प्रयास किया गया है, बार-बार नीतीश की सुरक्षा में चूक होना चिंताजनक है।

17 दिन बाद दूसरी बार सुरक्षा में चूक

इससे पहले 27 मार्च को पटना के बख्तियारपुर में नीतीश कुमार को एक युवक ने मुक्का मार दिया था। तब वह एक प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर रहे थे। उसी वक्त एक लड़का आया और तेजी में ऊपर चढ़ा और नीतीश पर हमला कर दिया। हालांकि, तुरंत ही पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। ष्टरूने उसे माफ कर दिया था। प्रशासन ने भी उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया था।

तीन गुना ज्यादा रेट में खरीद कर रहे डिस्कॉम

प्रदेश में लगेगा महंगी बिजली का करंट!

बिल में सरचार्ज लगाकर उपभोक्ताओं से होगी वसूली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में बिजली संकट से निपटने के लिए एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदी जा रही है। समय पर नए प्लांट और कोयले का संकट दूर नहीं होने का खामियाजा उपभोक्ताओं को बढ़े हुए बिजली बिल के तौर पर भुगतना होगा।

सामान्यत: साढ़े 4- 5 रुपए यूनिट में मिलने वाली बिजली 12- 17 रुपए प्रति यूनिट में खरीदी जा रही है। देशभर में डिमांड होने के कारण कई बार इसकी रेट 20 से 25 रुपए तक पहुंच जाती है। सभी डिस्कॉम महंगी बिजली खरीदकर पैसों की भरपाई बिल में सरचार्ज लगाकर करने की तैयारी में हैं।

33 पैसे प्रति यूनिट बढ़ सकती है रेट

राजस्थान में मौजूद बिजली प्लांट्स से खरीद करने पर बिजली रेट 4 रुपए 20 पैसे से 4 रुपए 45 पैसे तक रहती है। साल 2021 में भी 13 हजार 793 करोड़ रुपए की बिजली खरीदी थी। बिजली कम्पनियां फ्यूल सरचार्ज में बढ़ोतरी कर उपभोक्ताओं पर उसका भार डाल देती हैं। पिछली बार की तरह इस वर्ष भी 33 पैसे प्रति यूनिट की रेट पर वसूली की जा सकती है। प्रदेश में करीब 1 करोड़ 52 लाख बिजली उपभोक्ताओं से इस फ्यूल सरचार्ज की वसूली होती है। इनमें से 1 करोड़ 19 लाख केवल घरेलू उपभोक्ता हैं। जबकि कॉमर्शियल 14 लाख, इंडस्ट्रियल 3.54 लाख कनेक्शन हैं। एग्रीकल्चर के 15.41 लाख के करीब बिजली कनेक्शन हैं।

25 फीसदी बढ़ी डिमांड

राजस्थान में गर्मी के चलते बिजली की खपत 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है। प्रदेश में बिजली घरों की 5 यूनिट में प्रोडक्शन बंद है। कोयले की कमी भी है। 15 मई के बाद तक छत्तीसगढ़ से कोयले की सप्लाई में सुधार हो सकेगा। लेकिन तब तक महंगी बिजली खरीदकर सप्लाई दी जा रही है। पिछले साल बिजली की रोजाना औसत खपत 1990 लाख यूनिट थी। मौजूदा वक्त में बिजली की प्रतिदिन खपत 2500 लाख यूनिट पार पहुंच चुकी है।

ऐसे बढ़ेगा अमाउंट

फ्यूल सरचार्ज वसूली हर तीन महीने में होती है। पिछले क्वार्टर के आधार पर कैलकुलेशन करते हुए मिडिल क्लास घर का उदाहरण लें तो महीने में 350 यूनिट बिजली यूज होने पर उपभोक्ता को करीब 347 रुपए तीन महीने के बिल पर चुकाने होंगे। ज्यादा बिजली कन्ज्यूमर होने पर उसी रेश्यो में यह अमाउंट बढ़ता जाएगा। एक अनुमान के अनुसार जयपुर डिस्कॉम ही 250 करोड़ रुपए से ज्यादा वसूली करता है। तीनों डिस्कॉम 550 से 650 करोड़ रुपए तक उपभोक्ताओं से वसूलते हैं।

खनन पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह आयोजन

चित्तौड़ बिरला सीमेंट को मिली मेजबानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। भारतीय खान ब्यूरो अजमेर क्षेत्र के तत्वावधान में इस वर्ष राज्य की प्रधान खनिज की खदानों का खनन पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जाना है। इस आयोजन की मेज़बानी चित्तौडगढ़ जिले में स्थित बिरला कारपोरेशन लिमिटेड की बिरला सीमेंट लाइमस्टोन माइंस को प्रदान की गयी है।

आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत्व चर्चा करने हेतु कार्यकारी समिति की बैठक होटल प्रताप महल अजमेर में आयोजित की गई। जिसमें 33 पूर्ण यांत्रिकृत, 11 यांत्रिकृत ओपनकास्ट खदानों, 10 यांत्रिकृत अंडर ग्राउंड खदानों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को खनन पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह के संरक्षक जीके जांगिड़, संयोजक काशी कांत सिंह तथा सचिव नरेंद्र मेनारिया ने सम्बोधित किया। वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी दिलीप जैन, कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी भारतीय खान ब्यूरो मिनाक्षी कुमावत, घेवर राम बिश्नोई एवं दिगेंद्र सिंह सोलंकी का इस आयोजन में विशेष योगदान रहा। बैठक में श्री सीमेंट, वंडर सीमेंट, जे के सीमेंट, आदित्य सीमेंट, बिरला सीमेंट, न्यूवोको सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, मंगलम सीमेंट, इंडिया सीमेंट, उदयपुर सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट, अम्बुजा सीमेंट, ए सी सी सीमेंट, आर एस एम एम लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, जिंदल सॉ लिमिटेड तथा सीमा मिनरल्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

बैठक में यह तय किया गया कि सभी खदानों के निरिक्षण हेतु तीन सदस्यीय पांच निरीक्षण टीमों का गठन किया जायेगा। प्रत्येक टीम में एक लीडर रहेगा जिसे 20 या 20 से अधिक वर्षो का अनुभव प्राप्त हो, प्रत्येक टीम में दो-दो सदस्य रहेंगे जो कि पर्यावरण, भूविज्ञानी, खनन इंजीनियरिंग का 10 या 10 से अधिक वर्षों का अनुभव रखतें हो। निरिक्षण टीमों को 26 जून को फ्लैग ऑफ सेरोमोनी आयोजन कर अजमेर से निरीक्षण हेतु रवाना किया जायेगा। यह टीमें 3 जुलाई तक राजस्थान की विभिन्न खदानों का निरीक्षण कर उनकी आंकलन रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगी। इस दौरान पांच वर्गों में शामिल 54 खदानों को 9 विषयों में प्राप्त अंको के आधार पर प्रत्येक विषय पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीया स्थान हेतु चुनेगी साथ ही सभी विषयो में संयुक्त रूप से अधिकम प्राप्तांको के आधार पर समग्र प्रदर्शन हेतु भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीया स्थान पर चुना जायेगा।इस प्रकार पांच वर्गों में विभाजित 54 खदानों में कुल 150 शील्डें प्रदान की जाएगी।

खाटूश्यामजी में श्याम शरणम् धर्मशाला का शिलान्यास

दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म-राज्यपाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है। दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म है। इसलिए हमें सदैव यथासंभव दूसरों के लिए कार्य करने की भावना से प्रेरित रहना चाहिए।

राज्यपाल मिश्र मंगलवार को सीकर जिले के खाटू श्याम जी में ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल के साथ श्रीश्याम शरणम् धर्मशाला का शिलान्यास करने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वही समाज विकास करता है, जहां दूसरों के लिए उदात्त दृष्टि होती है। हमारी प्राचीन संस्कृति इन्हीं उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ी है और इसी से हमें जीवन का अर्थ, जीवन जीने का तरीका सीखने को मिलता है।

राज्यपाल ने कहा कि धर्म और मानवता के कल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों का दीर्घकालीन सकारात्मक परिणाम पूरे समाज को मिलता है। उन्होंने खाटू श्रीश्याम बाबा को नमन करते हुए कहा कि खाटू श्याम जी की पवित्र धरा तो अध्यात्म के संस्कारों से ओत-प्रोत है। उन्होंने कहा कि खाटूधाम के वायुमंडल में हमेशा भक्ति का प्रवाह बहता रहता है। कार्यक्रम में राज्यपाल ने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का भी पठन किया। साथ ही मोरवी नंदन खाटूश्याम चालीसा पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में श्याम शरणम् धर्मशाला के पदाधिकारी डॉ.मनोज विप्लव, भूपेन्द्र गुप्ता, श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारीगण सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले राज्यपाल मिश्र ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन-पूजा कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल मिश्र को श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कमेटियों को भंग करने का प्रस्ताव आयुक्त ने एजेंडा में शामिल नहीं किया

14 महीने बाद जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा 18 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में 14 महीने से ज्यादा समय के अंतराल के बाद साधारण सभा होगी। 17 अप्रैल तक छुट्टियां लेकर गए नगर निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव सोमवार देर शाम अचानक निगम मुख्यालय पहुंचे और उन्होंने 18 अप्रैल का बैठक का शेड्यूल जारी करते हुए एजेंडा तैयार किया। सूत्रों के मुताबिक इस एजेंडा में नगर निगम समितियों को भंग करने से जुड़ा प्रस्ताव शामिल नहीं किया है। ऐसे में अचानक नगर निगम आयुक्त का मुख्यालय पहुंचना और शेड्यूल जारी करना चर्चा का विषय बन गया। सूत्रों की माने तो इसके पीछे सरकार की ओर से दबाव आना बताया जा रहा है। मेयर ने दो दिन पहले एक प्रस्ताव तैयार करके सरकार को भिजवाया था, जिसमें उन्होंने सरकार से साधारण सभा बुलाने की अनुमति मांगी थी। इसमें आयुक्त के बैठक नहीं बुलाने का जिक्र किया था। बैठक नहीं बुलाने और मेयर के प्रस्ताव को बार-बार टालने से सरकार की किरकिरी हो रही थी। इसे देखते हुए स्वायत्त शासन निदेशालय ने आयुक्त को जल्द से जल्द मीटिंग कॉल करने के निर्देश दिए।

आपको बता दें कि नियमानुसार नगर निगम या पालिका में साधारण सभा की बैठक हर 60 दिन के अंतराल में एक बार बुलाने का प्रावधान है। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में नवंबर 2020 में बोर्ड बनने के बाद से लेकर अब तक केवल एक बार ही बैठक हुई है। पिछले साल 28 जनवरी को बजट पास करने के लिए बैठक बुलाई गई थी, जो मौजूदा बोर्ड की पहली बैठक थी।

नहीं आएगा समितियां भंग का प्रस्ताव

आगामी बैठक में सबसे चर्चित प्रस्ताव समितियों की कार्यप्रणाली को रिव्यू करके उसे भंग करने का था। पिछले दिनों पक्ष और विपक्ष के 60 पार्षदों ने मेयर को एक संकल्प पत्र दिया था, जिसमें मौजूदा कमेटियों की कार्यप्रणाली से नाखुश होकर उसका रिव्यू करने की मांग की थी। इसके साथ ही इन भंग करके दोबारा नये सिरे से बनाने की मांग भी पार्षदों ने की थी। इस प्रस्ताव के सामने के आने के बाद भाजपा संगठन में हलचल मच गई थी। अब आयुक्त ने इस प्रस्ताव को हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन होने का हवाला देते हुए शामिल करने से मना कर दिया। अपराधों का शमन समिति के चैयरमेन अजय चौहान निलंबित है और उनका मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

पहले दो बार टल चुकी है बैठक

इससे पहले मेयर सौम्या गुर्जर ने दूसरी बार कुर्सी संभालने के बाद 2 बार बैठक बुलाने का प्रस्ताव आयुक्त को भिजवाया था। 14 मार्च को प्रस्तावित बैठक विधानसभा सत्र चलने के कारण विधायकों की अनुमति नहीं मिलने से टल गई थी। वहीं 7 अप्रैल को फिर बैठक बुलाने का प्रस्ताव मेयर ने जब आयुक्त को भिजवाया तो उन्होंने बैठक नहीं बुलाई।

पार्षदों की खुशी के लिए 7-7 अस्थायी कर्मचारी

इस बैठक में पार्षदों की नाराजगी को दूर करने के संबंधित प्रस्ताव भी रखा जाएगा। हर वार्ड में हर पार्षद को 7-7 अस्थायी कर्मचारी (बिट्स) उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए टेण्डर करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। पार्षदों को बिट्स उपलब्ध करवाने का मामला लम्बे समय से चल रहा है। तत्कालीन कार्यवाहक मेयर रही शील धाबाई ने इस प्रस्ताव को कार्यकारी समिति में मंजूरी भी दिलवा दी थी।

इन प्रस्तावों पर भी होगी चर्चा

प्रशासन शहरों के संग अभियान का अब तक का रिव्यू, वित्त वर्ष 2021-22 में हर वार्ड में करवाए गए 50 लाख व 5 लाख रुपए के विकास कार्यो की प्रगति रिपोर्ट, नगर निगम के प्रशासनिक कार्य प्रणाली को सरलीकरण करने और आगामी मानसून से पहले नालों की सफाई व सीवरेज की सफाई करवाने के संबंध में प्रस्ताव लाकर उस पर चर्चा की जा सकती है।

जागरूक खबरें

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति बैठक का समापन

उदयपुर @ जागरूक जनता। क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति संभाग चतुर्थ -अ, खरीफ 2021 की दो दिवसीय बैठक का आयोजन क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, अनुसंधान निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में किया गया। यह बैठक खरीफ 2021 के अनुसंधान व विस्तार के क्षेत्र में किए कार्यों के प्रस्तुतिकरण तथा पिछले दो या तीन वर्ष के प्रमाणित अनुसंधान परिणामों को पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेस में सम्मिलित करने की अनुशंसा के लिए की जाती है। बैठक में कुलपति, मप्रकृप्रौविवि डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वैज्ञानिक समय की आवश्यकता के अनुरूप अनुसंधान कार्यों में विकास व नवाचार करें। डॉ. एस. के. शर्मा, निदेशक अनुसंधान, ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मक्का की किस्म के बीजोत्पादन एवं आय वृद्धि के लिए तीन निजी सस्थानों से एमओयू हस्ताक्षरित किये गये हैं। डॉ. शर्मा, ने कहा कि इस वर्ष विश्वविद्यालय से ज्वार, चना, मूँगफली, औषधीय एवं सगंधिय फसलों की आठ किस्में राज्य किस्म अनुमोदन समिति में भेजी गई है। डॉ. शर्मा, ने सदन को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा हाईड्रोफोनिक्स, एरोफोनिक्स, मूल्यसंवर्धन आदि पर नौ विभिन्न परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं तथा विश्वविद्यालय द्वारा संगठित तीन एफ.पी.ओ. पंजिकृत किए गए है। साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन बायोचार, पशु ऊर्जा उपयोग आदि अन्य विषयों पर अनुसंधान पर जोर दिया। डॉ. आर. ए. कौशिक, निदेशक प्रसार शिक्षा ने जैविक खेती के सम्पूर्ण पैकेज को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उपलब्ध करवाने हेतु आग्रह किया, साथ ही उन्होंने विभिन्न अनुसंधान विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित करने की बात कही। डॉ. कौशिक ने विभिन्न फसलों की बार्योफोर्टीफाइड किस्मों को पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेस में समाहित करने का आग्रह किया। बैठक में आर. जी. नायक, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार), ने विभिन्न फसलों में खरीफ 2021 में समस्याओं पर चर्चा की, जिसमें दस वर्ष से कम अवधि की सोयाबीन, मक्का, उड़द, मूंग व मूंगफली की किस्में, मक्का व खरीफ फसलों में फॉल आर्मी वर्म के नियंत्रण, ऑवला में वृक्ष की छाल फटकर पेड़ों का सूखना, प्रतिबंधित कीटनाशी के विकल्प हेतु नये रासायनिक कीटनाशियों के सुझाव एवं पॉली हाउस में सूत्रकृमि की समस्या प्रमुख थी। उन्होंने सदन से अनुरोध किया कि वैज्ञानिक गण इनके समाधान हेतु उपाय सुझाएं। बैठक में डॉ. रेखा व्यास क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक ने कृषि संभाग चतुर्थ 'अ', ने कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नए अनुसंधान तकनीकों पर सदन में समस्याओं के निदान हेतु विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में उपनिदेशक कृषि, कृषि विभाग, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद एवं परियोजना अधिकारी, आत्मा एवं विभाग के अन्य अधिकारी, ग्राह्य अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़ व विश्वविद्यालय के परियोजना प्रभारियों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बैठक का संचालन डॉ रेखा व्यास, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक ने किया।

राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन चैत्र नवरात्रि साहित्यिक महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा पावन पर्व चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन 'चैत्र नवरात्रि साहित्यिक महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'परम पूज्य माँ' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषय पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। महोत्सव में रचनाकारों ने एक ओर जहां अपनी रचनाओं के माध्यम से दुर्गा माता की महिमा का गुणगान किया तो दूसरी ओर जन्म देने वाली माँ के प्रति भी उन्होंने अपने असीम स्नेह और श्रद्धा भावना को प्रकट किया। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा अपने सदस्यों को विशिष्ट बनाने की पहल के अंतर्गत रश्मि पोखरियाल 'मृदुलिका' जी (देहरादून, उत्तराखंड) को इस महोत्सव में विशिष्ट अतिथि बनाया गया था। जिन्होंने अपनी उपस्थिति से मंच को सुशोभित करने के साथ-साथ महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह द्वारा उनके इस योगदान को देखते हुए विशेष सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया तथा साथ ही अन्य प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को भी ऑनलाइन 'पुनीत मातृ ज्योति' सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने माँ दुर्गा को कोटि-कोटि नमन करते हुए सभी देशवासियों को पावन पर्व चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी और महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया? और सम्मान पाने वाले सभी प्रतिभागी रचनाकारों को उज्ज्वल साहित्यिक जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक महोत्सवों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम रश्मि पोखरियाल 'मृदुलिका', कुसुम अशोक सुराणा, चंचल जैन, ज्योति चौधरी, प्रिया अवस्थी शर्मा 'शब्दिता', निरुपमा बिस्सा, प्रियंका थारवान 'प्रियमित', सुनीता सोलंकी 'मीना', मन्शा शुक्ला, मीता लुनिवाल, पल्लवी पाठक, सोनल पंवार, स्मिता सिन्हा रचनाकारों के रहे।

निम्बाहेड़ा मंडी में चना, गेहूँ व सरसों खरीद केंद्र का हुआ शुभारंभ

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की पहल पर क्रय-विक्रय सहकारी समिति की ओर से सोमवार को समर्थन मूल्य पर चने व सरसों की खरीद केंद्र का शुभारंभ कृषि उपज मंडी निंबाहेड़ा में किया गया। क्रय-विक्रय सहकारी समिति के कर्मचारियों ने जानकारी देते हुए बताया की जिले में कुल 20 खरीद केंद्र संचालित है जिसमें निम्बाहेड़ा में क्रय-विक्रय समिति मुख्यालय पर, मांगरोल, अरनोद, मैलाना एवं जावदा ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर चने, गेहू व सरसों केन्द्रो पर आनलाइन पद्धति से खरीद की जा रही है। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से पुरूषोत्तमलाल झंवर, नगरपालिका अध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा, पूर्व प्रधान गोपाललाल आंजना, पालिका उपाध्यक्ष परवेज अहमद, पार्षद रविप्रकाश सोनी, जिला पेंशनर समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रबोध शर्मा, मंडी सचिव कुन्दन देवल की उपस्थिति में समर्थन मूल्य पर चने व सरसों की खरीद केंद्र का शुभारंभ हुआ। प्रारम्भ में क्रय-विक्रय सहकारी समिति के कर्मचारियों द्वारा उपस्थित अतिथियों को तिलक लगाकर माल्यार्पण कर स्वागत अभिनन्दन किया।

एस्ट्रोटैरो और चक्रा एस्ट्रोटैरो कार्ड लॉन्च

हौसला, जुनून लक्ष्य प्राप्ति में सहायक-दीपा मालिक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। साहित्यगार एवं सोल एंड सोलेस के तत्वाधान में साहित्यागार के संस्थापक स्वर्गीय रमेश जी के जन्मदिवस पर साहित्य संगम का आयोजन गया जिसमें मुख्य अतिथि पद्म श्री खेल रत्न और अर्जुन अवार्डी डॉ दीपा मलिक प्रेसिडेंट पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया सोल एंड सोलेस की संस्थापक डॉ. अनु चौधरी वर्मा ने,सहित्यागार के प्रबंध निदेशक हिमांशु वर्मा और स्व.रमेश वर्मा की सहधर्मिणी ममता वर्मा, उनकी सुपुत्री सहित अनेक लोगों ने स्वर्गीय रमेश वर्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर कार्यक्रम शुरू किया।

इसी अवसर पर सोल एंड सोलेस संस्था की विकास यात्रा एवं डॉ. अनु चौधरी वर्मा के द्वारा नवीन खोज कर समाज हितार्थ एस्ट्रोटैरो और चक्रा एस्ट्रोटैरो कार्ड लॉन्च किए गए तथा साथ ही सोल एंड सोलेस टीम को अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किरण आयुषी तथा छवि को अवार्ड दिए गए तथा मधुश्री चौधरी, प्रदीति चौधरी, अदिति चौधरी, मोनिका उदयवाल, साहिबा सेठी तथा मीना शर्मा को डॉ अनु चौधरी के सानिध्य में एस्ट्रोलॉजी ओरेकल कार्ड एस्ट्रोशक्ति कोर्स करने पर उनको सर्टिफिकेट दिए गए। सोल एंड सोलेस की जर्नी को स्लाइड के माध्यम से दिखाया गया।

इस अवसर पर स्वर्गीय रमेश वर्मा की इस स्मृति में प्रो.प्रबोध गोविल, रेनू शब्दमुखर, डॉ. कृष्णा रावत, सावित्री चौधरी, नीलम सपना, सुषमा शर्मा, अनीता श्रीवास्तव, शशि सक्सेना प्रभा पारीक साहित्यकारों का सम्मान कर उनको सहित्यागार के मील स्तंभ ट्रॉफी भेंट की गई। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक सुनील शर्मा के उपन्यास मुकदमा जारी है का विमोचन दीपा मालिक व गरिमामय मंच के द्वारा विमोचन किया गया।

राष्ट्र को गौरवांवित करने वाली डॉ.दीपा मालिक ने अपने उद्बोधन में जीवन मे आई चुनोतियों का हिम्मत के साथ मुकाबला कर जुनून के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है,बताया। कविता लिखने वाली दीपा जोशीली कविता सुना कर सबको भाव अचंभित किया उन्होंने कहा भविष्य में जल्द ही उनकी किताब आएगी जिसके सृजन की प्रेरणा स्व. रमेश वर्मा अंकल को बताया। सहित्यागर व संपर्क संस्थान के तत्वाधान में आयोजित आलेख प्रतियोगिता के निर्णायक सुप्रासिद्ध साहित्यकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल और हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के कुलसचिव अविनाश शर्मा का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम का सफल मंचसंचालन लेखिका रेनू शब्दमुखर द्वारा किया गया।

डॉ. अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से हर व्यक्ति को अधिकार दिये-बामनिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। राज्य के जनजाति क्षेत्रीय विकस मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से हर व्यक्ति को अधिकार प्रदान किये हैं। डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षा की महत्वता को समझते हुए भारत के संविधान की रचना की जिस कारण देश के प्रत्येक नागरिक को उचित अधिकार मिल पाया इसलिए राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यभर के डॉ. अम्बेडकर छात्रावासों में उनकी मूर्ति लगाये जाने का अभूतपूर्व निर्णय किया है जिससे विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व की जानकारी के साथ प्रेरणा मिलेगी।

प्रभारी मंत्री शुक्रवार को आहोर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर मूर्ति अनावरण समिति द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है इसी कड़ी में राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अम्बेडकर द्वारा संविधान की अक्षरशः पालना हो इसके लिए हमें शिक्षा को जीवन का आधार एवं मूलमंत्र बनाना होगा। उन्होंने भारत के संविधान तथा अम्बेडकर के सिद्धान्तों को आत्मसात् करने की बात कही। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना तथा शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाते हुए बाबा साहेब के सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाये गये संविधान की पालना हर भारतीय का कर्तव्य एवं दायित्व है। डॉ. अम्बेडकर के विचार हर व्यक्ति तक पहुँचे इसके लिए राज्य सरकार राज्य के डॉ. अम्बेडकर छात्रावासों में 504 डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमाएँ तथा बालिका शिक्षा की प्रणेता प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फूले की 84 प्रतिमाएँ बालिका छात्रावासों में लगवाने का कार्य कर रही है। पाराशर ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही। उन्हांने कहा कि संविधान तथा अम्बेडकर के सिद्धान्तों को मूर्त्त रूप तभी मिलेगा जब हम शिक्षा को जीवन का मूलमंत्र बनाये। पाराशर ने अपने उद्बोधन में एक माह की तनख्वाह डॉ. भीमराव अम्बेडकर मूर्ति अनावरण समिति को दिये जाने की घोषणा की। उन्होंने कमेटी द्वारा बाबा साहेब के आदर्शों को आगे ले जाने के प्रयासों को प्रशंसनीय बताया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, मूर्ति अनावरण समिति के प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम मेघवाल, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल व एडवोकेट सवाराम पटेल ने भी संबोधित किया। समारोह के दौरान प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर व जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि सहित अतिथियों ने जोधपुर रोड़ आहोर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रावास में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति का अनावरण कर माल्यार्पण किया। इस दौरान मूर्ति अनावरण समिति द्वारा मूर्ति निर्माण के भामाशाहों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, आहोर उपखण्ड अधिकारी चम्पालाल जीनगर, पुलिस उप अधीक्षक हिम्मत सिंह चारण सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर अनावरण समिति के पदाधिकारी एवं आम जन उपस्थित रहे। समारोह के पश्चात् प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया व समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने गोदन स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का अवलोकन कर महाविद्यालय संचालन में आ रही तकनीकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

बीस सूत्री कार्यक्रम के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की शत प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित हो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। राज्य के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री व प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की तय समय सीमा में शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित की जावें ताकि आमजन को इसका लाभ मिल सकें।

प्रभारी मंत्री कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री बजट घोषणा तथा बीस सूत्री कार्यक्रम के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के अंतर्गत जिले के प्रत्येक ब्लॉक में नंदीशाला की स्थापना, थानों में स्वागत कक्षों के निर्माण की स्थिति, सायला अनार मण्डी के लिए भूमि चिन्हिकरण, रेवतड़ा महाविद्यालय के लिए भूमि चिन्हीकरण, सिलासन (रानीवाड़ा) में 33 केवी जीएसएस की स्थापना, इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सुन्धा माता क्षेत्र में लवकुश वाटिका, खेडाधनारी (आहोर) व पांथेडी (सायला) में औद्योगिक क्षेत्र, बिशनगढ़ में नवीन पुलिस थाना, जालोर में एफएसटीपी ट्रीटमेंट प्लांट, बालवाड़ा (सायला), देताबुर्द (जालोर) व सिलासन (रानीवाड़ा) में उप स्वास्थ्य केन्द्र, जिला मुख्यालय पर नर्सिंग महाविद्यालय, चितलवाना में सावित्री बाई फूले कन्या छात्रावास के लिए जमीन आवंटन, टीएडी विभाग के छात्रावासों के संचालन इत्यादि बजट घोषणाओं की प्रगति के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क योजना, निरोगी राजस्थान की प्रगति के बारे में जानकारी भी ली। इसके अलावा उन्होंने सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा भी की। इस अवसर पर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशन में विभागीय अधिकारियों के द्वारा पॉवर पोइन्ट के प्रजेन्टेशन के माध्यम से विभागीय जानकारियाँ प्रदान की गई। बैठक के दौरान आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, उप वन संरक्षक यादवेन्द्र चुण्डावत, सीईओ संजय कुमार वासु, उपखण्ड अधिकारी चम्पालाल जीनगर, पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता ताराचंद कुलदीप, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता एन.के.जोशी, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता हुकमचंद बैरवा, जिला रोजगार अधिकारी आनन्द सुथार सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सैफ (एस.एस.ए.एफ.),फाउंडेशन, इंदौर का नौवा (मावली) में सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नौवा, (मावली)- उदयपुर के प्रांगण मे श्रीनिवास अग्रवाल फाउंडेशन, सैफ (एस.एस. ए.एफ.), इंदौर का सम्मान किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सैफ फाउंडेशन की ओर से विद्यालय मे बच्चों के कंप्यूटर कक्ष मे बेठने के लिये 20 कंप्यूटर चेयर्स दी गयी। विद्यालय मे बहुत समय से विद्यार्थियो को कंप्यूटर लैब मे बेठने मे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए, सामाजिक कार्यो मे अग्रणी संस्था सैफ फाउंडेशन, इंदौर ने स्थानीय स्कूल प्राचार्य मीना शर्मा से विचार विमर्श कर विद्यालय को एक समारोह मे 20 कंप्यूटर चेयर्स डोनेट किये। समारोह मे 100 से अधिक बच्चे भी शरीक हुए। फाउंडेशन के ट्रस्टी मेम्बर डा. नवनीत अग्रवाल ने शुभकामना सन्देश का वाचन करते हुए बताया की यह ट्रस्ट विद्यालय के निरंतर विकास एवं बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए हमेशा अग्रणी रहा है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विगत 10 वर्षो से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं आम जन के लिए रक्त दान शिविर का आयोजन करने जैसी अनेक गतिविधियों को समय समय पर आयोजित कर, निरंतर समाज सेवा के कार्यो मे सहयोग देने वाली इस संस्था ने गत वर्ष भी पूरे वर्ष भर विद्यालय मे होने वाली विभिन्न शेक्षिक एवं सह-शेक्षिक गतिविधियों मे भाग लेने वाले विजेता, उपविजेता कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओ का मनोबल बढ़ाने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था।

कवयित्री डॉ. टीना राव द्वारा लिखित

पुस्तक 'एक यात्रा' वास्तविकता के धरातल पर का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ज्ञान उत्कर्ष अकादमी भारत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बाली, जिला पाली की डॉ टीना राव की पुस्तक एक यात्रा, वास्तविकता के धरातल पर का विमोचन हुआ। टीना लेखिका, कवयित्री और संस्कृत साहित्य की कुशल प्रवक्ता हैं। इन्हें अनेक पुरस्कार एवं सम्मान भी मिल चुका है। हाल ही में उन्हें नव भारत राष्ट्रीय ज्ञानपीठ पूना, मुंबई द्वारा नेशनल वूमेन प्राइड अवॉर्डसे सम्मानित किया गया। विश्व संवाद परिषद नीति आयोग नई दिल्ली द्वारा उन्हें 2021 का नारी शक्ति सम्मान भी दिया जा चुका है तथा डॉ टीना राव हमेशा से ही अपनी लेखनी द्वारा पहचानी जाती रही हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईदान सिंह राजपुरोहित, प्राचार्य (गवर्नमेंट कॉलेज बाली, राजस्थान) तथा विशिष्ट अतिथि राकेश सिंह राव (एजीएम, एसबीआई, फिलीपींस मनीला) रहे। मंच का संचालन उत्तर प्रदेश के गौरव हिन्दुस्तानी ने किया तथा अन्य वक्ताओं जसप्रीत कौर, सुभाष सिंह राव, शिवदयाल मिश्रा, प्राध्यापक अशोक सेठ, डॉ. दुर्गेश उपाध्याय, राजेन्द्रसिंह देणोक, सुरेश सिंह ठाकुर, कुसुम खजूरिया, आर एस आघात, नेहालाड़, वरुण रसतोगी, डॉ रतनशिह अनारे, अंजुल सिंह भदौरिया, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, पंकज प्रियम, दीपिका बोरीवाल, अमित कुमार झा, हिमाशु परिहार एवं डॉ गूंजा अखंड आदि ने सहभागिता कर डॉ. टीना राव को उनकी पुस्तक (कविता संग्रह) एक यात्रा, वास्तविकता के धरातल पर के लिए शुभकामनाएँ दी।

यूजीसी चेयरमैन के साथ मुलाकात

उच्च शिक्षा में मानवीय मूल्य शिक्षा को शामिल करने पर सहमति-प्रो. चारण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। यूजीसी के नवनियुक्त चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश के साथ मुलाकात के बाद उच्च शिक्षा में माननीय मूल्य शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अपेक्षा के अनुरूप शामिल करने के लिए सहमति बनी है।

एआईसीटीई द्वारा इस विषय पर अब तक किए गए कार्यों का प्रेजेंटेशन देखने के बाद यूजीसी चेयरमैन ने यूजीसी एवं एआईसीटीई की संयुक्त समिति बनाने का निर्णय किया। इस समिति की पहली बैठक में इस की कार्य योजना तैयार की गई। प्रारंभ में तीन ओरियंटेशन वर्कशॉप करने का तय किया गया। फर्स्ट यूजीसी के सभी अधिकारियों के लिए ताकि वे इस विषय को गहराई से समझ सके।

सेकेंड केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए, थर्ड यूजीसी के सभी ह्यूमन रिसोर्स सेंटर के डायरेक्टर एवं डिप्टी डायरेक्टर के लिए। इसमें देश में यूजीसी के 66 एमएचआरडी सेंटर है जो शिक्षकों के लिए ओरियंटेशन के कार्यशाला चलाते हैं। इन सेंटर के माध्यम से माननीय मूल्यों की वर्कशॉप करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में प्रो एमपी पूनिया, वाइस चेयरमैन एआईसीटीई, डॉ राजीव कुमार मेंबर सेक्रेट्री एआईसीटीई, सभी रीजनल ऑफिसर, प्रो एचडी चारण चेयरमैन नेशनल कमिटी ऑफ ह्यूमन वैल्यू एजुकेशन, प्रोफेसर रजनीश अरोड़ा चेयरमैन स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम, राजू अस्ताना वाइस चेयरमैन ऑफ कमेटी, डॉ अर्चना ठाकुर जॉइंट सेक्रेटरी यूजीसी, डॉक्टर गोपी कुमार ज्वाइंट सेक्रेट्री यूजीसी, डॉक्टर दीक्षा राजपूत डिप्टी सेक्रेटरी यूजीसी एवं समिति के अन्य सदस्यों के लिऐ ने भाग लिया। सभी ने यूजीसी के इस निर्णय की सराहना की। यूजीसी का यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अपेक्षाओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि इन दिनों हमारे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह के पीछे पड़े हुए है। अखबारों में जिस प्रकार के बयान पढ़ने को मिल रहे हैं और मैंने कुछ वीडियो भी देखें। एक मीडिया के माध्यम से उम्र में जिस प्रकार के बयान बाजी कर रहे हैं, इस से अच्छा है कि राजस्थान की कानून व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करें। क्योंकि वर्तमान समय में राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर में भी अपराध घटित हो रहे हैं। जिसकी जिम्मेदारी आनंद श्रीवास्तव आईपीएस अधिकारी पुलिस कमिश्नर जयपुर के पास है। शर्मा ने कहा कि आज मीडिया में पढ़ने को मिल रहा है कि आज यहां दुष्कर्म हुआ आज वहां दुष्कर्म हुआ। प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि मोहनलाल राठौड़ आईपीएस अधिकारी पुलिस महानिदेशक को कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की ओर कार्य करना चाहिए। हर जगह अपराध बढ़ते जा रहे हैं, विधायक अधिकारियों से मारपीट कर रहे हैं। प्रदेश में बढ़ते क्राइम को कंट्रोल करने की दिशा में सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय पदाधिकारियों ने ली शपथ

संगठन को मजबूत और समाज को व्यसन मुक्त बनाने का लिया संकल्प

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थाकनवासी जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रांत के पदाधिकारियों का सादगीपूर्ण शपथ ग्रहण कार्यक्रम उदयपुर अम्बा माता स्कीम महावीर साधना स्वाध्याय भवन मे सोमवार को दोपहर संपन्न हुआ। अखिल भारतीय स्थाकनवासी जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रांत के प्रचार मंत्री सुधीर जैन ने बताया कि मुख्य शाखा व महिला शाखा के सयुंक्त शपथ ग्रहण समारोह वरिष्ठ समाजसेवी भंवर सेठ की अध्यक्षता में व ओंकार सिंह सिरोया, आर के जैन के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया।

प्रांतीय अध्यक्ष निर्मल पोखरना, महामंत्री शांतिलाल मारू, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र चण्डालिया व महिला शाखा की अध्यक्षा नीता बाबेल, महामंत्री चंदा कोठारी, कोषाध्यक्षा सुमित्रा सिंघवी, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्षा लाड़जी मेहता, अल्पसंख्यक योजना की राष्ट्रीय अध्यक्षा शिल्पा पामेचा, प्रांत के युवा अध्यक्ष निर्मल सिंघवी, महामंत्री मनीष दाणी के साथ राजस्थान के प्रमुख शहरो चितौड़गढ़, जयपुर, जोधपुर, अजमेर, पाली, भीलवाड़ा, ब्यावर, सवाई माधोपुर, कोटा, डूगला आदि शहरो से मनोनीत किये कार्यकारिणी के महिला और पुरूष पदाधिकारियों ने प्रांतीय अध्यक्षो के साथ सयुंक्त रूप से समारोहों मे पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह मे अध्यक्ष निर्मल पोखरना और महिला शाखा अध्यक्षा नीता बाबेल ने सम्बोधित करतें हुये कहा कि श्रमण संघ की एकता और अंखडता और नई पीढ़ी के बच्चों को धार्मिक पाठशाला के माध्यम से सुसंस्कारित बनाकर धर्म से जोड़कर व्यसन मुक्त समाज बनाने का सर्व सम्मति से प्रस्ताव लेते हुए प्रांत के श्रीसंघो को जैन कॉन्फ्रेंस के सम्मेलन जोड़कर साधु साध्वियों के विहार सेवा ठहरने की व्यवस्था के साथ ही अधिक से अधिक संख्या मे कॉन्फ्रेंस के सदस्य बनाकर कॉन्फ्रेंस को मजबूत बनाया जाएगा। पोखरना ने कहा कि जैन कॉन्फ्रेंस की राजस्थान शाखा श्रमण संघ की एकता के लिए कार्य करेगी।

एकता को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर संघ सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। इन सम्मेलनों में श्रमण संघ से जुड़े अधिकाधिक लोग शामिल हो इसके अधिकतम प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान जैन भाई बहनो को कॉन्फ्रेंस से जोड़गे तो प्रांत और राष्ट्र में जैन समाज की विशिष्ट पहचान बनेगी।व्यसन मुक्त जैन समाज की स्थापना का सभी मनोनीत पदाधिकारियों ने सकल्प लिया! समारोह का संचालन आलोक पगारिया,सुधीर जैन, सिध्दराज सिंघवी ने किया ।

पक्षियों को राहत के लिए कॉलोनी वासियों ने बांधे परिंडे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बढ़ते तापमान, प्रचन्ड भीषण गर्मी व तपन में व्याकुल पक्षियों-जंतुओं को राहत देने के लिए कॉलोनी वासियों ने मिट्टी के परिंडे बांधे राहत देने का प्रयास किया। शहर के राष्ट्रीय स्वयं सेवक के जिला विभागाध्यक्ष प्रवीण टांक एवं नगर अध्यक्ष दीपक कसाना के सानिध्य में गांधी नगर स्थित सुभाष कॉलोनी वासियों ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर शपथ ली। बिन बोले पक्षियों को चुग्गा, ठंडा पानी मिले इस हेतु प्रत्येक घर की जिम्मेदारी तय करते हुए 25 परिंडे बंधे गए। इस पुनीत पुण्य कार्य में महिलओं ने भी भागीदारी निभाते हुए रचना सेन, शालिनी शर्मा, भारती लक्षकार, रेखा स्वर्णकार, नीलम वर्मा ने भी सहयोग प्रदान किया। अभिनव, आर्यन, दक्ष, आयुष, परी, चारवी, इशिका बाल गोपाल बच्चे भी पीछे नहीं रहे उन्होंने भी परिण्डे बांधे। इस अवसर पर राकेश, खुशवन्त, घनश्याम, प्रकाश सहित स्थानीय निवासी मौजूद रहे ।

आयुर्वेद विभाग एवं आत्मबोध योग संस्थान के सहयोग से योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। प्रातः 6 बजे सेंती स्थित राजीव गांधी पार्क, एमपी बिरला हॉस्पिटल के सामने आयुर्वेद विभाग एवं आत्मबोध योग संस्थान, चित्तौड़गढ़ के सहयोग से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के सदस्य एवं मधुवन हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र के आस-पास काफी लोगों ने योग प्रशिक्षण शिविर का लाभ उठाया।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लवकुश पाराशर द्वारा आसन प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। आत्मबोध योग संस्थान से महेश डागा, भगवत राजावत, पुरुषोत्तम सोनी, हंसा सुखवाल, दिनेश साहू, नारायण, कृष्ण गोपाल पोरवाल, संपत कुमार डांगी, तरुणलोट, उदय लाल श्रीमाली, सत्यनारायण सुखवाल, मौजूद रहे।

संस्थान द्वारा पिछले रविवार को प्रताप नगर स्थित शहीद हेमू कॉलोनी पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया था।

अगले रविवार को नेहरू पार्क रेलवे फाटक के पास में आयोजित होने वाले शिविर की घोषणा करी। शिविर में काफी लोगों ने अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय जाने एवं पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह

सरकार के फैसलों से गरीबों एवं वंचितों को मिल रहा उनका हक : मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने गरीबों, वंचितों, किसान एवं मजदूर सहित सभी जरूरतमंद वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर जो योजनाएं बनाई हैं उनसे इन वर्गों के लिए समान भागीदारी के साथ आगे बढ़ने की राह आसान हुई है। गहलोत बिडला सभागार में महात्मा ज्योतिबा फुले और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के संयुक्त जयंती समारोह में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने की अनिवार्यता, थानों में स्वागत कक्ष निर्माण, महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की प्रभावी तफ्तीश के लिए प्रत्येक जिले में विशेष यूनिट के गठन जैसे फैसलों से सबसे ज्यादा राहत गरीब, उपेक्षित एवं वंचित वर्ग को मिली है और उन्हें न्याय मिलना आसान हुआ है। इससे पहले कई बार थानों में उनकी सुनवाई नहीं होने की शिकायत सामने आती थी।

अब जल्द हो रही महिला अपराधों की तफ्तीश

गहलोत ने कहा कि अपराध नियंत्रण की दिशा में सरकार के इन प्रयासों से इस्तगासों के माध्यम से मुकदमा दर्ज होने की संख्या 33.4 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत रह गई है। महिलाओं से संबंधित अपराधों की तफ्तीश का औसत समय 274 दिन से घटकर 79 दिन ही रह गया है। प्रदेश के अधिकतर थानों में स्वागत कक्ष बन चुके हैं। पॉक्सो प्रकरणों में 7 अपराधियों को फांसी और 137 को उम्रकैद की सजा दिलाने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि इन महापुरूषों का जीवन वंचित वर्ग के उत्थान को समर्पित रहा। समाज के दबे-कुचले वर्गो के अधिकारों के लिए महात्मा फुले और डॉ. अंबेडकर ने अथक संघर्ष किया। इन युगपुरूषों ने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ लिंग भेद, जाति-प्रथा, धार्मिक आडम्बर जैसी कुरीतियों के खिलाफ सामाजिक चेतना जागृत की।

गहलोत ने प्रदेश के 1 करोड़ 33 लाख परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए चिरंजीवी योजना, गांवों, कस्बों और शहरों में खुल रहे महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, चिकित्सा संस्थानों में निशुल्क ओपीडी एवं आईपीडी उपचार प्रदान करने वाली महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना जैसी योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि इन सबका लाभ उठाने के साथ-साथ जरूरी है कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन में अंधेरा है। एक शिक्षित व्यक्ति ही शोषण के खिलाफ उसी मजबूती से आवाज उठा सकता है, जैसी कि बरसों पहले महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर ने उठाई थी। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पूर्व मुख्यमंत्री ने सहकार सर्किल स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन भी किया। समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कल्याणकारी योजनाओं एवं फैसलों का सर्वाधिक लाभ समाज के शोषित, वंचित, किसान तथा मजदूर वर्ग को मिल रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फुले और डॉ. अंबेडकर ने स्त्री शिक्षा की अलख जगाने के साथ ही लोगों की पीड़ा को आवाज दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की 'उड़ान योजना' प्रदेश की महिलाओं के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। प्रदेश की आधी आबादी के स्वास्थ्य के लिए लाई गई सबसे महत्वाकांक्षी योजना है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव ने कहा कि करीब 200 साल पहले शोषित एवं पिछड़े समाज को जोड़ने का जो काम महात्मा फूले ने किया उस समय इस दिशा में कोई सोच भी नहीं सकता था। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वंचित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री गोविन्द राम मेघवाल, अंबेडकर पीठ के महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल, महापौर जयपुर हैरिटेज मुनेश गुर्जर, पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ. भजनलाल रोलन और समिति के संयोजक बनवारी लाल बैरवा ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। समारोह में बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

रामनवमी और गणगौर महोत्सव को लेकर निकली शोभायात्रा, गूंजा जय-जय श्री राम

गौरां दे जी का सायबा ने खणी खम्मा, खम्मा...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर में कोरोनाकाल के दो साल बाद नौपत, बैण्डबाजों, शहनाईयों की मधुर स्वरलहरियों के बीच निकली गवर शोभायात्रा दर्शन के प्रति शहरवासियों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। शोभायात्रा में राम दरबार, शिव बारात, राधाकृष्ण, ओमप्रकाश विश्नोई की ओर से पर्यावरण चेतना के लिए अमृता देवी, अखंड भारत, गौ संरक्षण, परशुराम महादेव, आदि देवी देवताओं की झांकी, घोड़ो पर सवार ध्वज वाहक, महाराष्ट्र नासिक के ढोल ताशे सहित स्वर्णाभूषणों से सुसज्जित गणगौर के साथ हिन्दु महासभा के अखाड़े का प्रदर्शन आकर्षक रहा।

शाम को अस्ताचल की ओर जाते सूर्य देवता की लाल-पीली आभा के बीच श्रृंगारित गणगौर की प्रतिमाओं काइ जुलूस कोट गेट से रवाना हुआ जो, सदर बाजार, चौपाटा बाजार, लखारा बाजार, शहीदो का चौक होते हुए, सुभाष घाट से सापासर तालाब पर पहुंची जिसमें कोट गेट, ईलाजी बाजार, चौपाटा बाजार, स्वर्णकार समाज, मोचीवाड़ा, मालियो की आथुणी और ऊगुणी हथाई की गणगौर प्रतिमाएं शामिल रही। जहा सरोवर पर विशेष पुजा अर्चना की गयी। इस दौरान वहां मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के गगनभेदी जयकारे लगाकर समूचे परिवेश को गुंजायमान कर दिया। रामदीन भलालिया के नेतृत्व में माली समाज की घुघंरा गैर , पूनम साड़ी प्रतिष्ठान के नरपत राज पटेल की ओर से गौ संरक्षण की झांकी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही। मेले में स्वर्णकार समाज, लखारा समाज और विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा पानी व्यवस्था और शर्बत की व्यवस्था भी की गई। महिलाओं ने पारंपरिक लोक गीत भंवर म्हाने पूजण दो गणगौर एवं म्हारी घूरम छै नखराली... गीतों पर घूमर नृत्य का आनंद लिया। इस दौरान हिंदू महासभा की ओर से अखाड़ा उस्ताद श्याम पुजारी, बाबूलाल के नेतृत्व में पारम्परिक ढोल-नगाड़े एवं पारम्परिक अस्त्र-शस्त्रों के साथ , पहलवान नंदु सागर ने मुंह से अग्नि फायर डांस कर हैरतअंगेज कारनामे से सभी का मन मोहा जुलूस में सभी युवाओं ने जगह-जगह अपने हुनर व करतब का प्रदर्शन किया।

शोभायात्रा में यह हुए शामिल

एडिशनल एसपी ग्रामीण सुनील के पवार, बिलाड़ा सीओ भूपेंद्र सिंह शेखावत, एसडीएम दुदाराम, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह शेखावत, अधिशासी अधिकारी सुरेश चंद शर्मा, पीपाड़ शहर थाना अधिकारी लक्ष्मण राम जाखड़ ने लगभग 250 जवानो के साथ व्यवस्थाओ को संभाले रखा। इसके साथ ही पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंह कच्छावाह, जिला महामंत्री धनराज सोलंकी, मनोनीत पार्षद सोहनलाल सांखला, पार्षद पीयूष शर्मा, पार्षद कैलाश सेन, नरसिंह टाक, धमेंद्र सोनी, जैन समाज के धनेन्द्र चौधरी , माली समाज और शिवसेना अध्यक्ष सुखदेव सैनी, भाजपा युवा मोर्चा के सी पी मारोटीया, सुरेंद्र टाक, माही टाक , प्रशांत,आदि के साथ कई पार्षद एवं बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं नगरवासी भी साथ चल रहे थे। गवर माता की भोलावनी के बाद पुनः विभिन्न स्थानो पर विराजित किया गया।

बोर्ड में भी उठा मुद्दा अभी तक योजना धरातल पर नहीं हुई साकार

नगर पलिका की ओर से गणगौर महोत्सव के तहत काफी दिनों से गणगौर की सवारी निकालने की तैयारी जोर-शोर से चल रही थी, लेकिन अभी तक लावारिस पशुओं की धरपकड़ नहीं होने से यह सवारी में भगदड़ मचा सकते थे। इसके बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। शहर के मुख्य मार्ग पर लावारिश पशुओं का जमघट लगा रहता है। यह चारे और पानी की तलाश में इधर से उधर भटकते रहते हैं। कई बार यह मुख्य मार्ग के बीच में बैठ जाते हैं। इससे यातायात तो अवरूद्ध होता ही है साथ ही लोगों को आवाजाही में परेशानी भी होती है। कई बार इनके आपस में लडने के कारण कई लोग घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद नगर पलिका की ओर से इनकी धरपकड़ कर गौशाला अथवा शहर के बाहर नहीं स्थानांतरण नही किया जा रहा है। ऐसे में अब नगर पलिका की ओर से गणगौर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत गाजे-बाजे के साथ गणगौर की सवारी निकली। इसमें सैकडों की संख्या में महिला और पुरुष शरीक हुए। ऐसे में यह लावारिश पशुओं के जुलूस में घुसने से भगदड़ मच सकती थी। इससे गंभीर हादसा भी हो सकता है। सुबह-शाम मुख्य मार्गो पर इनका जमावड़ा लगा रहता है। कई बार यातायात पुलिसकर्मी इन्हें रास्ते से एक तरफ करते देखे गए हैं। इसके बावजूद नगर पलिका प्रशासन इस ओर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझ रहा है।

राम के संयमित, मर्यादित, संस्कारित एवं आदर्शों को जीवन में उतारे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोठड़ा। रामनवमी के शुभ अवसर पर नवलगढ़ तहसील के गोठड़ा गाँव में सरस्वती स्कूल में शाला संस्थापक एवं शिक्षकों ने नूतन एवं अनुकरणीय पहल कर शुरुआत की। मंच संचालन रघुवीर सिंह बारवा ने किया। कल्याण सिंह झाझड,कैप्टन दीप सिंह शेखावत एवं महेंद्र सिंह जी भैरूबास ने अपने उद्बोधन में भगवान श्री राम के जीवन एवं उनके महान आदर्शों को बताया एवं जीवन को संयमित, मर्यादित, संस्कारित एवं आदर्शों को निज जीवन में उतार श्री राम जैसे बनने की सीख दी ।वहीं अभिभावकों का सम्मान महेन्द्र सिंह भैरूबास ने इन पंक्तियों के साथ किया -

मात-पिता है प्रथम गुरु जिन्होंने जीवन संवारा,
जनक-जननी की सेवा से होगा उद्धार हमारा।।

शाला प्रांगण में जैसे ही बच्चे अपने - अपने माता -पिता के चरण वंदन, पूजा कर रहे थे बहुत ही भावुक एवं करूणामय दृश्य दिखाई दे रहा था ,उनके नैनों से प्रेम रूपी अश्क बरबस निकल पड़े और हृदय में अपार स्नेह एवं आशीर्वाद।

इनके शुभाशीष से संतति की सुधरे जीवनधारा,
जनक जननी के चरणों में ही होता स्वर्ग हमारा!

संस्थापक टंवर सिंह ने बताया कि शिक्षक उस दीपक के प्रकाश की तरह होता है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को आलोकित करता है , अपने शिष्य की नौका को भवसागर से पार लगाता है। बच्चे प्रारंभ में गीली मिट्टी की तरह होते हैं जिन्हें शिक्षक (कुम्हार की भांति) अपने ज्ञान के थपेड़ो से अनुशासन, धैर्य और ज्ञान रूपी चाक पर दोषों को दूर कर उसके अंदर के गुणों को उभारता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों पर चलने की सीख एवं माता-पिता की जीवन में महत्ता एवं सम्मान की सीख ,सुंदर एवं सुनहरे समाज निर्माण एवं छात्र-छात्राओं की नींव मजबूत होने के साथ सुखद उज्जवल भविष्य की कामना की ।साथ ही पंचायत समिति सदस्या मोना कंवर भी उपस्थित रहीं एवं नूतन पहल के लिए बधाई दी।अंत में हेम सिंह एवं टंवर सिंह गोठड़ा ने सभी को सफल आयोजन एवं साथ के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

निंबाहेड़ा में फल मंडी का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर करने की घोषणा

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सरकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से बड़ी फल मंडी निम्बाहेड़ा का नामकरण महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर करने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही मंत्री आंजना द्वारा यहाँ फुले की मूर्ति स्थापित करने की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय फुले बिग्रेड के मनोज माली ने बताया कि निम्बाहेडा में ज्योतिबा फुले जन्म उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री आंजना की ओर से पुरुषोत्तम झंवर द्वारा यह घोषणा की गई। निम्बाहेड़ा में ज्योतिबा फुले जन्म उत्सव पर सर्व माली समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन रखा गया। शोभा यात्रा मोती बाजार स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई जो बड़ी फल सब्जी मंडी में सभा के पश्चात समाप्त हुई। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष शारदा, उपाध्यक्ष शिभी, वरिष्ठ पार्षद रवि प्रकाश सोनी आदि उपस्थित रहे।

चढ़ता पारा : डूंगरपुर-बासंवाड़ा में कम रहेगा आम का उत्पादन

मीठे आमों में रहेगी भावो की खटास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस बार प्रदेश में फलों के राजा आम के भावों में खटास देखी जा सकती है। कारण बीते दिनों हुई बेमौसमी बरसात ने इस साल आम उत्पादन की गणित को बिगाड़ कर रख दिया है। वहीं, अब 40 पार पहुंच चुके पारे ने उत्पादन को झुलसाना शुरू कर दिया है। इससे अबकी बार डूंगरपुर-बासंवाड़ा सहित दूसरे जिलों में आम की पैदावार में 20-25 फीसदी की गिरावट देखने को मिल सकती है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल वैसे ही पौधों पर फलाव कम देखने को मिला है। इसके पीछे बड़ा कारण फरवरी में हुई बेमौसमी बरसात है। उस समय आम के पौधों पर मंजर फूट रहे थे। लेकिन, हवा बारिश के चलते मंजर बुरी तरह से प्रभावित हुए। अब तापमान में बढौत्तरी ने इस साल आम की कम फसल आने की आशंका प्रबल कर दी है। उन्होंने बताया कि पैदावार में कमी की संभावनाओं के चलते आम के भाव इस साल तेज रह सकते है। गौरतलब है कि इस बार कुछ किस्मों के आम ही बाजार में नजर आ रहे है। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. सीएम बलाई ने बताया कि बताया कि आम द्विवार्षिक फसल है। इसलिए एक साल कुछ कम मंजर और उत्पादन स्वाभाविक प्रक्रिया भी है। गत वर्ष बेहतर फलन हुआ था। ऐसे में इस बार कम मंजर का आना अथवा कम फलन प्राप्त होना एक नैसर्गिक और सामान्य प्रक्रिया भी कहा जा सकता है। लेकिन, फरवरी में हुई बेमौसमी बरसात ने पेड़ो पर लगे मंजर के साथ उत्पादन को गिराने का काम किया है।

दो हजार हैक्टयर में आम की खेती

उल्लेखनीय है कि डूंगरपुर- बांसवाड़ा जिले में दो से ढ़ाई हजार हैक्टयर क्षेत्र में आम की पैदावार होती है। उत्पादित आम की खपत स्थानीय स्तर पर हो जाती है। साथ ही, आम उत्पादक किसान उच्च क्वालिटी के आम को दिल्ली, मुबंई, गुजरात, जयपुर आदि मंडियों में भेजते है। आम की फसल दोनों ही जिलों के किसानों के लिए नगद आमदनी का स्त्रोत है।

महाराष्ट्र में भी 40% पैदावार कम

महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, गुजरात आदि राज्यों में भी इस साल आम का उत्पादन कम रहने की संभावना है। बेमौसम बारिश, ज्यादा तापमान से आम की पैदावार में 40 फीसदी कमी की संभावना विशेषज्ञों ने जताई है। दिसंबर- फरवरी में हुई बेमौसम बारिश ने फसल को नुकसान पहुंचाया। इससे दाम बढ़ने की उम्मीद थी। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय सेवा बंद होने से इस बार आम के दाम सामान्य रहने की उम्मीद है।

जागरूक खबरें

सांसद खेल महाकुंभ प्रथम चरण 14 अप्रैल से प्रारंभ

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए होने वाले सांसद सी.पी.जोशी की पहल सांसद खेल महाकुंभ कबड्डी प्रतियोगिता के प्रथम चरण का प्रारंभ 14 अप्रैल भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती से भादसोड़ा मंडल से होगा। भादसोड़ा मंडल के मैच मेवाड़ के प्रसिद्ध धाम सांवरिया सेठ में होगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके साथ ही लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक मंडल स्तर पर यह प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है इसकी तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन सोमवार को सांसद जनसुनवाई केंद्र चितौड़गढ़ पर हुआ। आगामी 14 अप्रैल से लेकर इस अप्रैल माह में अधिकांश मंडल स्तर पर इस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसके साथ ही मई माह के अंदर चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर पूरे लोकसभा क्षेत्र के मंडलों की कबड्डी और क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। मंडल स्तर पर होने वाली कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता टीम जिला मुख्यालय पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस पर इस प्रतियोगिता मे महिला खिलाड़ियों के लिए भी आयोजन रखा गया है। प्रत्येक मंडल से एक टीम लोकसभा स्तर के होने वाले टूर्नामेंट में कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने आएगी। क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रत्येक मंडल से एक टीम लोकसभा स्तर के टूर्नामेंट में खेलने आएगी। लोकसभा स्तर के विजेता टीम को नगद पुरस्कार और उप विजेता टीम को भी नगद पुरस्कार दिया जाएगा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को भी व्यक्तिगत नगद पुरस्कार मिलेगा ।इसके साथ ही कबड्डी और क्रिकेट दोनों प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता टीमों को उनके पंचायत में विकास कार्य के लिए सांसद मद से विकास कार्य हेतु विशेष स्वीकृति भी दी जाएगी। मंडल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र तथा मंडल स्तर पर विजेता और उपविजेता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही लोकसभा स्तर के टूर्नामेंट के लिए आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। यथासंभव प्रथम और द्वितीय चरण दोनों ही स्तर के टूर्नामेंट कबड्डी के मैच मैटिंग पर किए जाएंगे। मीटिंग के दौरान आयोजन से जुड़े अनिल सिसोदिया, हर्षवर्धन सिंह रुद, रघु शर्मा, श्रवण सिंह राव, गौरव त्यागी, सुरेश गाडरी, मुकेश गुर्जर, राधेश्याम कुमावत, जितेंद्र शर्मा, गोपाल ईनाणी, भरत माहेश्वरी, शांतिलाल भराडिया, नवीन सुखवाल, सूरजपाल सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

स्वच्छता का संकल्प दिलाकर पार्षद ने बांटे डस्टबिन

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान के तहत व हिन्दु नववर्ष और भाजपा के 42 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में पीपाड़ नगर पालिका वार्ड संख्या 20 पार्षद धर्मेंद्र सोनी द्वारा वार्ड में डस्टबिन बांटे गए। वार्ड में जाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। साफ-सफाई रखने घरों की गंदगी सड़कों पर न फेंकने, कचरे को कचरा दान में डालने की, नगर को साफ स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील की सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई और अपने मानदेय को नेक कार्य के लिए खर्च कर मोहल्ले वासियों को कचरादान पात्र भेंट किए। डस्टबिन वितरण करते समय लोगों से अपील करते हुए पार्षद धर्मेंद्र सोनी ने कहा कि आप लोगों के सहयोग के बिना पीपाड़ शहर को स्वच्छ व सुंदर नहीं बनाया जा सकता है। आप लोग अपने अपने घर के कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखें बीच सड़क पर व घर के बाहर न फेंके। इस पहल को वार्ड वासियों ने तारीफ के काबिल बताया। इस दौरान कई समाजसेवी वह वार्ड वासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि मे हुआ नव आगुंतक आयुर्वेदाचार्यो का शिष्योपनयन संस्कार 7

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि मे आयुर्वेदाचार्य प्रथम वर्ष के नवांगतुक छात्रों हेतु शिष्योपनयन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रो वीसी प्रो.मीता कोटेचा ने कहा कि वर्तमान समय मे विश्व स्तर पर आयुर्वेद की सर्वाधिक लोकप्रियता हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि समय की मांग को देखते हुए आयुर्वेद क्षेत्र में सफलताओ के मुकाम हासिल करे। इसके अलावा प्रो.मीता कोटेचा ने लैंगिग भेदभाव एवं महिला सशक्तिकरण पर भी विचार रखे। यूनिवर्सिटी कुलसचिव एवं शिष्योपनयन समिती के संरक्षक प्रो. ए.रामामूर्ति ने कार्यक्रम मे उपस्थित लोगो का स्वागत करते हुए संस्थान की विशेष उपलब्धियों से अवगत करवाया। समिति के अध्यक्ष डॉ छाजूराम यादव ने संपूर्ण कार्यक्रम की रुपरेखा का वर्णन किया। संस्थान संयुक्त निदेशक जय प्रकाश शर्मा ने संस्थान प्रशासन की तरफ से हर सम्भव सहयोग की बात कही। संस्थान के डीन (छात्र कल्याण) ने संस्थान की गौरवशाली परंपरा को बताते हुए आयुर्वेद के गौरव पर विशेष बल दिया। डॉ गुलाब पमनानी ने उपस्थित छात्रों को एंटी-रैंगिग नियमो के बारे मे विस्तार से समझाया। छात्रावास अधिक्षक डॉ महेन्द्र प्रसाद व समिती के सचिव डॉ संदीप लहांगे ने भी छात्रों को आयुर्वेद की उपयोगिता पर समझाया। इस अवसर छात्र व अभिभावक भी उपस्थित रहे।

पारंपरिक गीतों के साथ स्वर्णकार महिला मंडल ने दी गणगौर को विदाई

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। स्वर्णकार समाज महिला मंडल ने दुर्गाष्ठमी के पावन अवसर पर गणगौर को विदाई ओर लोठिया का उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। महिला मंडल की गौरी धूपड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम में समाज की सभी माताओं बहनों ने स्वर्णकार समाज माताजी मंदिर में नाच गाने के साथ गणगौर के मंगल गीत गाये ओर बेंड बाजो के साथ महिलाओं ने चौपाटा बाजार कोट मुख्य बाजार से होते हुवे भवन तक कलशयात्रा के साथ खूब धूमधाम से गणगौर पूजन कर गणगौर को विदाई दी।

विभिन्न बजट घोषणाओं की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जननायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट 2022-2023 में की गई विभिन्न घोषणाओं के लिए प्रसाशनिक व वितीय स्वीकृति जारी की गई है। जल्द ही ये कार्य शुरू होंगे और आमजन को इनका लाभ मिल सकेगा। राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण बोर्ड अध्यक्ष (राज्यमंत्री) सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने पिछले दिनों जयपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए प्रशासनिक व वितीय स्वीकृति शीघ्र जारी करने हेतु मांग की थी। जिसके क्रम में 2 हजार 245 करोड़ रुपये की चंबल नदी से चित्तौड़गढ़, बेंगू, निम्बाहेड़ा पेयजल परियोजना की प्रशासनिक एवं वितीय स्वीकृति जारी की गई है।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन मेट्रो स्टेशन में फायरिंग

16 लोग घायल, कुछ बिना फटे बम भी बरामद, अश्वेत हमलावर फरार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक मेट्रो स्टेशन पर मंगलवार को फायरिंग हुई। 16 लोग घायल हुए हैं। तीन की हालत गंभीर है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ब्रुकलिन स्टेशन की इस घटना के बाद वहां जब सर्च ऑपरेशन चलाया गया तो कुछ बिना फटे बम भी मिले। पुलिस के मुताबिक, फायरिंग करने वाला शख्स कंस्ट्रक्शन वर्कर जैसे कपड़े पहने था। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक शख्स कुछ छोटे बम लेकर स्टेशन में घुसा था। उसके हाथ में गन भी थी। इलाका सील कर दिया गया है और हमलावर की तलाश की जा रही है। ष्ट्हह के मुताबिक, 16 घायलों में से 8 को गोली लगी है। बाकी भगदड़ या बम की वजह से घायल हुए हैं।

कैसे हुई घटना?

फायरिंग में घायल होने के बाद जमीन पर पड़े लोग। एक व्यक्ति घायल के पैर में कपड़ा बांधकर खून रोकने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। फायरिंग में घायल होने के बाद जमीन पर पड़े लोग। एक व्यक्ति घायल के पैर में कपड़ा बांधकर खून रोकने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयॉर्क के सबअर्बन एरिया ब्रुकलिन में लोग रोज की तरह लोकल मेट्रो स्टेशन पर पहुंच रहे थे। यहां से ये लोग शहर के कई दूसरे हिस्सों तक पहुंचते हैं। इसके लिए मेट्रो स्टेशन पर एक ट्यूब एरिया है। यहां से तीन अलग रूट्स के लिए मेट्रो ट्रेन चलती हैं। सुबह करीब 8.30 बजे (अमेरिकी वक्त के मुताबिक) अचानक ब्लास्ट और चंद सेकेंड्स बाद फायरिंग की आवाज आई। इसके बाद अफरातफरी मच गई।

कंस्ट्रक्शन वर्कर्स की ड्रेस में दिखा हमलावर

शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमलावर की पीठ पर एक गैस सिलेंडर भी था और वो गैस मास्क भी पहने था। एक कैमिकल लिक्विड की बॉटल भी बरामद हुई है। शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमलावर की पीठ पर एक गैस सिलेंडर भी था और वो गैस मास्क भी पहने था। एक कैमिकल लिक्विड की बॉटल भी बरामद हुई है।

हेड कांस्टेबल स्व. बेरवा की स्मृति पंछियो के लिए विभिन्न स्थानों पर बांधे परिंडे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दे चुके स्व. रामलाल बेरवा की स्मृति में बेजुबान पक्षियों के लिए भीषण गर्मी राहत प्रदान करने के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी के परिंडे लगाए गए। निंबाहेड़ा में डॉ. कलाम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे पंछी बचाओ परिंडा लगाओं अभियान के तहत पुलिस विभाग में पूर्व में अपनी सेवाएं दे चुके हेड कांस्टेबल स्व. रामलाल बेरवा नेगडिया कलां बस्सी की स्मृति में कोतवाली थाना निंबाहेड़ा के सहायक उप निरीक्षक सूरज कुमार के सौजन्य से नगर के दशहरा मैदान स्थित श्री ढ़ाबेश्वर महादेव मंदिर परिसर, अशोक वाटिका, मोहम्मद हुसैन बाबा की दरगाह व दशहरा मैदान के मुख्य द्वार पर स्थित दरगाह परिसर में भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पंछियों की प्यास बुझाने के लिए परिंडे बांधे गए साथ ही वहां पर सेवाएं देने वाले लोगों को प्रतिदिन परिंडों की सार-संभाल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

तीन जगह आवास योजना के लिए चिन्हित

पत्रकार आवास योजना पर प्रमुख सचिव से प्रेस क्लब पदाधिकारियों की मुलाकात

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बहुप्रतीक्षित पत्रकार आवास योजना को लेकर प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने मंगलवार को यूडीएच प्रमुख सचिव कुंजी लाल मीणा से सचिवालय में मुलाकात की। मीणा ने आवास योजना के लिए सरकार की ओर से सकारात्मक रूख बताते हुए कहा कि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा मंगलवार को अपने पदाधिकारियों के साथ प्रमुख सचिव से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने प्रमुख सचिव को बताया कि आवास योजना का पत्रकारों को बेसब्री से इंतजार है। आवास योजना के लिए जिन स्थानों का चयन किया गया है उसका भी वे जल्द दौरा करेंगे। प्रमुख सचिव ने क्लब पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि सरकार के स्तर पर इस मामले में किसी भी रूप में कमी नहीं आने दी जाएगी। अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि जयपुर के दांतली-सरोली, बगराना, नींदड़ में आवास को लेकर जगह की तलाश की गई है। इस संबंध में जेडीए के अधिकारियों, कमेटी के सदस्यों के साथ सामंजस्य कर वे योजना को मूर्त रूप देने में अपना हर संभव योगदान देंगे। इस अवसर पर प्रेस क्लब के महासचिव रघुवीर जांगिड़, कोषाध्यक्ष राहुल गौतम, उपाध्यक्ष गिरिराज गुर्जर भी मौजूद थे।

वन्देमातरम सप्ताह का मिशन 17 तक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सैल्यूट तिरंगा एक राष्ट्रवादी संगठन है जो 17 अप्रैल तक वन्देमातरम सप्ताह का मिशन पुरे विश्व में आयोजित कर रहा है। 25 लाख से 25 करोड़ नागरिकों का एकसाथ राष्ट्रगीत एक अखंड भारत की पहचान बन रहा है। जयपुर में प्रथम कार्यक्रम का आगाज महायज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, निर्माण नगर में संपन्न हुआ। सेल्यूट तिरंगा की राष्ट्रीय सचिव और राजस्थान प्रभारी विरक्षा त्रिवेदी, राष्ट्रीय सचिव आशुतोष शर्मा एडवोकेट, प्रदेश अध्यक्ष मदनमोहन, प्रदेश महासचिव प्रदीप खुराना, कर्नल देवानंद, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुज पालीवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। स्कूल प्रिंसिपल मैडम नीलिमा गुप्ता, विकास खत्री और स्कूल के समस्त स्टॉफ के सानिध्य में वन्देमातरम राष्ट्रगीत के साथ साथ भारत माता की जयकारा ने पूरा माहौल राष्ट्रभक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के बच्चों ने संस्कृत के श्लोकों के साथ करके सनातन संस्कृति का जीवंत परिचय देकर सभी नागरिकों का दिल जीत लिया और साथ में मातृभाषा हिंदी को प्राथमिकता देने की प्रतिज्ञा भी ली।

आर्शीवाद समारोह में पहुंचेंगी कई बड़ी हस्तियां

परिणय सूत्र में बंधे भाजपा नेता अजय सिंह टाक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर छात्र नेता और जिला उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा व केंद्र सरकार में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय सदस्य अजय सिंह टाक अपनी जीवनसंगिनी पूनम के साथ सात फेरे लेकर परिणय सूत्र में बंध गये है उन्होंने शादी से पहले नया संकल्प लिया की शगुन के तौर पर जो राशि आयी है वह नेक कार्य के लिए आने वाले सार्वजनिक स्थान पर गर्मी से निजात दिलाने के लिए गौ सेवार्थ व पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पानी की व्यवस्था सार्वजनिक स्थानों पर करेंगे। इस पहल का सभी घराती और बरातियों ने स्वागत किया और दुल्हे अजय को आर्शीवाद दिया। इस मौके पर उसके पिता ठेकेदार बंशीलाल टाक, प्रेमसुख, रामनिवास, गंगाराम, रामपाल, ओमप्रकाश, भगवान राम, रतन, शिक्षाविद श्याम टाक, पवन, गजेंद्र, रवि टाक, विक्रम सहित परिवार के सदस्य मौजूद रहे। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक बुधवार को स्नेह भोज एवं आशीर्वाद समारोह में इस नए जोड़े को आशीर्वाद देने कई सांसद, पूर्व सांसद विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री, सरपंच, पूर्व सरपंच, चेयरमैन, पूर्व चेयरमैन पार्षद सहित कई जनप्रतिनिधि पीपाड़ शहर आ सकते हैं।

स्व. श्री सुन्दर सिंह भण्डारी जन्म शताब्दी कार्यक्रम 17 को

चितौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जन चेतना मंच चितौड़गढ़ द्वारा स्वर्गीय सुन्दर सिंह भण्डारी जन्म शताब्दी के तहत् व्याख्यानमाला का आयोजन 17 अप्रेल को सांय 4.45 बजे इन्दिरा प्रियदर्षनी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। मंच के जिलाध्यक्ष एस.के. शर्मा के अनुसार 'समर्थ एवं समृद्ध भारत के मायने' विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला में नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा गुलाब चन्द कटारिया एवं राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं विचारक गुणवन्त सिंह कोठारी मुख्य अतिथि होगें। मंच के प्रान्तीय अध्यक्ष हेमन्त शर्मा के अनुसार इस अवसर पर समाज सेवकों का मेवाड़ गौरव सम्मान एवं स्वर्गीय श्री सुन्दर सिंह भण्डारी सम्मान प्रदान करने के साथ ही 'स्वस्थ लोकतन्त्र-सशक्त हिन्दुस्तान अभियान' का भी शुभारम्भ किया जायेगा।

राधेष्याम लढ़ा नगर अध्यक्ष घोषित

मंच के जिलाध्यक्ष एस.के. शर्मा ने प्रान्तीय अध्यक्ष हेमन्त शर्मा की सहमति से षिक्षाविद् राधेष्याम लढ़ा को मंच का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया।

जैनतीर्थ श्रीमहावीरजी के वार्षिक मेला

श्रीमहावीरजी मेले की ध्वजारोहण से शुरुआत, देशभर से आने लगे श्रावक

मेले में 208 सीसीटीवी कैमरों से रहेगी निगरानी, 800 से ज्यादा पुलिसकर्मी संभालेंगे कमान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्रीमहावीरजी। देशभर में प्रसिद्ध जैनतीर्थ श्रीमहावीरजी के वार्षिक मेले का सोमवार को ध्वजारोहण के साथ आगाज हो गया। 18 अप्रैल तक चलने वाले मेले के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा भगवान जिनेन्द्र की रथयात्रा निकलेगी। पहले दिन शलानंदन के भजनों की स्वरलहरियों से अतिशय के माहौल में महावीर भक्ति का नवसंचार हुआ। धार्मिक कार्यक्रमों के बीच अतिथियों ने जैन मुनि श्री 108 चिन्मयानन्द महाराज, मुनि श्री 108 अनुमान सागर एंव आर्यिका श्री 105 सृष्टि भूषण माता के पावन सान्निध्य में केसरिया ध्वज फहरा कर भगवान श्रीमहावीरजी के वार्षिक मेले का शुभारंभ किया गया। मंदिर कटला में भवन की ऊंचाई से पार लहराता केसरिया ध्वज अतिशय क्षेत्र में मेला स्थापना का संदेश दे रहा था। मेला स्थापना के लिए सुबह 9 बजे मंदिर कटला द्वार पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर के प्रबंधक नेमीकुमार पाटनी ने केसरिया ध्वज फहरा कर मेला स्थापना के कार्यक्रमों की शुरुआत की।

कई दर्शनीय स्थल

यहां देखने योग्य प्रमुख स्थलों में निर्मित है ध्यान केंद्र, जहां कई रंग-बिरंगे रत्नों से निर्मित चौबीस तीर्थंकरों की कई लुभावनी मूर्तियां हैं। चरण चिह्न- भगवान महावीर की प्रतिमा के पावन उद्भव स्थल पर चरण चिह्न प्रतिष्ठित हैं। यहां एक खूबसूरत छत्री निर्मित है। चरण छत्री के सम्मुख ही प्रांगण में 29 फुट ऊंचा महावीर स्तूप बनाया गया है जिसका निर्माण महावीर जी के 2500वें निर्वाणोत्सव वर्ष में करवाया गया था। इसके अलावा यहां मानस्तंभ, शांतिवीर नगर, कीर्ति आश्रम चैत्यालय, पार्श्वनाथ भगवान का आकर्षक जिनालय (कांच मंदिर) तथा और भी कई जिन मंदिर दर्शनीय हैं। इस मंदिर में वर्षभर दिगंबर मुनियों का हमेशा आवागमन लगा रहता है। यहां आने वाले श्रद्धालु उनके उपदेशों का लाभ लेते रहते हैं।

208 सीसीटीवी कैमरों लगाए

मंदिर ट्रस्ट की ओर से पूरे मंदिरों के अलावा विभिन्न स्थानों पर 208 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। इसके अलावा वीडियोग्राफी एवं ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी।

पानीः 9 प्याऊ पर मिलेगा शुद्ध पानी

मंदिर परिसर और कस्बे में मंदिर ट्रस्ट की ओर से 5 प्याऊ पहले से लगाई हुई है। इसके अलावा चार अस्थाई प्याऊ लगवाकर 10-10 लोगों को पानी पिलाने की व्यवस्था की गई है। मंदिर ट्रस्ट की 20 बोरवेलों से पानी सप्लाई होगी।

सफाईः 90 कर्मचारी संभालेंगे व्यवस्था

मेले में सफाई व्यवस्था 90 कर्मचारियों के जिम्मे रहेगी। मंदिर ट्रस्ट में 50 सफाई कर्मचारी स्थायी है। जबकि 40 अस्थायी कर्मचारी लगाए गए हैं। दो पारियों में मंदिर परिसर सहित अन्य जगहों की सफाई कराई जाएगी। चार वाहनों से कचरा उठाया जाएगा।

बिजली : 24 घण्टे बिजली सप्लाई होगी

मंदिर परिसर व ट्रस्ट की धर्मशालाओं में 24 घण्टे बिजली की व्यवस्था रहेगी । 4 निजी व 7 सरकारी ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। जिनसे मंदिर ट्रस्ट को ही बिजली सप्लाई होती है। मंदिर ट्रस्ट के पास 8 जनरेटर व सोलर सिस्टम है। रोडवेज बस स्टैण्ड ,देवनारायण चौराहा एव बाजार में हाई मास्क लाईट लगी हुई है।

साइबर क्राइम जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तषासी) महाविद्यालय द्वारा, रक्षा सूत्र फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में साइबर क्राइम अवेअरनेस पर एक कार्यक्रम महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.के.बी. षर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में रानू षर्मा, एडिषनल एस.पी., रवि चौधरी, प्रधान दूदू एवं मानस त्रिवेदी को-फाउन्डर, रक्षा सूत्र फाउण्डेषन उपस्थित रहें। रानू षर्मा ने साइबर क्राइम सम्बन्धी विभिन्न उदाहरण देते हुए विषेष रुप से छात्राओं को सतर्क रहने की बात कही। रवि चौधरी ने फेसबुक व इन्सटाग्राम का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर बल दिया। मानस त्रिवेदी ने विस्तृत जानकारी देते हुए । ATM, Social Media के सही उपयोग के प्रति विधार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ राजेष यादव, डीन ऐकेडमिक एवं एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन षर्मा, डॉ ऋचा सिंधल, डॉ राधाकिषन, लोकेष जैन उपस्थित रहे। अन्त में डॉ विषाल गौतम द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

ANCHOR | **आरटीई भूला विभाग**

सरकारी को छूट, निजी और मदरसों से वसूलने का फरमान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/सीकर। प्रदेश में शिक्षा विभाग की चूक ने आरटीई के नियमों को मजाक बना दिया है। दरअसल, आरटीई अधिनियम के तहत कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों से किसी तरह का परीक्षा शुल्क नहीं वसूला जा सकता है। लेकिन पिछले दिनों शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों को छूट देते हुए निजी स्कूल व मदरसों को लेकर आदेश जारी कर दिया। इसके तहत निजी स्कूल संचालक व मदरसों से प्रति विद्यार्थी 40 रुपए की मांग की गई है। शिक्षा विभाग ने आरटीई अधिनियम से बचने के लिए तर्क दिया कि यह फीस विद्यार्थियों से नहीं लेनी है। इस आदेश का प्रदेश के सभी जिलों में निजी शिक्षण संस्थाओं की ओर से विरोध किया जा रहा है। पहले निजी स्कूल व मदरसा प्रबंधन को यह फीस दस अप्रेल तक जमा करानी थी। लेकिन अब समय बढ़ाकर 15 अप्रेल कर दिया है। लेकिन प्रदेश के 80 फीसदी से अधिक निजी स्कूल संचालकों ने राशि जमा नहीं कराई है। इस मामले में निजी स्कूल संचालकों ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन भी भिजवाए है।

बच्चों से फीस के अलावा कोई फंड नहीं

इस मामले में निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि स्कूलों के पास विद्यार्थियों की फीस के अलावा आय का कोई विकल्प नहीं होता है। इस तरह की फीस जमा कराने के लिए कोई फंड नहीं है। इधर, शिक्षा निदेशालय ने आदेश जारी कर कहा कि निजी स्कूल व मदरसा प्रबंधन किसी भी सूरत में ब'चों से यह फीस नहीं ले सकेगा।

प्रवेश पत्र अपलोड, परिणाम भी नहीं रोक सकेंगे

इस मामले में पत्रिका टीम ने शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी व निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। आरटीई अधिनियम की वजह से शिक्षा विभाग ने कक्षा पांचवी के विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र भी अपलोड कर दिए है। एक्सपर्ट का कहना है कि विभाग की ओर से निजी स्कूलों की ओर से फीस जमा नहीं कराने पर भी विद्यार्थियों का परिणाम नहीं रोका जा सकेगा।

5 करोड़ की वसूली का खेल

प्रदेश में 50 हजार से अधिक निजी स्कूल पंजीकृत है। इस साल पांचवी की परीक्षा में प्रदेशभर के 13 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। इस हिसाब से निजी स्कूल व मदरसों का गणित निकाला जाए तो लगभग पांच करोड़ रुपए शिक्षा विभाग की ओर से वसूलने की तैयारी है।

आरटीई अधिनियम के तहत राज्य सरकार की ओर से किसी तरह की फीस आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों से नहीं वसूली जा सकती है। निजी स्कूल व मदरसों से पांचवी के विद्यार्थियों की परीक्षा शुल्क के तौर पर 40 रुपए वसूलने का फरमान पूरी तरह गलत है।

अनिल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा परिवार